खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com
पत्र नहीं मित्र
संपर्क करें jabdesh1@yahoo.com

पंचम दिवस मां स्कंदमाता

देशबन्धु

जबलपुर, गुरुवार 03 अप्रैल 2025 | वर्ष – 69 | अंक – 138 | पृष्ठ – 12 | मूल्य – 3.00 रु.

▪ नीला ड्रम, स्टोव बनाम... ▪ लोकसभा में अभी सीटें... 04
▪ म्यांमार में जिंदा बचे लोगों की तलाश जारी... ▪ ट्रंप का ऐसा विरोध देखा ! सांसद ने रिकॉर्ड... 09
▪ सोने में लगातार तेजी, नये ...... ▪ ट्रंप टैरिफ का नहीं पड़ा असर... 11
▪ कोलकाता और हैदराबाद... ▪ मैं कप्तान था... 10

आईपीएल में आज

TATA IPL

कोलकाता विरूद्ध
हैदराबाद (कोलकाता)
7.30 शाम से

वक्फ बिल पर संसद में तीखे वार-पलटवार

लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल बहुमत से पास

विशेष समुदाय की जमीन पर सरकार की नजर : गोगोई

हमारी सरकार गरीब मुसलमानों के लिए काम कर रही : रिजिजू

- समर्थन में 288 और विरोध में 232 मत पड़े
- राज्यसभा में चर्चा आज

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। लम्बी और तीखी चर्चा के बाद वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में देर रात बहुमत से पास हो गया। चर्चा का जवाब संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने दिया और उसके उपरांत मत विभाजन की प्रक्रिया शुरू हुई जिसमें 288 सदस्यों ने बिल के पक्ष में और 232 सदस्यों ने बिल के विरोध में मतदान किया। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बहुमत से बिल को पास कर दिया। इससे पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन बिल को मुसलमानों को जलील करने वाला बताते हुए बिल की प्रति फाड़ दी। उधर राज्यसभा में आज इस बिल पर चर्चा होगी।

दूसरी ओर दिन भर चली बहस में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में बुधवार को आरोप लगाया कि एक विशेष समुदाय की जमीन पर सरकार की नजर है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा वक्फ कानून में संशोधन होने पर देश में मुकदमेबाजी बढ़ेगी। उन्होंने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि वह यह नहीं कर रहे हैं कि संशोधन की जरूरत नहीं है, बल्कि संशोधन होना चाहिए और 'हम इसके विरोध में नहीं हैं।'

आज देश में कुल वक्फ संपत्ति 8.72 लाख है। अगर इसका सही प्रबंधन किया जाए, तो इससे न केवल मुसलमानों का जीवन बेहतर होगा, बल्कि पूरे देश की तकदीर बदल जाएगी। **- किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री**

सरकार अल्पसंख्यकों के प्रति सहानुभूति दिखा रही है। लेकिन उनकी डबल इंजन सरकार ने लोगों को सड़कों पर ईद की नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी। **-गौरव गोगोई, कांग्रेस**

संविधान को कमजोर करना मूल उद्देश्य–गोगोई ने आरोप लगाया कि इस विधेयक को लाने का मूल उद्देश्य संविधान को कमजोर करना, भ्रम फैलाना, अल्पसंख्यक समुदायों को अपमानित करना तथा भारतीय समुदाय को विभाजित करना है 'ताकि हमारे बीच विवाद चलता रहे और मसला बढता रहे।'

>>शेष पृष्ठ 2 पर

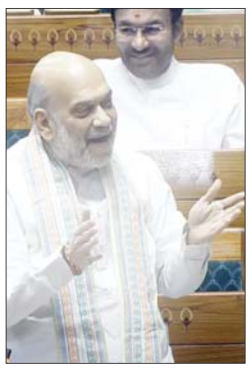

अखिलेश और शाह के बीच विनोदपूर्ण संवाद

संसद में वक्फ विधेयक पर चर्चा के बीच अखिलेश यादव और गृह मंत्री अमित शाह के बीच सवाल जवाब हुआ है। वक्फ विधेयक के इतर अखिलेश यादव ने सदन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर तंज कस दिया था। उसके बाद अमित शाह तुरंत खड़े हो गए और अखिलेश यादव की बात का हंसते हुए मजेदार जवाब दिया।

अखिलेश यादव ने सवाल उठाए कि जो पार्टी ये कहती हो कि वो दुनिया की सबसे बड़डी पार्टी है, वो अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष अभी तक नहीं चुन पाए हैं। अखिलेश यादव की बात को लेकर लोकसभा में अमित शाह ने हंसते हुए गंभीर पलटवार किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के सवाल पर शाह ने कहा- अखिलेश जी ने हंसते-हंसते कहा है तो मैं भी हंसते-हंसते जवाब देता हूं। सामने बैठी पार्टियों में 5 लोगों में से ही अध्यक्ष चुनना है, वो भी परिवार में से। बीजेपी के करोड़ों कार्यकर्ता हैं। हमें करोड़ों सदस्यों में से प्रक्रिया करके सदस्य को चुनना है तो इसमें देर लगेगी। लेकिन आपको (अखिलेश यादव) को बिल्कुल देर नहीं लगेगी। इसी बीच शाह ने एक भविष्यवाणी कर दी और कहा कि मैं कह देता हूं कि आप (अखिलेश यादव) 25 साल तक अध्यक्ष हो। अमित शाह के जवाब पर पूरा सदन हंसने लगा। जोर जोर से सांसदों ने ठहाके लगाए।

मप्र में सरकारी कर्मचारियों को 13 साल बाद मिला महंगाई भत्ता

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने राज्य के कर्मचारियों को 13 साल बाद भत्तों में वृद्धि की तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सात लाख कर्मचारियों के लिए परिवहन, मकान भाड़ा और अन्य भत्तों में 5-10 प्रतिशत तक वृद्धि की घोषणा की है। यह वृद्धि 7वें वेतनमान के आधार पर की गई है, और इसका सालाना खर्च सरकार को 1500 करोड़ रुपए तक आएगा। हालांकि, इस फैसले के बाद कर्मचारी संगठनों का कहना है कि इतने साल बाद भत्ता बढ़ाया गया है, लेकिन यह वृद्धि महंगाई और जीवन यापन की बढ़ी हुई लागत के मुकाबले बहुत कम है।

कर्मचारियों की अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई– तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने इस निर्णय पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा है कि कर्मचारियों को उम्मीद थी कि सरकार कर्मचारियों को उचित लाभ देगी, लेकिन यह उम्मीद पूरी नहीं हुई। तिवारी ने बताया कि 13 साल बाद भत्ता बढ़ाया गया है, लेकिन यह वृद्धि पर्याप्त नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ये भत्ते केंद्र के मानकों के अनुसार बढ़ाए गए होते, तो कर्मचारियों को बहुत राहत मिलती।

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि सरकार ने भत्तों में वृद्धि तो की है, लेकिन यह महंगाई और जीवन यापन की लागत के मुकाबले कम है। उन्हें उम्मीद थी कि भत्तों में यह बढ़ोतरी केंद्र सरकार के समान होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरकार ने कहा कि भत्तों में की गई वृद्धि कर्मचारियों के भले के लिए है और इस वृद्धि से उन्हें वित्तीय राहत मिलेगी। इसके अलावा, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि भत्तों में यह वृद्धि 7वें वेतनमान के आधार पर की गई है।

इस तरह हुई बढ़ोतरी

सरकार ने कर्मचारियों को गृह भाड़े भत्ते में 945 रुपए से लेकर 7915 रुपए तक की वृद्धि की है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के भत्तों की तुलना में काफी कम है। केंद्र सरकार में गृह भाड़ा भत्ता 10 प्रतिशत, 20 प्रतिशत, और 30 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। वहीं मध्य प्रदेश में यह 5 प्रतिशत, 7 प्रतिशत, और 10 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, वाहन भत्ते में भी बढ़ोतरी की गई है। पिछले 13 वर्षों से कर्मचारियों को 200 रुपए का वाहन भत्ता मिल रहा था, जिसे बढ़ाकर 384 रुपए किया गया है। वहीं, केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वाहन भत्ता 1800 रुपए मिलता है, जो 55 प्रतिशत महंगाई भत्ते के साथ अब 2790 रुपए हो गया है।

सार संक्षेप

महाराष्ट्र के बुलढाणा में भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत

बुलढाणा। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर सुबह करीब 5 बजे हुई, जिसमें दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 24 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने पहले एक यात्री बस को टक्कर मारी। इसके तुरंत बाद पीछे से आ रही एक निजी यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गई, जिससे हादसा और भयावह हो गया।

बिहार के जहानाबाद में शिक्षिका की गोली मारकर हत्या

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद जिले के काको थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर एक शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। घर के लोग लूटपाट की भी बात कर रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार की रात लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पहल बीघा गांव में अपराधी एक घर में घुस गए और एक महिला को गोली मार दी। घायल महिला को आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- मप्र में सरकारी कर्मचारियों को 13 साल बाद महंगाई भत्ते का तोहफा दिया गया है।

चुहिया- हां प्रिये- महंगाई तो हर साल छोड़ो हर माह बढ़ रही है पर भत्तों पर ही लगाम लगी रही।

मण्डला में नक्सलियों से मुठभेड़

14-14 लाख की दो महिला नक्सली ढेर

मण्डला, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में बुधवार (2 अप्रैल) की सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। डीजीपी कैलाश मकवाना ने बताया कि मुठभेड़ बिछिया थाना इलाके में हुई। घटनास्थल से एक एसएलआर राइफल, एक साधारण राइफल, वायरलेस सेट और कुछ डेली यूज वाली चीजें बरामद की गईं।

अब सुरक्षाबल के जवान अन्य नक्सलियों की तलाश में जुटे हुए हैं। दोनों महिला नकस्लियों पर 14-14 लाख रुपये का इनाम था। इसको लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, पुलिस की सतर्कता के कारण 14-14 लाख की दो नक्सली महिलाओं का एनकाउंटर हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हम लगातार नक्सलवादी गतिविधियों के खिलाफ सक्रिय हैं।

ये सामान बरामद हुआ–मंडला जिले मारी गईं इन महिला नक्सलियों का नाम प्रतिमा और ममता है, जिन पर 14-14 लाख रुपये का ईनाम रखा गया था। पुलिस ने आतंक के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हुए इन्हें ढेर कर दिया। देनों के पास से हथियार भी बरामद हुए।

रतलाम में भी ढेर हुआ एक और नक्सली– एक और घटना रतलाम की है, जहां फिरोज नाम का पांच लाख से ज्यादा रकम का इनमी, एक आतंकवादी वॉन्टेड था, उसे पकड़ा गया है।

नक्सल मुक्त प्रदेश बनाने का प्रयास

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया है कि पूरी कोशिश की जा रही है कि मध्य प्रदेश के किसी भी इलाके में नक्सली न बचे। इसके लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। बीते एक साल में 10 से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में मार दिया गया है। खास बात यह है कि हमारे पुलिस बल के किसी सदस्य की क्षति नहीं हुई है। मेरे अपने पुलिस बल के जवानों को बधाई।

शांति वार्ता के लिए तैयार नक्सली

कहा- रकार ऑपरेशन रोके, युद्धविराम कर देंगे

केंद्रीय समिति के प्रवक्ता ने पर्चा जारी किया

नई दिल्ली,(एजेंसियां)। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने लिखा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रुकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं।

इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसी भी प्रकार की सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। बशर्ते इसके लिए कोई शर्त न हो। नक्सली वास्तव में मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं तो उन्हें वार्ता की शर्तों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना होगा। शर्मा ने कहा कि वार्ता का स्वरूप आईएसआईएस जैसी किसी कट्टरपंथी विचारधारा की तर्ज पर नहीं हो सकता। अगर कोई चर्चा करना चाहता है, तो उसे भारतीय संविधान की मान्यता स्वीकार करनी होगी। संविधान को नकारते हैं और समानांतर व्यवस्था थोपने की कोशिश करते हैं, तो वार्ता का कोई औचित्य नहीं रहता। दरअसल, नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है। इसमें लिखा है कि, 24 मार्च को हैदराबाद में संगठन की एक बैठक हुई थी। जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे आने और बातचीत कर युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए।

शहडोल में 3 दिन में 100 से ज्यादा कौओं की मौत

पशु चिकित्सा विभाग की टीम जांच में जुटी

शहडोल, देशबन्धु। कौओं की घटती संख्या बड़ी चिंता का विषय पहले से ही बनी हुई है और इस बीच इस प्रजाति के पक्षियों पर एक और अन्जानी आपदा टूट पड़ी है जिसने पर्यावरण प्रेमियों को गहरी चिंता में डाल दिया है।

शहडोल जिले में पिछले तीन दिनों से कौओं की मौत का सिलसिला जारी है। झीक बिजुरी के मैरटोला करौदी क्षेत्र में अब तक 100 से अधिक कौओं की मौत हो चुकी है। वेटरनरी डिपार्टमेंट के उप संचालक डॉ. पीके पाठक ने विशेषज्ञ टीम को मौके पर भेजा है। टीम कौओं की मौत के कारणों की जांच कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौत के पीछे विषाक्त पदार्थों का सेवन, संक्रामक रोग या पर्यावरणीय परिवर्तन हो सकते हैं।

निवासी बोले- कौओं की मौत चिंताजनक–स्थानीय निवासियों ने सबसे पहले क्षेत्र में कौओं की संख्या में कमी देखी। राधेश्याम तिवारी ने कहा कि कौए पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इतनी बड़ी संख्या में उनकी मौत चिंताजनक है। डॉ. पाठक ने कहा कि अगर यह किसी संक्रामक रोग का मामला है, तो अन्य पक्षियों और जानवरों की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाए जाएंगे। पशु चिकित्सा विभाग की टीम जांच में तेजी ला रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन भी अलर्ट है।

JAN JYOTI
SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा
मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
आज ही विजिट करें
9165108121
janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये
प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

संघर्ष | महुआ शराब हेरिटेज दर्जे की प्रतीक्षा में

महुआ के नाम पर आदिवासियों का दमन करता आबकारी विभाग

शुभम नांदेकर

पांढुर्णा, देशबन्धु। पांढुर्णा विधायक नीलेश उइके ने हाल ही में अपने खेत में महुआ बीनते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा, हमारी संस्कृति हमारी पहचान, जय सेवा-जय जोहार। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। उनके इस कार्य की कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रभारी ने सराहना करते हुए लिखा कि विधायक न केवल जनता की सेवा पूरी मेहनत और निष्ठा से करते हैं, बल्कि अपने खेतों में भी मेहनत करने से नहीं चूकते। दूसरी ओर, आदिवासी समाज में महुआ से जुड़े एक अलग ही संघर्ष की तस्वीर उभर रही है।

प्रशासन और आबकारी विभाग द्वारा आदिवासी समुदाय पर झूठे मामले दर्ज करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय आदिवासियों का आरोप है कि आबकारी अधिकारी चार लीटर महुआ शराब को 40 लीटर दिखाकर झूठे प्रकरण बना रहे हैं और अब यह गरीब आदिवासियों से पैसे ऐंठने का जरिया बन गया हैं। आदिवाहसयों पर आबकारी विभाग की क्रूरता का कहर आखिर कब रुकेगा? पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल में महुआ शराब को

>>शेष पृष्ठ 2 पर

मोदी को महुआ कुकीज और लड्डू किए भेंट

बीते दिनों सांसद बंटी विवेक साहू ने दिल्ली में संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें आदिवासी बहनों द्वारा तैयार महुआ कुकीज और लड्डू भेंट किए। सांसद ने यह भी कहा कि महुआ आधारित उत्पाद आदिवासी समुदाय की आर्थिक स्थिति को सशक्त करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इनका कहना है

विधानसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाऊंगा। मैं स्वयं एक आदिवासी हूं और पांढुर्णा, जो आदिवासी बहुल क्षेत्र है, वहां आबकारी विभाग का अत्याचार लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपा सरकार में निर्दोष आदिवासी भाइयों पर झूठे प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय है।
-**नीलेश उइके,** विधायक, पांढुर्णा

आदिवासी जनजाति को व्यक्तिगत रूप से 4.5 लीटर, एक परिवार को 15 लीटर और सामाजिक या त्योहारों के अवसर पर 46 लीटर महुआ शराब बनाने और उपयोग करने का कानूनी अधिकार है। इसके बावजूद, आबकारी विभाग ठेकेदारों के इशारे पर गरीब आदिवासियों के खिलाफ गलत कार्रवाई कर रहा है ताकि अंग्रेजी शराब को ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से बेचा जा सके।
-**प्रकाश उइके,** पूर्व न्यायाधीश एवं पांढुर्णा भाजपा प्रभारी

देश-विदेश

अमेरिकी सीनेटर ने नॉन-स्टॉप भाषण का रिकॉर्ड बनाया

न्यूयॉर्क। सीनेट में लगातार 25 घंटे से अधिक समय तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बोलते हुए एक डेमोक्रेट सीनेटर ने कांग्रेस में सबसे लंबे भाषण का रिकॉर्ड बनाया है। सीनेटर कोरी बुकर ने सोमवार शाम को अपना भाषण शुरू किया और मंगलवार शाम को इसे समाप्त किया। बिना किसी ब्रेक के, एक व्याख्यान-पीठ पर खड़े होकर दिए गए भाषण में असाधारण सहनशक्ति का प्रदर्शन किया। उन्होंने सीनेट के उस नियम का लाभ उठाया जो सीनेटरों को ट्रंप की नीतियों के खिलाफ अभियान चलाने और उनकी छवि बनाने के लिए समय सीमा के बिना बोलने की अनुमति देता है।

संघ-भाजपा की समन्वय बैठक

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मजबूती और नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन पर मंथन

गाजियाबाद, । भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर अभी से कमर कस ली है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी को और अधिक मजबूत करने, जाट मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए संघ और भाजपा की समन्वय बैठक गाजियाबाद के नेहरू नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मेरठ और ब्रज प्रांत के प्रमुख पदाधिकारी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह भी उपस्थित थे।

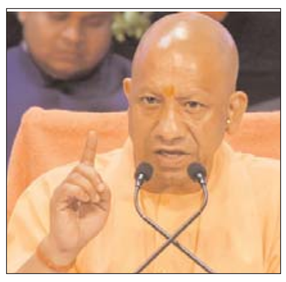

करीब चार घंटे चली बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना, आगामी चुनावों की रणनीति तय करना और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा की स्थिति को और मजबूत करना था।

बैठक में हुई प्रमुख चर्चाओं में भाजपा संगठन और संघ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और फील्ड में एकता का संदेश देना, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सीटों पर भाजपा की स्थिति को मजबूत करने के उपायों पर विचार करना, जाट वोटरों को अपने पक्ष में करने और समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) समीकरण को तोड़ने की रणनीति बनाना, भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर के विवादित मामले का हल निकालना, संघ की शाखाओं के विस्तार पर चर्चा करना शामिल रहा। मुख्यमंत्री योगी की उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। होली चाइल्ड चौराहा और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल तैनात किए गए थे। बुलंदशहर औद्योगिक क्षेत्र को संजय नगर से जोड़ने वाले महाराणा प्रताप मार्ग पर कई जगह बैरिकेडिंग की गई थी। इसके अलावा, नासिरपुर रेलवे फाटक को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुल छह मंडल और 26 जिले आते हैं, जिनमें सहारनपुर मंडल में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली; मुरादाबाद मंडल में मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा और संभल; बरेली मंडल में बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर; मेरठ मंडल में मेरठ, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़ और बागपत; अलीगढ़ मंडल में अलीगढ़, हाथरस, कासगंज और एटा; तथा आगरा मंडल में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी शामिल हैं।

कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता जबलपुर जिला जबलपुर
द्वितीय तल अपैक्स बैंक बिल्डिंग सिविक सेंटर जबलपुर
Email: drcoop.jbp@mp.gov.in Phone: 0761-312374

निविदा सूचना/शर्तें
प्रथम आमंत्रण

क्र./3.आ./उर्व./वाहन/2025/479 जबलपुर दिनांक 01-04-2025

कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता जिला जबलपुर में किराये पर वाहन व्यवस्था हेतु निविदा आमंत्रित है निविदा शर्तों के अंतर्गत न्यूनतम दर कोटेशन कर्ता से धरोहर राशि के रूप में रुपए 50000/-की एक एफ डी कार्यालय द्वारा कार्यालय में जमा कराई जायेगी साथ ही किराये के वाहन के व्यय की अधिकतम सीमा रुपए 25000/- है जिसमें वाहन की रनिंग 1000 कि.मी. रहेगी इसके अलावा अन्य सभी शर्तें कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक/प्रशासन/02/21/797 भोपाल दिनांक 16-09-2021 के अधीन रहेगी जिसे निविदाकर्ता कार्यालय से प्राप्त कर सकता है उल्लेखित पत्र में दी गई निविदा शर्तों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना अनिवार्य रहेगा। निविदा की अंतिम तिथि दिनांक 10-04-2025 सायं 05:00 बजे तक है इसके बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

उप आयुक्त
जी-11031/25 सहकारिता जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा
दूरभाष - 07162-222346 वेबसाईट -www.chhindwaranagarnigam.com
ई-मेल- commissioner.chhindwara.mpurban@gmail.com, comm-cdw@mp.gov.in

आम सूचना इश्तेहार

क्रमांक/25/रा.शा./न.पा.नि./2025 छिंदवाड़ा, दिनांक 02/04/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के अंतर्गत भवनों के नामांतरण (बिंदु) क्र.05 में अंकित आवेदनकर्ता के नाम किया जाना है। आम इश्तेहार प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मय दस्तावेज संलग्न कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के नामे लिखित रूप में इस कार्यालयीन समय में दावे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं दी गई समयाविधि के उपरांत नामांतरण (नाम परिवर्तन) कर दिया जावेगा। समयाविधि समाप्ति के पश्चात् प्राप्त दावे आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

अनु. क्र.	वार्ड क्रमांक	दुकान/भवन क्रमांक	वार्ड का नाम	आवेदनकर्ता नाम जिनका नामांतरण किया जाना है	पूर्व भवन स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
1	10	861	सिद्धिविनायक वार्ड	श्रीमती रजनी चन्द्रवंशी पति श्री उत्तम चन्द्रवंशी	मंसू मालवी पिता श्री कौडीलाल मालवी	रजिस्ट्री के आधार पर
2	16	658	महात्मा गांधी वार्ड	श्रीमती दुर्गा व्यास पति श्री नवनीत व्यास	श्री कालीदास सोरठ पिता श्री दौलतराव सौरठ	रजिस्ट्री के आधार पर
3	28	681	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड	श्री नाहिद अहमद पिता श्री नफीस अहमद	हाजी मोहम्मद नफीस अहमद पिता श्री गुलाबनबी	राजस्व आदेश अनुवृत्ति पत्र के आधार पर
4	42	282/1	महावीर वार्ड	1. श्री अशोक कुमार मिश्रा 2. श्री अजीत कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री गोपाल प्रसाद मिश्रा	श्री मनोज कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री गोपाल प्रसाद मिश्रा स्व. विद्या मिश्रा पति स्व. गोपाल मिश्रा	रजिस्टर्ड वसीयत नामा मृत्यु प्रमाण पत्र, नोटरी सहमति शपथ पत्र के आधार पर
5	44	181/1	पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड	श्री अनिल कुमार चौबे पिता श्री रूपलाल उर्फ जानकी प्रसाद चौबे	स्व. श्रीमती लीला बाई चौबे पति स्व. रूपलाल उर्फ जानकी प्रसाद चौबे	वसीयतनामा, राजस्व आदेश अनुवृत्ति पत्र संशोधित खसरा एवं पावती मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
6	44	181/2	पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड	1. आशा चौबे पति स्व. गोविंद प्रसाद चौबे 2. श्री भूपेन्द्र चौबे 3. श्री भवनीश पिता स्व. गोविन्द प्रसाद चौबे	स्व. श्रीमती लीला बाई चौबे पति स्व. रूपलाल उर्फ जानकी प्रसाद चौबे	वसीयतनामा, राजस्व आदेश अनुवृत्ति पत्र संशोधित खसरा एवं पावती मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
7	44	181	पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड	श्री सुनील कुमार चौबे पिता स्व. रूपलाल उर्फ जानकी प्रसाद चौबे	स्व. श्रीमती लीला बाई चौबे पति स्व. रूपलाल उर्फ जानकी प्रसाद चौबे	वसीयतनामा, राजस्व आदेश अनुवृत्ति पत्र संशोधित खसरा एवं पावती मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
8	14	507	चन्द्रशेखर आजाद वार्ड	श्रीमती किरण साहू पति श्री मंगल साहू	1. श्री अशोक वंशकार पिता सुक्कू वंशकार 2. मीरा बाई वंशकार पति श्री लाल सिंग वंशकार	रजिस्ट्री के आधार पर
9	47	891	पं. माखनलाल चतुर्वेदी वार्ड	1. श्रीमती मंजूलता पति श्री एफ. आर. खान 2. मैकी धीमन 3. नाजनीन फातमा खान 4. मायशा (ना.बा.) नाजनीन फातमा खान (माता)	स्व. श्री एफ. आर. खान पिता श्री ए. आर. खान	मृत्यु प्रमाण पत्र संशोधित पावती खसरा एवं राजस्व आदेश अनुवृत्ति पत्र के आधार पर
10	15	515	नेताजी सुभाषचन्द्र वार्ड	1. श्री प्रकाश तिवारी 2. श्री विनोद तिवारी पिता श्री कृष्ण तिवारी	श्री एस के तिवारी पिता श्री सुखदेव तिवारी	मृत्यु प्रमाण पत्र संशोधित पावती एवं शपथ पत्र (नोटरी) के आधार पर
11	44	644	पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड	कु. वर्षा धुर्वे पिता स्व. श्री जुंगीलाल धुर्वे	श्रीमती पुष्पा बाई धुर्वे पति जुंगीलाल धुर्वे	रजिस्ट्री के आधार पर
12	40	1268	तात्या टोपे वार्ड	श्री राहुल अग्रवाल पिता राजकुमार अग्रवाल	1. विभूति जैन/ वर्धमान जैन 2. शिल्पा रानी जैन/ आनंद जैन 3. नेहा जैन / सुधीर जैन	रजिस्ट्री के आधार पर
13	18	536	राजेन्द्र नगर वार्ड	1. रेहाना बेगम पति श्री शरीफ खान 2. फारूख खान पिता शरीफ खान	फरीदउद्धन खान पिता हसन खान	संशोधित खसरा एवं पावती के आधार पर
14	29	425	पं. मदन मोहन मालवीय वार्ड	श्री पवन कोल्हे पिता स्व. श्री जानकी प्रसाद कोल्हे	स्व. श्रीमती छम्मी बाई कोल्हे पति स्व. श्री जानकी प्रसाद कोल्हे	रजिस्टर्ड वसीयतनामा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
15	39	719	स्वामी विवेकानंद वार्ड	डॉ. गगन कोल्हे पिता स्व. श्री जानकी प्रसाद कोल्हे	स्व. श्रीमती छम्मी बाई कोल्हे पति स्व. श्री जानकी प्रसाद कोल्हे	रजिस्टर्ड वसीयतनामा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
16	18	226	राजेन्द्र नगर वार्ड	श्री तारेश ठाकुर पिता श्री फदल सिंह ठाकुर	श्री फदल सिंह ठाकुर पिता श्री बाबूलाल ठाकुर	नोटरी सहमति शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
17	40	687	तात्या टोपे वार्ड	श्री संदीप रत्ने पिता श्री समीलाल रत्ने	श्री दीपचंद भावरकर पिता श्री चौखेलाल भावरकर	रजिस्ट्री के आधार पर
18	11	94	स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड	1. श्री आकाश कुमार कोलारे 2. श्री शरद कोलारे	स्व. फुलिया बाई कोलारे पति श्री हरिराम कोलारे	रजिस्टर्ड हक त्यागपत्र के आधार पर
19	37	91	चंदन नगर वार्ड	1. श्री शैलेन्द्र सिंह ठाकुर पिता श्री मोहन सिंग ठाकुर 2. श्रीमती गीता ठाकुर पति श्री शैलेन्द्र सिंह ठाकुर	श्री प्रमोद बालसराफ पिता श्री छत्रपति बालसराफ	रजिस्ट्री के आधार पर
20	15	802	नेताजी सुभाषचंद्र वार्ड	1. श्री आशीष राजपूत 2. श्री आलोक राजपूत 3. श्री अंकुश राजपूत पिता श्री गुलशन राजपूत	स्व. श्री गुलशन राजपूत पिता श्री दीवानचंद राजपूत श्री रामरतन राजपूत	मृत्यु प्रमाण पत्र संशोधित पावती खसरा के आधार पर
21	28	619	पृथ्वीराज चौहान वार्ड	श्री दीपसिंग मालवीय पिता श्री श्रीचंद मालवीय	श्रीमती रामकली पति श्री श्रीचंद मालवीय	रजिस्ट्री के आधार पर

प्राधिकृत अधिकारी - नगर पालिक निगम, छिंदवाड़ा

पश्चिम मध्य रेल
सिविल इंजीनियरिंग (निर्माण)
ई. निविदा सूचना – खुली निविदा
संख्या– उप.मु.इंजी/निविदा आमंत्रण सूचना /कोटा/02/2025 दिनांक 29.03.2025

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप. मुख्य इंजीनियर (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई.निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या–** उप. मु. इंजी (नि) कोटा – 02 – 2025, **कार्य का विवरण –** मध्यप्रदेश राज्य में पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रामगंजमंडी–भोपाल बड़ी नई रेल लाइन परियोजना के संबंध में नयागांव पुरा कुमारा ब्यावरा खंड में सर्विस भवनों, एडीईएन कार्यालय एसएसई (पी. वे. एस एन टी, कार्य और पुल) कार्यालय, टीएमसी विश्राम गृह, एसपी, एसएसपी अधिकारी विश्राम गृह, अधीनस्थ विश्राम गृह, स्वास्थ्य इकाई, आरपीएफ पोस्ट और गैंग टूल बॉक्स अन्य विविध कार्यों में नाली सड़क और बाउंड्री दीवार आदि सहित अन्य विविध निर्माण कार्य करना। **निविदा खुलने की तारीख –** 21/04/2025, **अनुमानित लागत (रू.) –** 21,07,81,675.51 (दो पैकेट सिस्टम), पूर्ण विवरण वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई निविदा में तथा मुख्य परियोजना प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, कोटा के कार्यालय बोर्ड पर देखा जा सकता है। सभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा खोलने की तारीख से पहले नियमित रूप से वेबसाईट देखते रहें और निविदा में किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दें। ऑफर सिर्फ ई–निविदा के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेगें। ई. निविदा के अतिरिक्त किसी भी अन्य माध्यम से निविदा ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें।

उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) पमरे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

In The Court Of XXIII Additional District and Session Judge District Court, Jabalpur
Presiding Officer:
ओमप्रकाश बोहरा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCA /0000291/2024)
रामगोपाल झारिया...वादी
Vs
आम जनता...प्रतिवादी
Process Id-/ 2025
पेशी दिनांक.:-28/04/2025

प्रेषिती-(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी रामगोपाल झारिया ने अपके विरूद्ध आर सी ए अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 । के लिए अपील संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर अपील का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस अपील में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 20 मार्च 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी - प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ अपील अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 16 (ओ.पी. बोहरा)
जिला न्यायाधीश (23 वे) जबलपुर (म.प्र.)

एनएचएआई ने देशभर में टोल में की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने पूरे देश में संचालित किए जाने वाले हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल चार्जेस में औसत 4 से 5 प्रतिशत का इजाफा कर दिया है। इसकी वजह महंगाई के कारण बढ़ती लागत को समायोजित करना था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह समायोजन एनएचएआई की वार्षिक समीक्षा का हिस्सा है, जो थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति के साथ टोल दरों को संरेखित करता है और अतिरिक्त आय से हाइवे रखरखाव और विस्तार परियोजनाओं को सहायता मिलेगी। एनएचएआई के नोटिफिकेशन के अनुसार, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ जाने वाली कारों और जीपों के लिए एक तरफ का टोल अब 165 रुपए से बढ़कर 170 रुपए हो जाएगा, जबकि गाजियाबाद से मेरठ जाने के लिए टोल 70 रुपए से बढ़कर 75 रुपए हो जाएगा।

टोल चार्जेस में 4 से 5 प्रतिशत का इजाफा

इस मार्ग पर हल्के वाणिज्यिक वाहनों और बसों को प्रति ट्रिप 275 रुपए देने होंगे, जबकि ट्रकों को 580 रुपए देने होंगे। एनएच-9 पर छिजारसी टोल प्लाजा पर कारों के लिए टोल 170 रुपए से बढ़कर 175 रुपए हो जाएगा, हल्के वाणिज्यिक वाहनों को 280 रुपये जबकि बसों और ट्रकों को 590 रुपए देने होंगे। लखनऊ से होकर गुजरने वाले हाइवे पर यात्रा करने वाले मोटर चालकों को, जिनमें राज्य की राजधानी को कानपुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी से जोड़ने वाले हाइवे भी शामिल हैं, हल्के वाहनों के लिए प्रति चक्कर 5 से 10 रुपए अतिरिक्त देने होंगे, जबकि भारी वाहनों को 20 से 25 रुपए अतिरिक्त देने होंगे। इसके अतिरिक्त, अब कारों के लिए मासिक पास की कीमत 930 रुपए से बढ़कर 950 रुपए हो जाएगी, जबकि कैब के लिए यह राशि 1225 रुपए से बढ़कर 1255 रुपए हो जाएगी। हल्के मोटर वाहनों और मिनी बसों के लिए एक तरफ का टोल 120 रुपए से बढ़कर 125 रुपए हो जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

विशेष समूह की जमीन....

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पर चर्चा के दौरान किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ के पास तीसरा सबसे बड़ा लैंड बैंक है। रेलवे, मिलिट्री की जमीन हैं। ये सब देश की प्रॉपर्टी है। वक्फ की संपत्ति, प्राइवेट प्रॉपर्टी है। दुनिया में सबसे ज्यादा वक्फ प्रॉपर्टी हमारे देश में है। 60 साल आप सरकार में रहे, फिर भी मुसलमान इतना गरीब क्यों है? उनके लिए क्यों काम नहीं हुआ? गरीबों के उत्थान, उनकी भलाई के लिए काम क्यों नहीं हुए? हमारी सरकार गरीब मुसलमानों के लिए काम कर रही है तो इसमें क्या आपत्ति है? आप लोग जो इस बिल का विरोध कर रहे हैं, देश सदियों तक याद रखेगा कि किसने बिल का समर्थन किया और किसने विरोध किया। आप लोग मुसलमानों को कितना गुमराह करेंगे?

वक्फ में कोई गैर मुस्लिम नहीं होगा : शाह– सरकार की ओर पक्ष रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे लगता है कि या तो निर्दोष भाव से या राजनीतिक कारणों से ढेर सारी भ्रांतियां सदस्यों के मन में भी हैं और इन्हें फैलाने का प्रयास भी हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा, वक्फ में धार्मिक क्रियाकलाप चलाने के लिए गैर मुस्लिम को नहीं रखा जा रहा है। लेकिन विपक्ष इसके जरिए डराकर अपना वोट बैंक सुरक्षित करने का काम कर रहा है। वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद में गैर मुस्लिम रखने की बात है जिसका काम ये देखना है कि काम ठीक से हो रहा है या नहीं। इस सदन के माध्यम से पूरे देश के मुस्लिम भाइयों को कहना चाहता हूं कि आपके वक्फ में एक भी गैर मुस्लिम नहीं शामिल होगा। अमित शाह ने कहा कि 2013 का जो संशोधन आया, वो नहीं आया होता तो आज ये संशोधन लाने की नौबत नहीं आती। कांग्रेस सरकार ने दिल्ली लूटियंस की 125 संपत्तियां वक्फ को दे दीं।

महुआ के नाम पर.....

आदिवासियों की आमदनी का जरिया बनाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि यदि कोई परंपरागत रूप से महुआ शराब बनाता है तो उसे बेचने का भी अधिकार मिलना चाहिए और सरकार इसे वैधानिक मान्यता देगी। उन्होंने महुआ शराब को हेरिटेज शराब का दर्जा देने के लिए नई आबकारी नीति लाने की बात भी कही थी लेकिन, बाद में शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय मंत्री बना दिया गया और यह घोषणा अधूरी रह गई।

राजस्थान और गोवा की तर्ज पर मध्यप्रदेश में महुआ को मिले हेरिटेज का दर्जा–गौरतलब है कि राजस्थान में पहले से ही हेरिटेज शराब को मान्यता मिली हुई है, जबकि गोवा की परंपरागत फेनी भी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। यदि मध्यप्रदेश सरकार महुआ शराब को हेरिटेज शराब का दर्जा देती है, तो यह न केवल आदिवासी समाज को आर्थिक रूप से सशक्त करेगा, बल्कि उनकी पारंपरिक संस्कृति को भी संरक्षित करेगा। महुआ आदिवासी समाज के लिए केवल एक पेय नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति, परंपरा और आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वे आदिवासियों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करने की जगह उनकी समस्याओं को समझें और उनकी पारंपरिक आजीविका को कानूनी संरक्षण दें। यदि महुआ शराब को हेरिटेज शराब का दर्जा दिया जाता है, तो यह आदिवासी समुदाय के लिए एक बड़ी आर्थिक उपलब्धि होगी।

FOR CHANGE OF NAME
It is for general information that I, ASHISH PURI GOSWAMI S/o Late SURESH PURI GOSWAMI, declare that name of my mother has been wrongly written as ANJANI GOSWAMI IN my 12th Class Marksheet of Madhyamik Shiksha Mandal, Madhya Pradesh, Bhopal & in my B.Com Ist, IInd & IIIrd year Marksheets of Rani Durgavati Vishwavidyalaya Jabalpur (M.P.). The actuval name of my mother is LAXMI GOSWAMI, which may be amended accordingly.
It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
(ASHISH PURI GOSWAMI)
residing at H.No. 2382/1, Sethi Nagar, Near Yuva Bhawan, Giriraj Kishor Kapoor Ward, Jabalpur (M.P.) 482001
R.No. 13

न्यायालय तहसीलदार तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर
रा.प्र.क्रं. 284/अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक...
आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम महानदी प.ह.नं. 6 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है दलवीर सिंह बंसल पिता स्व. कृपाल सिंह बसंल कृपाल सिंह सा. हाथीताल कॉलोनी जबलपुर के द्वारा ग्राम महानदी स्थित खसरा नं. 60/3 रकवा 0.0140 वर्गफुट भूमि पर विक्रय पत्र/बंटवारा/वसीयत/फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में पेशी दिनांक 3/4/25 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।
यह इश्तेहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक 19/03/25
पेशी दिनांक 13/04/25
तहसीलदार गोरखपुर
एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी,
र.नं. 14 जबलपुर

फौती
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./2048/अ-6/2024-25
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगदीश प्रसाद अन्य/ स्व. दीवान काछी नि. 1553/8 सिद्धबाबा वार्ड आशा आटा चक्की के पास ने नजूल ब्लॉक नं. 138 प्लाट नं. 1/27 निर्मित रकवा/रकवा 1613 व.फु./अवि. हिस्सा... व.फु./हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/वसीयतनामा/दान पत्र/वारसान हक/ दिनांक... मृत्यु दिनांक 25.09.2005, 19.08.2001 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र,... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा / पटवारी / डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 138 प्लाट नं. 1/27...... निर्मित रकवा/रकवा 1613 व.फु. /अवि. हिस्सा.... व.फु. हे./ ग्राम घमापुर प.ह.नं. 1 खसरा नं.... रकवा 1613 व.फु./हे....शाति बाई पति दीवान सा. लालमाटी के नाम दर्ज है।
अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 15/04/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 27/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 27/03/2025
पेशीं दिनांक- 15/04/2025
तहसीलदार
र.नं. 12 रांझी, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./ /अ-6/2024-2025
जबलपुर, दिनांक 03/03/2025
आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्रीमती बनानी विश्वास पिता स्व. एस.के. घोष पति स्व. श्री प्रवेश घोष निवासी 198 रविन्द्र पल्ली फैजाबाद रोड लखनऊ के द्वारा मौजा सुभाष नगर प्लाट नं. 21 नजूल ब्लाक नंबर 253 फ्लेट नं. बी-4 अखिलालय प्लॉट नं. 883/1 स्थित भूमि खसरा नंबर .... में से रकवा 750 व.फु. भूमि पर अश्ति रंजन चंद्रलोक पिता अखिल चंद्रलोक श्रीमती दीपिका घोष मां की मृत्यु दिनांक 24/05/2016 फिर मृत्यु 21/05/2028 को हो जाने के कारण राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 18/03/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-03/03/2025
पेशी दिनांक-18/03/2025
र.नं. 17
तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र जबलपुर
भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एम.आई.जी.-120 श्री रत्नाकर गजभिये पिता स्व. श्री गंगाधर गजभिये के नाम आवंटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 18.03.2011 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री रत्नाकर गजभिये पिता स्व. श्री गंगाधर गजभिये ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 26.03.2025 के माध्यम सेश्रीमती बबिता कोष्टा पति श्री नेतराम कोष्टा को विक्रय किया है। अत: श्रीमती बबिता कोष्टा पति श्री नेतराम कोष्टा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/ आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भवन बावद आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
कृति विकास मंडल, प्रक्षेत्र जबलपुर

नाम परिवर्तन/सुधार की सूचना

मैं, श्रीमती सुरेखा दीवान पत्नी स्व. प्रदीप दीवान पुत्री स्व. रमेश कुमार बनोधा (Smt. Surekha Diwan W/o Pradeep Diwan D/o Late Ramesh Kumar Banodha) सर्वसाधारण को सूचित कर रही हूं कि मेरी 10वीं की अंक सूची एवं पेन कार्ड में मेरे पिता का नाम रमेश कुमार कोरी (Ramesh Kumar Kori) दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे पिता का सही नाम रमेश कुमार बनोधा (Ramesh Kumar Banodha) है जो कि मेरे पिता के पेनकार्ड, निर्माणी द्वारा जारी परिचय पत्र, पी.सी.डी.ए. (पेंशन) इलाहाबाद से जारी पीपीओ, मेरे मूल निवासी प्रमाण पत्र, छावनी परिषद जबलपुर के पार्षद के प्रमाण पत्र, मेरी मां के यूको बैंक खाते में, पिता के टीडीएस एवं मृत्यु प्रमाण पत्र में बनोधा अंकित है। मैंने अपने पिता के नाम के सुधार की वैधानिक कार्यवाही पूर्ण की है अत: मेरी 10वीं की अंकसूची एवं मेरे पेन कार्ड में मेरे पिता का नाम रमेश कुमार बनोधा (Ramesh Kumar Banodha) दर्ज किया जावे।
(सुरेखा दीवान)
निवासी गोरा बाजार, प्रायमरी स्कूल के पीछे, बगीचा नं. 91, केन्ट, जबलपुर
र.नं.- 13 (म.प्र.) 482001

(फौती)
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/2050/अ-6/2024-2025
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय समैया अन्य / के.एल. समैया नि.- 52 विजय नगर व्ही.एफ.जे. क्रासिंग जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. .... निर्मित रकवा 713 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 16/01/1992 मृत्यु दिनांक 02/11/2011, 13/04/2021 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा 713 /व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम करौंदी प.ह.नं. ... खसरा नं. 40/1/1/1 रकवा 713 व.फु./हे. श्रीमती नीलम गंगा पति केवल राम बगैरा. के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 15/04/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 27/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 27/03/2025
पेशी दिनांक 15/04/2025
तहसीलदार,
र.नं. 19 रांझी, जबलपुर

(फौती)
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/2010/अ-6/2024-2025
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार यादव / स्व. द्वारिका प्रसाद यादव नि.- 2074 खेरमाई मंदिर के सामने शीतला माई ने नजूल ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/196-ए निर्मित रकवा 220.88/2377 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक .... मृत्यु दिनांक 28/02/2018, 29/05/2008 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/196-ए निर्मित रकवा 220.88/2377 व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. ... खसरा नं. .... रकवा 220.88/2377 व.फु./हे. द्वारका प्रसाद पिता शिवचरण सा. कांचघर के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 11/04/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 26/03/2025
पेशी दिनांक 11/04/2025
तहसीलदार,
र.नं. 15 रांझी, जबलपुर

(फौती)
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1896/अ-6/2024-2025
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीमा श्रीवास्तव अन्य / स्व. के.के. श्रीवास्तव नि.- एम.आई.जी. 01 चांदनी एन्कलेव आर.टी.ओ. आफिस के पास ने नजूल ब्लाक नं. 32 प्लाट नं. 2/18 निर्मित रकवा 646 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 23/10/2001 मृत्यु दिनांक 25/04/20, को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 32 प्लाट नं. 2/18 निर्मित रकवा 646 /व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. ... खसरा नं. .... रकवा 646 व.फु./हे. किशोर कुमार पिता रामचंद प्रसाद श्रीवास्तव नि. सिविल लाईन के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 27/03/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 11/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 11/03/2025
पेशी दिनांक 27/03/2025
तहसीलदार,
र.नं. 18 रांझी, जबलपुर

देश-प्रदेश

उवाच

नाकामी छिपाने के लिए यह बिल लाई सरकार

नई दिल्ली। समाजवादी सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए यह बिल लाई है। ये बहुत तैयारी के साथ फैसला लेकर आए थे कि आधी रात के बाद नोट नहीं चलेंगे। उस नोटबंदी नाकामी के बारे में भी तो चर्चा हो जाए कि अभी भी जाने कितना रुपया निकल के आ रहा है। वक्फ विधेयक के इतर अखिलेश यादव ने सदन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर तंज कस दिया था। इस बीच पीछे बैठीं अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव मुस्कराते हुए दिख रही थीं।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की समीक्षा की, दिए निर्देश

प्रदेश की सभी बसाहटों को 3 वर्ष में सड़कों से जोड़ा जाए

- जनप्रतिनिधियों का भी लें अभिमत
- ज़िला स्तर पर सर्वे कर कार्य योजना बनाएं
- क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराएं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्य शुरू करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केन्द्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है। बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री का मुख्यमंत्री ने जताया आभार

मप्र को मिली 4 सड़क परियोजनाओं की सौगात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को 4 सड़क परियोजनाओं की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश को सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना निर्माण और क्षेत्रीय विकास में एक बड़ी सौगात दी गई है। उन्होंने कहा कि ये सड़कें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को मध्यप्रदेश के लिए 4 महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

केन्द्र द्वारा स्वीकृत सड़क परियोजनाएं

- भोपाल जिले में संदलपुर से नसरुल्लागंज बायपास तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146बी) के 43.200 किमी खंड को 4-लेन में बदलने के लिए 1535.66 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- विदिशा और सागर जिले में राहतगढ़ से बेरखेड़ी तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146) के 10.079 किमी हिस्से को 4 लेन बनाने के लिए 731.36 करोड़ रुपये मंजूरी दी गई है।
- सागर जिले में लहदरा गांव जंक्शन से बेरखेड़ी गुरु गांव जंक्शन तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146 से राष्ट्रीय राजमार्ग-44) ग्रीनफील्ड 4-लेन सागर पश्चिमी बायपास (20.193 किमी) के निर्माण के लिए 688.31 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।
- ग्वालियर शहर के पश्चिमी हिस्से में 28.516 किमी लंबाई के एक्सेस कंट्रोल्ड 4-लेन बायपास के निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 1347.6 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

वक्फ संशोधन कानून बिल का पूरे देश ने स्वागत किया है

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वक्फ बोर्ड संसोधन कानून लाया गया है इस संबोधित कानून का देश ईमानदार मुस्लिम समाज ने ढोल नगाड़े बजाकर देश की सरकार का अभिनंदन किया है, मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने नये बिल का स्वागत करते हुए कहा कि अब वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वाले माफियाओं से मुक्ति मिलेगी, वही गरीब निर्धन मुस्लिम परिवारों के लिए एक नई आशा की किरण जागेगी। डाक्टर पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी अब एक अभियान चला कर वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर कब्जा करने वाले माफियाओं को जल्दी ही बेदखल किया जायेगा और जरुरत पड़ी तो कानून के माध्यम से जेल भेजा जायेगा। वक्फ की संपत्तियों का उपयोग मुस्लिम समाज के उत्थान और स्वावलंबी बनाने के लिए किया जाएगा , शिक्षा के बड़े संस्थानों से चर्चा कर मुस्लिम समाज के बच्चों को डाक्टर,इंजीनियर, और भारत रत्न अब्दुल कलाम जैसा बनने की ललक जगाई जायेगी। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष पटेल ने भोपाल में मुस्लिम समाज द्वारा आज नये बिल के समर्थन और स्वागत किया गया और अभिनंदनीय है, उन्होंने कहा वह स्वयं उन सभी के बीच मिठाईयां लेकर जायेंगे।

शुक्रिया मोदी! गोद में बच्चा लेकर दिल्ली की सड़कों पर उतरीं मुस्लिम महिलाएं

नई दिल्ली, देशबन्धु। वक्फ संसोधन विधयेक थोड़ी देर में लोकसभा में पेश किया जाएगा। इससे पहले इसे लेकर जोरदार हंगामा हो रहा है। लेकिन इन सबके बीच मुस्लिम महिलाओं ने सबको चौंका दिया। वो पोस्टर्स लेकर दिल्ली की सड़कों पर उतर आईं। उन्होंने बिल के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद कहा। पोस्टर्स में लिखा है कि वक्फ संपत्ति की आमदनी उसके हकदारों तक पहुंचाने के लिए मोदी जी का शुक्रिया। महिलाएं अपनी गोद में बच्चा लेकर पहुंची हुई हैं।

बिल के विरोध में न्यूट्रल पार्टियां- विपक्ष इस बिल के विरोध में है। तमिलनाडु की एआईएडीएमके, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति जैसी न्यूट्रल पार्टियां भी विपक्ष का समर्थन कर रही है। इंडिया गठबंधन ने इस बिल को लेकर संसद भवन में अपनी रणनीति पर चर्चा की। साथ ही चर्चा का समय बढ़ाकर 12 घंटे करने की मांग की। जानिए सरकार वक्फ बोर्ड के कानून में क्या बदलाव कर रही वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल किये जाएंगे। महिला और अन्य मुस्लिम समुदाय की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। बोर्ड पर सरकार अपना नियंत्रण बढ़ाना चाहता है। इससे वक्फ के पैसे और संपत्ति का हिसाब-किताब पारदर्शी रहेगा। जिला मजिस्ट्रेट के ऑफिस में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा ताकि संपत्ति के मालिकाना हक का पता रहे। CAG वक्फ के खातों का किसी भी वक्त ऑडिट करवा सकती है। वक्फ बोर्ड में पहले सिर्फ सिर्फ शिया और सुन्नी होते थे लेकिन अब आगा खानी और बोहरा भी होंगे।

बनासकांठा पटाखा फैक्ट्री हादसे में मृतकों के परिजन को दी जायेगी आर्थिक सहायता

मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ : डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना अत्यंत दु:खद और कष्टदायी है। राज्य सरकार पूरी सक्रियता एवं तत्परता के साथ मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। पीड़ितों की सहायता के लिए राज्य सरकार की ओर से अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मृतकों की पार्थिव देह उनके गृहग्राम एवं परिजन तक पहुंचाने की सभी जरूरी व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में सभी मृतकों के परिजन के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से हादसे का शिकार हुए सभी मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए तथा घायल श्रमिकों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काम के सिलसिले में राज्य की सीमा से बाहर जाने वाले सभी श्रमिकों से अपने काम के दौरान पूरी सतर्कता बरतने एवं खुद की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील भी की है।

मंत्री चौहान ने बनासकांठा पहुंच कर घायल श्रमिकों का हाल जाना, बंधाया ढांढस

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ देर रात गुजरात के बनासकांठा पहुंचकर मध्यप्रदेश के घायल श्रमिकों एवं उनके परिजन से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। मंत्री श्री चौहान ने घायल श्रमिकों के परिजन से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुजरात, बनासकांठा में घटना स्थल पर पहुंचकर स्थानीय प्रशासन से जानकारी प्राप्त की। बनासकांठा जिले के डीसा अस्पताल पहुंचकर घायल श्रमिकों के इलाज के लिये उचित प्रबंध के निर्देश दिए। साथ ही घटना के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्थानीय प्रशासन दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी करेगा।

कांग्रेस ने लोकायुक्त की भूमिका पर उठाए सवाल, लगाया आरोप

लोकायुक्त की मेहरबानी से मिली सौरभ शर्मा को जमानत

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने सौरभ शर्मा को जमानत मिलने पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने पत्रकार वार्ता में लोकायुक्त की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लोकायुक्त की मिलीभगत के चलते ही करोड़ों की बेनामी संपत्ति मामले में आरोपी सौरभ शर्मा को जमानत मिली है। श्री नायक ने लोकायुक्त को भ्रष्ट और औचित्यहीन संस्था बताते हुए लोकायुक्त संस्था को बंद करने की मांग की है।

श्री नायक ने आरोप लगाया कि 60 दिनों में चालान पेश न कर पाने की यह नाकामी कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है। इस पूरे प्रकरण में लोकायुक्त की संदिग्ध भूमिका और सरकार की चुप्पी जनता के सामने सच्चाई को उजागर कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के दौरान लोकायुक्त निदेशक जयदीप प्रसाद का अचानक स्थांतरण किया जाना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि सरकार इस मामले को दबाने में जुटी है।

श्री नायक ने कहा कि श्री प्रसाद ने सौरभ शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर छापेमारी की थी, उसको हटाना स्पष्ट करता है कि बड़े रसूखदारों को बचाने के लिए सरकार किसी भी हद तक जा सकती है, लेकिन यह कोई पहला मामला नहीं है। उन्होंने इस दौरान चंद सवाल भी पूछे कि आखिर सौरभ शर्मा के चालान पेश न करने की नाकामी के पीछे कौन अधिकारी जिम्मेदार है। जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर क्या इस मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है? श्री नायक ने पूछा कि आखिर भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियोजन की अनुमति रोककर सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों दे रही है?

पाक ने फायरिंग की, संघर्ष विराम तोड़ा

सेना ने नियंत्रण रेखा पर 5 घुसपैठिए मार गिराए

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने 5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। सेना ने कहा कि एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। सेना ने कहा कि हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

कठुआ में 2 आतंकियों की तलाश जारी

इधर कठुआ में सुरक्षाबलों का 2 आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। राजौरी जिले में सुंदरबनी के सिया बदराई इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान तलाया जा रहा है। यह इलाका बॉर्डर से सटा हुआ है। जून 2024 में आतंकियों ने यहां पर शिव खोरी से लौट रही बस पर हमला किया था। बीते 11 दिनों में कठुआ में सुरक्षाबलों की आतंकियों तीन मुठभेड़ हुई हैं।

लालू की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली पहुंचे

पटना, एजेंसी। राजद सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। बुधवार शाम को वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उनके साथ राबड़ी देवी भी मौजूद थी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने पिता लालू प्रसाद को लेकर पारस हॉस्पिटल पहुंचे थे। जहां डॉक्टर्स की एक टीम ने उनका हेल्थ चेकअप किया। तेजस्वी यादव ने बताया था, कि उन्हें दिल्ली ले जाया जाएगा। दिल्ली एम्स में उनका इलाज होगा। कई दिनों से उनके कंधे और हाथ में जख्म था। लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे थे। बाद में पता चला कि बीपी काफी लो रह रहा है। दिल्ली एम्स उनको ले जाना था, लेकिन जब चेकअप हुआ तो उनका बीपी लो हो गया था। इसके बाद डॉक्टर से संपर्क किया गया। डॉक्टर ने बताया कि जब तक स्टेबल नहीं होते हैं, तब तक फ्लाइट से भेजना सही नहीं होगा।

विवाद के बाद महिला तहसीलदार ने हटाई पोस्ट, माफी मांगी

श्योपुर, देशबन्धु। टेलीविजन शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में 50 लाख जीतकर अलग पहचान बनाने वाली श्योपुर की महिला तहसीलदार द्वारा पहले विवादित पोस्ट की गई। सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने के बाद जब हंगामा हुआ तब न सिर्फ पोस्ट डिलीट की बल्कि उन्हें माफी भी मांगनी पड़ी। दरअसल श्योपुर जिले के वीरपुर की तहसीलदार अमिता सिंह तोमर ने अपनी फेसबुक पर पोस्ट किया था कि 'ईद के त्यौहार को मातम का त्यौहार बना दिया। कितनों के अब्बा मर गए जो काली पट्टी बांधकर त्यौहार मनाया, सादर श्रद्धांजलि...।'इस पोस्ट के वायरल होने के बाद लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

लेकिन लोगों ने उस पोस्ट का स्क्रीनशॉट ले लिया और मंगलवार को वीरपुर में ही कलेक्टर अर्पित वर्मा की जनसुनवाई में पहुंच गए। वहां लोगों ने स्क्रीनशॉट के साथ आवेदन देकर इसकी शिकायत की। इस दौरान लोगों के गुस्से को देखते हुए तहसीलदार ने पोस्ट हटाने की बात कहते हुए 'ओके, सॉरी' भी बोल दिया। जनसुनवाई के दौरान यह मामला संज्ञान में आने के बाद अनुविभागीय अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने संज्ञान लेते हुए तहसीलदार अमिता तोमर से 3 दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

CHANGE OF NAME

I, GAIKWAD BABRUWAN VITTHAL is Father of ARMY NO. 15727538K RANK HAV NAME GAIKWAD SANDEEP BABRUWAN presently, residing at VILL-MADAJ, PO-MADAJ, TEH-OMERGA, DIST-DHARASHIV (MAHARASHTRA) - 413606. I have changed my name from BABRUWAN to GAIKWAD BABRUWAN VITTHAL vide affidavit No. BV 349191 dated 02/04/2025 before Notary Jabalpur (MP)

INCORRECT NAME
BABRUWAN
कृति
CORRECT NAME
GAIKWAD BABRUWAN VITTHAL

मारपीट का वीडियो वायरल, पति ने लगाई पुलिस अधीक्षक से , बोला-

मुझे मेरी पत्नी से बचाओ

पन्ना, देशबन्धु। एक पति ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर पत्नी पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही एक मारपीट का एक वीडियो सौंपते हुए पीड़ित ने कहा है कि मेरी पत्नी मुझे मारती है, मुझे बचाओ साहब। पीड़ित ने हिडन कैमरे में रिकॉर्ड किया मारपीट का एक वीडियो भी पुलिस अधीक्षक को बतौर साक्ष्य सौंपा है। फिलहाल पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय लोकेश मांझी रेलवे में लोको पायलट है। लोकेश की जून 2023 में हर्षिता रैकवार नाम की लड़की से शादी हुई थी। लोकेश का आरोप है कि शादी के बाद पत्नी, सास और साला पैसों और सोने-चांदी की मांग करने लगे। पत्नी शादी के बाद से ही उन्हें उनके माता-पिता और दोस्तों से मिलने नहीं देती थी। लोकेश ने शिकायत में कहा है कि पत्नी मेरे साथ गाली-गलौज व मारपीट करती रहती है, इस वजह से मैंने घर में कैमरा लगा दिया। जिसके वीडियो मेरे पास मौजूद हैं. मुझसे झगड़ा करने के बाद पत्नी ने अपनी मां और भाई को सतना बुलाया और विगत 20 मार्च 2025 को मेरे साथ सभी ने मारपीट की थी, जिससे मुझे चोटें आई थीं। इस मामले की शिकायत सतना थाने में की थी, उसने आरोप लगाया कि पत्नी झूठे मामले में फंसाने और आत्महत्या करने की धमकी देती है। पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा ने कहा कि युवक ने अपनी पत्नी द्वारा परेशान करने का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। उसने एक वीडियो फुटेज भी बनाया है। चूंकि घटना सतना की है, वहां मामला दर्ज किया गया है। संबंधित थाना प्रभारी को बता दिया गया है।

पसंद नहीं आया दूल्हा तो दुल्हन ने दी डेढ़ लाख में हत्या की सुपारी

पुणे, देशबन्धु। पुणे से ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया. शादी से पहले सगाई और प्री-वेडिंग शूट हो चुका था, लेकिन जब दुल्हन को दूल्हा पसंद नहीं आया, तो उसने खौफनाक साजिश रच डाली. शादी से बचने के लिए उसने अपने मंगेतर को ही रास्ते से हटाने की ठान ली और उसकी हत्या के लिए डेढ़ लाख की सुपारी दे दी। पुलिस ने इस साजिश का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन खुद दुल्हन अब भी फरार है।

जानकारी के अनुसार, अहिल्यानगर के श्रीगोंडा तालुका की रहने वाली मयूरी सुनील डांगड़े की शादी कर्जत तालुका के माही जलगांव के सागर जय सिंह कदम से तय हुई थी. परिवारों ने पूरी तैयारियां कीं, सगाई हो चुकी थी और यहां तक कि प्री-वेडिंग शूट भी करवा लिया गया था। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन इस बीच मयूरी का मन बदल गया। उसे सागर कदम पसंद नहीं आया और वह उससे शादी नहीं करना चाहती थी, लेकिन सगाई टूटने से बदनामी होती, इसलिए उसने एक खतरनाक साजिश रच दी। मयूरी ने खौफनाक साजिश में अपने एक साथी संदीप गावड़े को शामिल किया और दोनों ने मिलकर सागर कदम को मारने के लिए 1.50 लाख रुपये की सुपारी दे दी। सागर की हत्या को अंजाम देने के लिए कुछ और लोग भी शामिल किए गए। सागर कर्जत तालुका के माही जलगांव का रहने वाला है. वह एक होटल में खाना बनाने का काम करता है। 27 फरवरी की शाम करीब साढ़े सात बजे वह अपने काम से लौट रहा था, तभी दौंड तालुका के खामगांव फाटा के पास यवत पुलिस क्षेत्र में एक होटल के पास कुछ लोगों ने रोक लिया। हमलावरों ने सागर पर डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और बुरी तरह पीटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल सागर ने किसी तरह खुद को संभाला और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद यवत पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया और जांच शुरू हुई।जब पुलिस ने इस हमले की तहकीकात शुरू की तो संदिग्ध आरोपी आदित्य शंकर दांगड़े और अन्य का नाम सामने आया। पुलिस ने उन्हें श्रीगोंडा जिले से हिरासत में लिया और जब पूछताछ की गई तो पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया। उन्होंने बताया कि यह सब मयूरी डांगड़े के इशारे पर किया गया था. उसने खुद अपने मंगेतर की हत्या की सुपारी दी थी।

देशबन्धु

जबलपुर, गुरूवार 03 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नया वक्फ़ कानून: ध्रुवीकरण है मकसद

अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे की तरफ़ एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में कार्यरत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार उस वक्फ़ बोर्ड संशोधन विधेयक, 2024 को संसद में पारित कराने की कगार पर है जिसके जरिये मुस्लिमों के मामलों में अब सरकार की सीधी दखल का रास्ता खुल जायेगा। वक्फ़ संशोधन विधेयक बुधवार 12 बजे लोकसभा में पेश किया गया और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लोकसभा में इस पर चर्चा जारी थी। आंकड़े सरकार के पक्ष में होने के कारण इसे पारित कराने में उसे कोई दिक्कत नहीं होगी ऐसा माना जा रहा है, क्योंकि सदन में जेडीयू और टीडीपी दोनों ने इस विधेयक में भाजपा का साथ दिया है। सरकार इस कानून को चाहे मुस्लिमों के हित में लाया गया कानून बता रही हो, लेकिन यह देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक वर्ग की धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है जिसके कारण सदन के भीतर धर्मनिरपेक्षता व लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली तमाम पार्टियों तथा बाहर मुस्लिम संगठनों का इसे लेकर बड़ा विरोध हो रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और तमाम मुस्लिम संगठन इसका तभी से विरोध कर रहे हैं जब इसे पहली बार पिछले वर्ष 8 अगस्त को संसद में पेश किया गया था। प्रबल विरोध के चलते पहले तो इसे एक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था, परन्तु उस समिति की संरचना ऐसी थी जिसमें सरकार का बहुमत था। मुसलमानों की राय तथा विपक्ष के सुझावों को नज़रंदाज़ कर संशोधन विधेयक को बुधवार को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।

देश भर में मस्जिदों के रखरखाव हेतु रखी गयी सम्पत्ति यथा जमीनों, दुकानों पर सरकार का नियंत्रण व आधिपत्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला यह कानून इसलिये निराशाजनक है क्योंकि इसका मकसद मस्जिदों व मुस्लिमों को उनके धार्मिक-सामाजिक कामों के लिये होने वाली आय से वंचित करने वाला है। मस्जिदों के निर्माण हेतु मिली जमीन का वैसे तो कोई मालिक नहीं होता और माना जाता है कि इसका मालिक अल्लाह होता है। मस्जिद कमेटी इसकी देख-रेख करती है। सरकार या प्रशासन द्वारा यह काम अपने हाथ में लेने का अर्थ है मुस्लिमों की धार्मिक मान्यता व कार्यपद्धति को सिरे से नकारना जिसके कारण इस विधेयक का व्यापक विरोध हो रहा है।

यह भी आशंका है कि लगभग हर शहर में वक्फ़ के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली ज़मीनों के लिये सिविल के मुकदमे प्रारम्भ हो जायेंगे- फिर चाहे वे भाजपा सरकारों की ओर से हों अथवा उससे जुड़े संगठनों द्वारा दायर किये जायें। जो भी हो, यह तय है कि इस कानून से हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच की खाई और भी गहरा सकती है। पहले से देश भर में मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों की संख्या में इस कानून के अस्तित्व में आ जाने से और भी इज़ाफ़ा होना तय है। हालांकि सरकार का दावा है कि इससे वक्फ़ से जुड़ी सम्पत्तियों का बेहतर प्रबन्धन हो सकेगा, पर सरकार की मंशा साफ है। वह मुस्लिमों की ताकत को कमतर करने तथा उसकी परिसम्पत्तियों पर कब्ज़ा करना चाहती है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से दो गैर मुस्लिम सदस्य भी बोर्ड में शामिल किये जायेंगे। देश में फिलहाल वक्फ़ की सम्पत्ति का प्रबन्धन करने के लिये करीब 30 स्थापित संगठन हैं जो वक्फ़ बोर्ड अधिनियम, 1995 के अंतर्गत काम करते हैं।

देखना है कि इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद इसे लेकर एनडीए के वे समर्थक दल क्या रुख अख्तियार करते हैं और उन राजनीतिक संगठनों के बारे में उनके वोटर क्या राय बनायेंगे जिन्होंने इस विधेयक को पारित करने में सरकार की मदद की है। विशेषकर, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड, जिनके क्रमश: 16 व 12 लोकसभा सदस्यों के बल पर नरेन्द्र मोदी की सरकार टिकी हुई है। इन दोनों पर इसलिये विशेष ध्यान है क्योंकि ये दोनों ही धर्मनिरपेक्ष पार्टियां कहलाती हैं और इनका बड़ा समर्थक वर्ग अल्पसंख्यकों का है।

पहली बार जब यह विधेयक 8 अगस्त, 2024 को संसद में पेश किया गया था, तब जेडीयू और टीडीपी दोनों ने खुलकर सरकार का साथ नहीं दिया था, लेकिन अब माहौल बदल गया है। वहीं इस विधेयक के खिलाफ पिछले माह की 7 तारीख को जंतर मंतर पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी थी कि यदि वक्फ़ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अलावा जमाते इस्लामी एवं जमीयत उलेमा ए हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए थे जो कि देश के अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अब फिर से बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने चेतावनी दी है कि यह विधेयक पारित हुआ तो बोर्ड चुप नहीं बैठेगा। आंदोलन करने के अलावा सभी संवैधानिक तथा कानूनी प्रावधानों का उपयोग किया जायेगा।

इस बिल को लेकर सरकार की मंशा का पता इसी बात से चल जाता है कि इसे पेश करते वक्त कई भ्रामक तथ्य पेश किये गये। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और यहां तक कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'यदि यह बिल नहीं लाया जाता तो अब तक संसद भवन पर भी वक्फ़ बोर्ड अपना दावा ठोंक चुका होता।' याद हो कि पिछले दिनों जब प्रयागराज में कुम्भ चल रहा था तब भी कहा गया था कि पूरे मेला क्षेत्र को अपनी जमीन पर होने का वक्फ़ दावा करता है। लोकसभा में कांग्रेस के गौरव गोगोई, केसी वेणुगोपाल आदि ने कहा कि सरकार की नज़र वक्फ़ की जमीनों पर है, जो वह मुसलमानों से छीन लेना चाहती है। अपनी संख्या बल पर चाहे सरकार इस विधेयक को पारित करा ले तथा इसे कानून का रूप देने की दिशा में आगे बढ़े , पर इससे देश के दो सबसे बड़े वर्गों के बीच दरार को बड़ा करने की वह हमेशा जिम्मेदार मानी जायेगी। राज्यसभा में यह विधेयक आज गुरुवार को लाया जायेगा जिसे पारित कराने में कोई अड़चन नहीं दिखती। जो भी हो, देखना होगा कि अब इसे लेकर देश के मुस्लिम संगठन और विपक्षी दल आगे क्या कदम उठाते हैं।

नीला ड्रम, स्टोव बनाम स्त्री विमर्श

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

मेरठ में सौरभ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम काफी चर्चा में आ गया है। सौरभ की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या की थी और फिर सौरभ के शव के 15 टुकड़े कर के उसे एक ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट डाल दिया था। फिलहाल दोनों आरोपी जेल में हैं और पुलिस इस मामले की हर कोण से जांच कर रही है। शुरुआत में इसमें तांत्रिक क्रिया के होने का संदेह था, लेकिन इससे पुलिस ने इंकार कर दिया है। यानी यह हत्याकांड गलत तरीके से चल रहे प्रेम संबंध की परिणति है। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने जैसा वीभत्स काम कोई पहली बार नहीं हुआ है, न ही अवैध प्रेम संबंध के चलते पति या पत्नी में से किसी एक की हत्या की घटना पहली बार हुई है। ऐसे कई खौफनाक अपराध इसी समाज में घट चुके हैं। याद करें तो नैना साहनी को मारकर तंदूर में डाल दिया गया था। इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी ही बेटी की हत्या करवा कर उसकी लाश को जंगल में फिंकवाया था और हत्या के पहले अपनी बेटी को वह छोटी बहन बताती थी। अभी पिछले ही साल गोवा के एक होटल में एक मां ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बैग में भरकर टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। इन घटनाओं को याद करना दुखद है, लेकिन उससे भी दुखद बात ये है कि ऐसी एक घटना के धब्बे हल्के पड़ते नहीं कि, दूसरा भयावह प्रसंग खड़ा हो जाता है। इस तरह की खबरों पर अक्सर समाचारों में लिखा जाता है कि समाज दहल गया, सिहर गया, चौंक गया आदि, लेकिन क्या वाकई समाज में अब संवेदनशीलता बाकी रह गई है। क्योंकि संवेदनाएं होती तो ऐसी खबरों की अधिकता न होती।

पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चैनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है। लोगों के वक्त का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने या पढ़ने में चला जाता है। समाज में कहीं कोई घटना घटी नहीं कि फौरन उस पर मीम्स, रील्स बनकर वायरल हो जाते हैं। अब तो ग्रोक की मदद से तरह-तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और हर कोई घिबली आर्ट से अपना एनिमेटेड अवतार बना रहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह के चलन कई बार चलते हैं। एक लहर सी आती है, समाज उसमें बहने लगता है, फिर वो लहर लौटती है, पीछे जो कचरा बच जाता है, उसे साफ करने का कोई उपाय नहीं रहता, तब तक दूसरी लहर आ जाती है। इसी तरह सोशल मीडिया के समुद्र में समाज गोते लगा रहा है। लेकिन तटस्थ होकर सोचें तो सोशल मीडिया में हम असल मायनों में सोशल होने की पहचान को ही खोते जा रहे हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है तो समाज की भलाई की चिंता उसे होनी चाहिए। लेकिन अभी समाज किस दिशा में जा रहा है, इसकी कोई परवाह ही नहीं हो रही है। खबरों पर फौरन प्रतिक्रिया देने या उसे वायरल करने या जरूरत से ज्यादा वक्त उस पर बिताने में हम भूल रहे हैं कि इन सबका कितना नुकसान समाज को हो रहा है। सोशल मीडिया कई जरूरी मुद्दों और विमर्शों को भी भटका रहा है।

> **पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चैनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है।**

जैसे सौरभ हत्याकांड के बाद चर्चा में आए नीले ड्रम का जिक्र मैंने किया। खबर आई कि मेरठ के व्यापारी अब नीला ड्रम खरीदने वालों से पहचान पत्र भी मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब नीले की जगह लोग सफेद या नारंगी रंग के ड्रम खरीद रहे हैं। इसी तरह हापुड़ की खबर आई कि एक व्यक्ति ने पुलिस से गुहार लगाई कि उसे बचा लिया जाए, उसकी पत्नी के अवैध संबंध हैं और वो सौरभ की तरह उसे मार सकती है। ग्वालियर में भी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के खिलाफ इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराईं, हालांकि महिला थाना में पत्नी ने पति के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया हुआ है। पन्ना में तो एक पति ने अपनी पत्नी पर मारपीट करने के इल्जाम लगाए और बतौर सबूत छुपे हुए कैमरे से रिकार्डिंग भी पेश की, जिसमें पत्नी पति को मारती हुई दिख रही है।

इन सारी घटनाओं में कितना सत्य है और असल में पीड़ित कौन है, इसका पता तो जांच के बाद ही चलेगा। लेकिन इतना तय है कि विवाह संस्था पर अब पहले से अधिक खतरे बढ़ गए हैं। रिश्तों में दरारें पड़ना अचरज की बात नहीं है, लेकिन अब उन दरारों से जो आधी-अधूरी सच्चाई के साथ सनसनीखेज खबरें बाहर आ रही हैं, उसे लेकर समाज को फिक्रमंद होना चाहिए, क्योंकि आखिर में तो ये घटनाएं हमारा ही अक्स दिखा रही हैं। उपरोक्त तमाम घटनाओं में गौर करने की बात ये है कि पीड़ित पक्ष पुरुष को दिखाया गया है, इसलिए लोगों की दिलचस्पी इनमें ज्यादा हुई। वर्ना मुजफ्फरनगर का ही एक और मामला सामने आया है, जिसमें शादी के दो माह बाद ही पति ने पत्नी से दहेज की मांग शुरु कर दी और उसे ससुराल में आने से रोका गया, जिसके बाद पत्नी ने भी ससुराल के बाहर धरना दे दिया। दोनों संपन्न परिवारों के पढ़े-लिखे लोग हैं, पत्नी वकील है और पति आर्किटेक्ट। बहरहाल, इस घटना पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं जाता अगर पत्नी धरने पर न बैठती। क्योंकि दहेज के नाम पर कितनी प्रताड़नाएं हुई हैं, कितने स्टोव नववधुओं पर फटे हैं, कितनी बहुओं को जलाकर मार दिया गया, इसकी कोई गिनती ही नहीं है। लेकिन दहेज हत्या को समाज सामान्य तरीके से लेता रहा, इसलिए दहेज पर कानूनी रोक होने के बावजूद समाज में कोई प्रतिबंध नहीं लगा। वरिष्ठ पत्रकार और देशबन्धु के स्तंभकार शकील अख्तर ने लिखा भी कि स्टोव खरीदने से पहले किसी का पहचान पत्र नहीं मांगा गया। वाजिब बिंदु है कि नीले ड्रम को लेकर अनावश्यक सनसनी खड़ी की गई, ताकि सौरभ की हत्या और उसके शव के साथ किया गया सलूक याद रहे। लेकिन इस देश में हजारों लड़कियों को दहेज के नाम पर अकाल मौत दी गई, क्या उनके साथ किए गए सलूक को याद रखने के लिए कोई पहल की गई। अगर हत्या न भी हो, तब भी इस देश की महिलाओं को अनगिनत अत्याचारों से गुजरना पड़ा है और अब भी ऐसा हो रहा है। उन्हें शारीरिक तौर पर न सही, मानसिक तौर पर कई बार मारा जाता है। शरीर के 15 टुकड़े न हों, तब भी आत्मा को तार-तार करने तक प्रताड़नाएं दी जाती हैं। इसी देश में वो रामायण भी लिखी गई है, जिसमें सीता माता का पहले एक शक्तिशाली राजा ने अपहरण किया, फिर उनके पति ने युद्ध कर उन्हें छुड़ा तो लिया, लेकिन अग्नि परीक्षा से गुजरने के बाद ही अपनाया, और फिर धोबी की बात सुनकर अपने घर से निकाल दिया, जबकि वे गर्भवती थीं। आखिर में मां सीता को धरती में ही समाना पड़ा। इसी रामायण में शूर्पणखा भी है, जिसे अपने प्रेम का इजहार करने की सजा नाक कटवा कर भुगतनी पड़ी और अहिल्या भी इसी कथा का हिस्सा हैं, जिनके साथ छल हुआ, लेकिन पत्थर में तब्दील होने की सजा भी उन्हें ही मिली।

पौराणिक काल की सीता से लेकर आज की बिलकिस बानो तक न जाने कितनी स्त्रियों पर अवर्णनीय अत्याचार हुए और उनके वजूद को अनगिनत बार टुकड़े-टुकड़े किया गया। लेकिन अब कुछ घटनाओं के कारण स्त्री मुक्ति विमर्श को ही प्रभावित करने की कोशिशें हो रही हैं। मुस्कान जैसे एकाध मामले आने से सारा स्त्री समाज दोषी नहीं हो जाता है, न ही इसमें महिलाओं की बराबरी के हक, भेदभाव के सवालों के जवाब खत्म होते हैं। इन घटनाओं को अपवाद मानकर असल सवालों पर विमर्श हर हाल में जारी रहना चाहिए, अन्यथा मां सीता बार-बार इंसाफ के इंतजार में धरती में समाती रहेंगी।

लोकसभा में अभी सीटों की संख्या सीमित रखने का समय

■ नन्तू बनर्जी

अगर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े संघीय लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में, प्रतिनिधि सभा में सीटों की संख्या 1913 से 435 तक सीमित रह सकती है, तो भारत के प्रत्येक राज्य में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को जनसंख्या वृद्धि के अनुसार नये सिरे से तय करने के लिए नवीनतम परिसीमन अभ्यास को उचित ठहराने का कोई कारण नहीं है। देश अब कई वर्षों के अंतराल के बाद जनगणना अभ्यास से गुजर रहा है। वास्तव में, भारत को इस बात पर अधिक चिंतित होना चाहिए कि अपनी जनसंख्या वृद्धि को कैसे नियंत्रित किया जाये और अपने विधानमंडलों को वास्तव में मतदाताओं के लिए योगदान देने वाला कैसे बनाया जाये।

दो साल पहले, भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया। यह इस तथ्य के बावजूद है कि चीन भूमि क्षेत्र के मामले में भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। आदर्श रूप में, भारत को इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि वर्तमान जनगणना अभ्यास के बाद वास्तविक समय में देश के आर्थिक विकास से जनता को लाभान्वित करने के लिए जनसंख्या के आकार को कैसे नियंत्रित किया जाये। परिसीमन अभ्यास को पीछे रखना चाहिए।

देश की लोकसभा बिना बैक बेंचर्स की अतिरिक्त संख्या में अच्छा प्रदर्शन करेगी, जो सार्वजनिक मुद्दों को उठाकर और बहस में भाग लेकर संसद की कार्यवाही में बहुत कम योगदान देते हैं। लोकसभा और विधानसभाओं के लिए प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं इन सदनों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। हालांकि संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में यह प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और साथ ही क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जायेगा। राज्य विधानसभाओं और संसद में सीटों की संख्या को स्थिर करने के लिए उन्हें संशोधित करने की आवश्यकता है। अतीत में, 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद इस तरह की कवायद की गयी थी।

अमेरिका में, निचले सदन में सीटों की संख्या 1913 से स्थिर बनी हुई है, हालांकि देश की आबादी पिछले साल 940 लाख से लगभग चार गुना बढ़कर लगभग 3400 लाख हो गयी है। अमेरिकी कांग्रेस ने 1911 के एपोर्शनमेंट एक्ट के बाद से सदन के प्रतिनिधियों की संख्या 435 पर सीमित कर दी थी, सिवाय 1959 में हवाई और अलास्का को राज्यों के रूप में स्वीकार किये जाने के दौरान 437 तक की अस्थायी वृद्धि के।

पिछली सदी में, 1910 की जनगणना के बाद से अमेरिकी कांग्रेस के जिलों का आकार तीन गुना से भी अधिक हो गया है, जिसमें प्रति जिले लगभग 212,000 निवासी सूचीबद्ध हैं। प्रत्येक राज्य के लिए सदन के सदस्यों की संख्या संघीय कानून में एक सांख्यिकीय सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाती है। प्रत्येक राज्य अपने जिलों के आकार को डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है, जब तक कि वह 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप हो, जो नस्लीय अल्पसंख्यकों के मतदान और प्रतिनिधित्व अधिकारों की रक्षा करना चाहता है।

भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए, अगर जरूरी हो तो उनमें संशोधन करना चाहिए और नये मुद्दों से निपटने के लिए नये कानून पेश करने चाहिए। विधानमंडल में सीटें हथियाने के लिए ये राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक रूप से मूर्ख लोकप्रिय फिल्मी सितारों और मनोरंजन जगत की हस्तियों को भी भर्ती करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। ऐसे प्रतिनिधि अक्सर अपने पूरे कार्यकाल के दौरान कार्यवाही में कोई योगदान दिये बिना संसद में सीटें लेते देखे जाते हैं।

लोकसभा के 30 प्रतिशत सदस्य भी सक्रिय भागीदारी की इच्छा नहीं दिखाते हैं। कभी-कभी, कुछ लोग विधानमंडल में गरमागरम बहस से विचलित हुए बिना सो जाते हैं। एक राजनीतिक दल के लिए जो मायने रखता है वह संसद में उसकी संख्या है और शायद इसके अलावा कुछ भी नहीं। विधानमंडल में सीटें बढ़ाने के लिए परिसीमन अभ्यास दुर्भाग्य से केवल संख्या पर केंद्रित हो सकता है। इसे रोकने की जरूरत है। इसके अलावा, यह कवायद कम या नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को दंडित कर सकती है और देश की जनसंख्या विस्फोट में योगदान देने वालों को पुरस्कृत कर सकती है। यह शायद ही स्वीकार्य हो।

> **भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए।**

लोकसभा सहित देश के विधायिकाओं के सदस्य अपने कार्यों में बहुत कम सुधार करके देश को भारी कीमत चुकाने को मजबूर कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक सांसद के खजाने पर प्रति वर्ष 600 लाख रुपये से अधिक का खर्च आ सकता है, जिसमें वेतन, भत्ते और अन्य खर्च और एमपीएलएडी (संसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना) शामिल हैं। पिछले हफ्ते ही, केन्द्र सरकार ने अप्रैल 2023 से प्रभावी, सांसदों के लिए 24 प्रतिशत वेतन वृद्धि को मंजूरी दी। वास्तव में, संसद सदस्य का मुख्य काम 'संघ सूची' के मामलों पर कानून बनाना या संशोधनों के माध्यम से उन्हें संशोधित करना और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना है।

पिछले पांच दशकों से भारतीय संसद 543 लोकसभा सांसदों के साथ काम कर रही है, जबकि देश की आबादी 55करोड़ से बढ़कर 145 करोड़ हो गयी है। अगले तीन दशकों में भारत की आबादी 165-170 करोड़ के आसपास होने का अनुमान है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 2060 तक चीन की आबादी 121 करोड़ के आसपास होने का अनुमान लगाया है। 1979 से 2015 तक लागू की गयी चीन की वन-चाइल्ड पॉलिसी ने अधिकांश परिवारों को एक बच्चे तक सीमित करके देश की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में मदद की।

भारत सरकार इस तरह से सोच सकती है या ऐसी प्रणाली का पालन कर सकती है जो छोटे परिवारों को पुरस्कृत करती है और अधिक बच्चे पैदा करने वालों को उनकी सामाजिक और वित्तीय बाधाओं की अनदेखी करते हुए दंडित करती है। इन परिस्थितियों में, जनसंख्या के आकार को ध्यान में रखते हुए विधायिका का विस्तार एक गलत कदम होगा। यह उन राज्यों को अजीब स्थिति में डाल देगा, जिनका जनसंख्या प्रबंधन रिकॉर्ड अच्छा है, जबकि अन्य अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि दिखा रहे हैं।

हाल के वर्षों में, भारत के कुछ अत्यधिक आबादी वाले राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, पंजाब और पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित सभी राज्यों में जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी है। केंद्र और राज्यों दोनों के लिए यह अच्छा होगा कि वे जनसंख्या वृद्धि के बावजूद विधानमंडल के आकार को सीमित रखें ताकि विधानमंडलों का समुचित संचालन सुनिश्चित हो सके। परिसीमन की प्रक्रिया अभी रुक सकती है।

आपके पत्र

हमारी जोखिमग्रस्त डॉल्फिन की गणना

विगत 3 मार्च को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भारतीय नदियों में पाई जाने वाली डॉल्फिन की जनगणना सम्बंधी अध्ययन के निष्कर्ष जारी किए; डॉल्फिन की संख्या 6327 पाई गई है। टारपीडो जैसे शरीर वाले ये चंचल जीव जब भी दिखते हैं, दर्शकों को रोमांचित कर देते हैं। उन्हें देखने लोग उमड़ पड़ते हैं। शहरी किशोर उन्हें 'प्यारा' (क्यूट) कहते हैं।

नदी डॉल्फिन दो तरह की होती हैं। एक, ऐच्छिक (फैकल्टेटिव) नदी डॉल्फिन, जो खारे पानी और मीठे पानी दोनों में रहती हैं। भारत में, इरावदी (या इरावती) डॉल्फिन चिल्का झील के आसपास पाई जाती हैं। यहां लगभग 155 की संख्या में मौजूद ये डॉल्फिन पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण हैं, और सुंदरबन के पास मौजूद डॉल्फिन भी।

दूसरी, बाध्य (ऑब्लिगेट) नदी डॉल्फिन, जो केवल मीठी जल राशियों में पाई जाती हैं। माना जाता है कि चीन की यांग्त्ज़ी नदी डॉल्फिन विलुप्त हो गई है, इसे आखिरी बार वर्ष 2007 में देखा गया था। अनोखे गुलाबी रंग वाली अमेज़ॉन नदी की डॉल्फिन 2.5 मीटर से भी अधिक लंबी होती है। लगभग इतनी ही बड़ी गंगा नदी में रहने वाली डॉल्फिन होती है, जो गंगा और ब्रह्मपुत्र की मुख्य नदियों और कुछ सहायक नदियों में पाई जाती है।

गंगा डॉल्फिन की निकट सम्बंधी, सिंधु नदी डॉल्फिन, पंजाब का राजकीय जलीय जीव है। यहां ये डॉल्फिन तरनतारन ज़िले में ब्यास नदी और हरिके आर्द्रभूमि में पाई जाती है। पर्यावरण मंत्रालय के अध्ययन में सिर्फ तीन सिंधु डॉल्फिन मिली हैं, जो इनके अस्तित्व पर मंडराते खतरे को दर्शाता है। पाकिस्तान में बहती सिंधु नदी में ये डॉल्फिन सिर्फ 1800 ही जीवित बची हैं।

डॉल्फिन और दांतों वाली व्हेल के माथे पर एक विशिष्ट मांसल उभार होता है जिसे मेलन कहा जाता है। यह एक लेंस की तरह काम करता है जो (प्रकाश को नहीं) ध्वनि को संकेंद्रित करता है, और इकोलोकेशन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे यहां पाई जाने वाली नदी डॉल्फिन मटमैले और कम लवण वाले पानी में रहना पसंद करती हैं। गंगा और सिंधु नदी की डॉल्फिन की एक असामान्य विशेषता उनकी कमज़ोर नज़र है। वे इकोलोकेशन द्वारा मार्ग निर्धारण करती हैं और भोजन ढूंढती हैं; इसमें वे अपनी स्वर-रज्जु से खास क्लिक रूपी अल्ट्रासाउंड तरंगें निकालती हैं, और ललाट पर बने मेलन की मदद से आसपास की वस्तुओं से टकराकर लौटने वाली तरंगों की प्रतिध्वनि को महसूस करती हैं। ये डॉल्फिन करवट पर तैरने की प्रवृत्ति भी दिखाती हैं, भोजन की तलाश में नदी के पेंदे को खंगलाने के लिए वे फिन का उपयोग करती हैं।

गठिया से लेकर मांसपेशीय ऐंठन के उपचार में इस्तेमाल होने वाले तेल का दोहन नदी डॉल्फिन से ही किया जाता है, और उनके इसी उपयोग के चलते उन पर खतरा मंडरा रहा है। अत्यधिक मत्स्याखेट से उनकी भोजन आपूर्ति कम होती है, और अन्य मछलियां के लिए फेंके गए जाल में भी वे फंस जाती हैं। फिर, रासायनिक प्रदूषक एक और खतरा पैदा करते हैं।

तेज़ी से परिष्कृत और उन्नत होती जा रही गणना विधियों के बावजूद, नदी डॉल्फिन की आबादी अस्पष्ट बनी हुई है – उनकी संख्या अधिक भी हो सकती है और कम भी। दोनों स्थितियों में से चाहे जो हो लेकिन फिर भी उनकी संख्या बहुत ही कम है। हमें इन अनूठे जीवों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना होगा।

डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन, सुशील चंदानी

ललित सुरजन की कलम से

भारत की शिक्षा नीति: अतीत, वर्तमान एवं भविष्य-1

'1947 में आजादी हासिल करने के बाद से ही अन्य बहुत से क्षेत्रों के साथ शिक्षा जगत में भी एक नया वातावरण निर्मित करने की पहल हुई। अनेक नीतिगत निर्णय लिए गए और अनेक परियोजनाओं पर काम प्रारंभ हुआ। उद्देश्य था एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण जो देश की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के अनुकूल हो और जो वैश्विक पटल पर भी भारतीय मेधा की पहिचान कायम कर सके। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का गठन, आईआईएससी, आईआईटी, आईआईएम व अनेक नए विश्वविद्यालयों की स्थापना, कोठारी आयोग का गठन आदि इसी सोच की देन है। देश में बड़े पैमाने पर विद्यालय भी प्रारंभ किए गए जिसमें सरकारी व गैर-सरकारी दोनों क्षेत्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यहां याद कर लेना प्रासंगिक होगा कि देश के प्रथम व द्वितीय उपराष्ट्रपति क्रमश- सर्वपल्ली राधाकृष्णन व डॉ. जाकिर हुसैन अपने समय के अत्यन्त प्रतिष्ठित शिक्षाविद थे। उन्होंने कालांतर में राष्ट्रपति पद को भी सुशोभित किया। इसमें जो राजनैतिक संदेश निहित था, वह स्पष्ट था।'

(देशबंधु में 22 फरवरी 2019 को प्रकाशित)

(अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवां द्वारा आयोजित अर्जुन सिंह व्याख्यानमाला में 15 फरवरी 2019 को मुख्य अतिथि का व्याख्यान)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2019/02/1.html

पावन प्रसंग

आहार दान की महत्ता शास्त्रों में वर्णित

एक लोकोक्ति है-'दान में से दान करे, तीनों लोक जीत ले।' कोई इतना दीन मलीन है कि अपना जीवनयापन करने के लिए भीख मांगता है। जो स्वयं अपने लिए भीख मांगता हो, वह भला दूसरों को क्या देगा? लेकिन लोकोक्ति कुछ और ही कहती है। यहां एक बात याद रखें कि लोकोक्तियों या कहावतों में जीवन का ठोस अनुभव भरा होता है। अनुभव की प्रामाणिकता के आधार पर ही कोई उक्ति लोक की उक्ति था लोकोक्ति बनती है। तो लोकोक्ति का दावा यह है कि याचक भीख में से भी दान करे तो वह तीन लोकों की सुख पा सकता है। एक संत कवि ने एक जगह लिखा है-सर्बस्व दान दीन्ह सब काहू अर्थात सभी ने अपने सर्वस्व का दान किया। यह एक सामान्य बात हुई। लेकिन कवि ने आगे एक विशेष बात कही है। वह यह कि जिनको दान मिला, उन याचकों ने भी अपने पास नहीं रखा। उन्होंने दूसरों को दे दिया-जिन्ह पावा राखा नहिं ताऊ। अर्थात् जिसने पाया, उसने भी अपने पास नहीं रखा, दूसरों को दे दिया।

खुलकर बांटो-दान करने वाले अनुभवी बताते हैं कि मैं जब जोड़कर रखता था तो कभी पूरा नहीं पड़ा, कभी बरकत नहीं हुई। लेकिन जब से देना-बांटना शुरू किया है, तब से कभी घटा ही नहीं। दानियों के इसी अनुभव पर यह लोकोक्ति प्रचलित हुई-जब से जोड़ा कभी न अटा। जब से बांटा कभी न घटा॥

दान धन का उपभोग सर्वोत्तम उपभोग है। यह धन की प्रथम गति है-सो घन धन्य प्रथम गति जाकी। अर्थात् जिसका धन दूसरों के काम नहीं आता वह धर्म से दूर है और उसका परिणाम दु:ख है। दु:ख चार बताये हैं-बुद्धि में भय, शरीर में रोग, मन में चिन्ता या शोक और अहं में वियोग। ये चारों दु:ख पाप के परिणाम है-करहिं पाप पावइ दुख, भय सज सोक वियोग।

ऊपर है और जल का संचय करने वाले समुद्र की नीचे। दान करना तो ठीक, पर दान क्यों करना चाहिए यह भी विचारणीय है। यह उल्लेखनीय तथ्य यह है कि संसार में नियम काम करते हैं। प्रकृति में आदान-प्रदान का नियम काम करता है। जो इस नियम को तोडत्म है, वह चोर, लुटेरा और बेईमान है। हम जन्म से मृत्यु तक प्रकृक्ति से बहुत कुछ मुफ्त में लेते हैं, जैसे धूप, हवा, पानी। यदि इनका थोड़ा-सा भी अंश दान के रूप में नहीं देंगे तो प्रकृति हमें दण्ड देगी।

यह कहां का न्याय है कि हम ट्यूब लाइट का तो पैसा देते हैं और सनलाइट (धूप) का नहीं देते? जब बिजली का बिल आता है तो क्या हम यह बहाना का सकते हैं कि हमारे पास पैसा नहीं है, हम नहीं देते? यदि आप बिजली का बिल नहीं भरेंगे तो चार बातें होंगी 1. आपकी बिजली कट जाएगी 2. बिजली काटने वाला यह कहकर बिजली काटेगा कि आपने बिल जमा नहीं किया, इसलिए हम बिजली काट रहे हैं 3. बिजली वाला आपको एक ही सजा दे सकता है कि वह आपकी बिजली काट दे चौथी बात यह होगी कि कभी-कभी बच भी सकते हैं कि आपकी बिजली न कटे।

हम प्रकृति से बहुत कुछ लेते हैं। हम प्रकृति के ऋणी हैं। अत: यदि हम प्रकृति के उपकारों के हेतु दान नहीं देंगे तो आप कभी बच नहीं सकते। आपको दण्ड मिलेगा ही। प्रकृति बड़ी कठोर होती है। जितनी बार आग में हाथ डालेंगे, उतनी ही बार जलोगे। बिजलीघर वाले के पास एक ही सजा है, पर धूप का पैसा न देने पर प्रकृति के पास हजारों सजाएं हैं। घर में कोई लम्बी बीमारी होगी तो डॉक्टर लेगा, व्यापार में घाटा होगा या नुकसान ही नुकसान होगा। अत: दान देते रहें खुश रहें।

-कांतिलाल मांडोत

नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम के भ्रष्टाचार का खोला चिट्ठा

सदन में विपक्ष की आवाज दबाती है नगर सरकार

सूचना के अधिकार के तहत जानकारी सामने आई

जबलपुर, देशबन्धु। नेता प्रतिपक्ष अमरीष मिश्र ने कहा कि ननिज में व्याप्त भ्रष्टाचार की आवाज को उठाने नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि किस तरह जनता के पैसों की होली खेली जा रही है। यहां बेहद गंभीर बात ये है कि, जब नेता प्रतिपक्ष को जानकारी नहीं मिल पा रही तो आम आदमी को कैसे जानकारी प्राप्त होगी। वे पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

बताया गया कि जल विभाग में रिपेयरिंग और सुधार कार्य मे भारी भरकम राशि बासठ करोड़ एकक्यासी लाख उनसठ हज़ार नौ सौ रूपए खर्च हुए , कुआं, सफाई, लीकेज सुधार बोरवेल सुधार हैंडपंप सुधार तथा जल शुद्धिकरण आदि में ,। यहां गौरतलब है , की नेता प्रतिपक्ष के द्वारा शहर मे कितने कुएं की सफ़ाई हुई , के जवाब मे महापौर कार्यालय से कोई जानकारी नहीं मिली ।

ए क्यू आई के लिए विशेषज्ञों को हुए भुगतान पर खुलासा किया की दो करोड़ अस्सी लाख के मॉनिटर के विशेष्यज्ञों की नियुक्ति पर एक करोड़ सतत्तर लाख चौरानवें हजार रुपए खर्च किए।

नेता प्रतिपक्ष ने एक बेहद चौकाने वाले आंकड़े का खुलासा किया कि अन्य व्यय के नाम पर चार करोड़ चौवन लाख इक्यावन हजार रूपए खर्च हुए। अन्य व्यय के नाम पर भारी भरकम राशि का खर्च होना संदेहहास्यपद है।

साफ़ सफ़ाई हेतु खरीदी गई मशीनों का भुगतान स्वाथ्य विभाग की संतुष्टि प्रमाण पत्र और ऑडिट रिपोर्ट आने के चौबीस घंटे के अंदर कर दिया गया। और गजब ये की 15 दिन बाद ही मशीन ख़राब भी हो गई। सवाल स्वास्थ विभाग की संतुष्टि प्रमाण पत्र पर भी है। सवाल ये भी उठाए गए की इन मशीनों की जितनी कीमत दिखाई गई है, वो मशीनें बाजार में उससे आधे दाम पर उपलब्ध हैं।

नगर निगम द्वारा अतिरिक्त विशेषज्ञों की नियुक्ति और उनको हुए भारी भरकम भुगतान पर सवाल खड़े किए। जबकि नगर निगम मे पहले से ही 10 से 20 साल अनुभवी अधिकारी उपलब्द्ध हैं। नेता प्रतिपक्ष के मांगने पर ये भी जानकारी नहीं दी गई, की इन विषय विशेषज्ञों से निगम को कितना फ़ायदा हुआ।

आरोप तो ये भी लगाए गए की एक ऐसे भी विशेषज्ञ हैं जिन्हे 83 लाख 45 हज़ार 3 सौ 71 का भुगतान एक वित्तीय वर्ष मे किया गया।

साथ ही विषय विशेषज्ञों के नाम तथा भुगतान की रकम का ब्यौरा भी आज तक नेता प्रतिपक्ष को नही मिला।

नगर निगम मे बाहर से बुलाए गए कंसलटेंस की योग्यता और अनुभव पर भी सवाल खड़े किए गए।

इनकी रही उपस्थिति

इस मौके पर सतेंद्र चौबे, अयोध्या तिवारी, गुड्डू राईन, संतोष पंडा दुबे आदि पार्टी जन शामिल रहे।

मंत्री ने चौपाल कर सुनी लोगों की समस्यायें

जनहित के लिये लगातार विकास कार्य होते रहेंगे

जबलपुर, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में महाराणा प्रताप वार्ड के नव निवेश कॉलोनी और इंदिरा गांधी वार्ड के नारायण नगर पार्क में चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही लोगों की समस्याओं को सुना और उनके समुचित निराकरण करने के निर्देश दिये। मंत्री सिंह से लोगों ने ज्यादातर बिजली, पानी, सड़क, नाली व साफ-सफाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंत्री श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिये कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाये। उन्होंने क्षेत्र में पानी की सुनिश्चितता को लेकर प्राथमिकता से कार्य करेंगे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि वे जबलपुर की जनता के ॠणी व अभारी हैं। जिन्हों ने 20 वर्ष तक सांसद तथा इस बार विधानसभा में भेजने का आशीर्वाद दिया। उन्हों ने कहा कि हर जन प्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वे विकास कार्य के माध्यम से जनता का ॠण उतारे। साथ ही कहा कि उन्हें विकास कार्य के माध्यम से ही अब जबलपुर की जनता का ऋण उतारने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार से उन्हें लोक निर्माण विभाग का दायित्वस मिला और जिस दिन से वे लोक निर्माण विभाग संभाले हैं उसी दिन से उनका ध्येय वाक्यि लोक निर्माण से लोक कल्याण है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि अब विकास कार्यों में जबलपुर उपेक्षा नहीं होगी। उन्होंने जबलपुर के विकास के लिये किये गये कार्यों की विस्ता र से जानकारी देते हुये कहा कि जबलपुर को बड़ा गांव से महानगर की ओर ले जाने के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किये हैं। आज प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हर जिसकी लागत 11 हजार करोड़ है, जबलपुर में है, जो पूर्णता की ओर है। 4 हजार 500 करोड़ की लागत से 117 किलोमीटर की रिंग रोड बन रही है, जिसमें दो लॉजिस्टिक पार्क व नर्मदा में दो आईकॉनिक ब्रिज होंगे। देश का पहला जियोलॉजिकल पार्क भी बनेगा। 450 करोड़ रूपये की लागत से एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण हुआ, वहीं 300 करोड़ की लागत से आधुनिकतम रेल्वेज स्टेशन भी बनेगा।

विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने किया दो नई सीमेंट कंक्रीट सड़कों का भूमिपूजन

जबलपुर, देशबन्धु। उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के द्वारा बुधवार को विधानसभा के अंतर्गत आने वाले स्वामी विवेकानंद वार्ड एवं दयानंद सरस्वती वार्ड में सीमेंट कंक्रीट सड़कों का भूमिपूजन किया गया दोनों ही जगह करीब 45 लाख रूपये की लागत से आर सी सी रोड का निर्माण और नाली बनाई जाएगी।

इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि हम उत्तर मध्य विधानसभा में समग्र विकास के मॉडल पर कार्य कर रहे हैं जिसमें हमारा विजन 5एस (शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सेवा और संस्कार) को लेकर कार्य करना हैं और हम विकास के कार्यों को जन भावनाओं के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ और व्यवस्थित रूप से करने का प्रयास कर रहे हैं आज हमारे स्वामी विवेकानंद वार्ड अंतर्गत सरस्वती कॉलोनी में बगीचा में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य जिसकी लागत करीब 22 लाख रुपए है उनका भूमिपूजन क्षेत्रीय जानो की उपस्थिति में किया गया तथा साथ ही स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड अंतर्गत शास्त्री ब्रिज के बाजू वाली सड़क का निर्माण कार्य जिसकी लागत करीब 22.97 लाख रुपए है वहां भी कंक्रीट सड़क का निर्माण का भूमिपूजन कार्य किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद सोनिया रंजीत सिंह,लवलीन आनंद,प्रतिभा भापकर,योगेश बिलोहा,सपन यादव,राघवेंद्र यादव,जयराम तिवारी,प्रणीत वर्मा,राहुल बैन,चन्द्रशेखर पटेल आदि उपस्थित थे।

डॉ. अनीता बब्बर को कृषि महाविद्यालय के डीन की जिम्मेदारी सौंपी गई

जबलपुर, देशबन्धु। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद प्रमोद कुमार मिश्रा की अनुशंसा पर कृषि महाविद्यालय की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनीता बब्बर को कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के डीन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. बब्बर ने जई, बरसीम, उड़द एवं चने की फसलों में मुख्यत: अनुसंधान कार्य किया है, जिसमें से चने की 11 प्रजातियां अत्यंत प्रचलित हैं, आपकी जेजी-14 चने की चने की प्रजाति को विश्व पटल पर प्रथम हीट टोलरेंट का दर्जा प्राप्त है। आपके द्वारा 14 परियोजनाएं संचालित की जा चुकी हैं। आपके 71 रिसर्च पेपर, 5 पुस्तक लेख प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. बब्बर 40 से अधिक शोध छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर चुकी हैं। आपको बेस्ट साइंटिस्ट अवॉर्ड, बेस्ट तकनीकी स्थांतरक एवं बेस्ट टीचर अवॉर्ड के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। आपने अनुसंधान एवं वैज्ञानिक चिंतन के लिए कई देशों में ज.ने.कृ.वि.वि. का प्रतिनिधित्व किया है।

डॉ. अनीता बब्बर को कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, वित्तनियंत्रक डॉ. अजय खरे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. बी. एस. द्विवेदी सहित प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी-कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने रचा नया इतिहास

ताप विद्युत गृहों ने किया रिकार्ड 28789.8 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन

जबलपुर, 2 अप्रैल। प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने ताप विद्युत गृहों के माध्यम से ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों ने कुल 28789.8 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर नया कीर्तिमान बनाया। यह अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष में हुआ सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2023-24 में ताप विद्युत उत्पादन 28627.03 मिलियन यूनिट दर्ज हुआ था। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने सर्वाधि?क 15042 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। उल्लेखनीय है कि पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 4570 मेगावाट है।

किस विद्युत गृह का कैसा रहा प्रदर्शन- मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के 210 मेगावाट स्थापित क्षमता के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने 1546 मिलियन यूनिट, 500 मेगावाट स्थापित क्षमता के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी ने 3756 मिलियन यूनिट, 1340 मेगावाट स्थापित क्षमता के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने 8445 मिलियन यूनिट व 2520 मेगावाट स्थापित क्षमता के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने 15042 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया।

संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 3- ने किया कमाल-संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 3 ने 4116 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया। यह इस यूनिट के इतिहास में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा ताप विद्युत उत्पादन की नई ऊंचाई-प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने ताप विद्युत गृहों के अभियंताओं व कार्मिकों को ऐतिहासिक सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है और ताप विद्युत उत्पादन की नई ऊंचाई का संकेत है। ऊर्जा मंत्री ने आशा व्यक्त की कि रिकार्ड स्तर का ताप विद्युत उत्पादन राज्य की औद्योगिक वृद्धि व विद्युत आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

आरटीओ भ्रष्टाचार मामले में लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में आरटीओ भ्रष्टाचार के मुख्य आरोपी सौरभ शर्मा को बचाने के लिए लोकायुक्त और भाजपा सरकार की मिलीभगत अब स्पष्ट रूप से सामने आ चुकी है। लोकायुक्त द्वारा दो महीने बीत जाने के बाद भी चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, ताकि आरोपी को जमानत मिलने का पूरा अवसर दिया जा सके और वह जेल से रिहा होकर अवैध रूप से एकत्रित राशि को सरकार और स्वयं के बीच बांट सके।

इस सरकारी भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर नगर कांग्रेस कमेटी, जबलपुर द्वारा दोपहर 3 बजे मालवीय चौक पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और भाजपा सरकार के इस भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के दोषियों को बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी और लगातार जनहित में लड़ाई लड़ती रहेगी।

नगर कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस आगे और उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

ये कार्यकर्ता शामिल रहे

इस कार्यक्रम में रामविलास दुबे पांडा, गुड्डू नवी, अयोध्या तिवारी, हर्षित यादव, रज्जू सराफ, मदन लारिया, दिलीप साहू, रितेश बंटी गुप्ता, रंजीत ठाकुर, उमेश यादव, प्रवेंद्र सिंह चौहान, कैलाश ठाकुर, जय ठाकुर, रिंकू शर्मा, अनुज श्रीवास्तव, भारत पटेल, विक्रम सिंह, पूनम सोनकर, अजय रावत, आलोक मसीह, राजकुमार सोनी आदि उपस्थित रहे।

अंडर-20 वर्षीय जूनियर जिला कुश्ती टीम का चयन 08 अप्रैल को

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर / निर्धारित वजन श्रेणी वाली राज्य स्तर जूनियर कुश्ती फ्री एवं ग्रीको रोमन स्टाईल प्रतियोगिता (बालक-बालिका) भाग लेने वाली जबलपुर जिला कुश्ती टीम के गठन हेतु चयन प्रतियोगिता 8 अप्रैल को आयोजित है। यह चयन प्रतियोगिता शिक्षा विभाग के नोडल स्कूल एम.एल.बी. कन्या शाखा, राईट टाउन के कुश्ती प्रशिक्षण शिविर में अपरान्ह 4 बजे से संचालित होगी। म. प्र. एमो. की सूचना अनुसार प्रतिभागियों की उम्र की गणना करने उनका जन्म वर्ष 2005, 2006, 2007 निर्धारित है तथा 2008 के जन्म वर्ष वाले प्रतिभागी सहभागिता करना चाहते हैं तो उन्हें अपना मेडिकल सर्टिफिकेट व पालक का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों को अपने ओरिजनल आधार कार्ड के साथ शासन के अधिकृत विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र तथा स्वयं का पासपोर्ट एवं अपनी फोटो वजन के पूर्व प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इन प्रमाण पत्रों की फोटोकापी या मोबाईल में संरक्षित ज्ञानकारी मान्य नहीं की जावेगी। ज्ञातव्य होवे कि म.प्र. राज्य कुश्ती प्रतियोगिता 11 एवं 12 अप्रैल 2025 को छोटा नेहरू कुश्ती स्टेडियम, इंदौर में संचालित की जावेगी। जहां प्रतिभागियों का वजन 11 अप्रैल को प्रात: 9 बजे से लिया जाना सुनिश्चित है।

करोड़ों के घोटालेबाज परिवहन विभाग के सिपाही सौरभ शर्मा की जमानत शासन प्रशासन की नाकामी : कांग्रेस

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग)पूर्व प्रदेश प्रवक्ता टीकाराम कोष्टा ने कहा कि मोदी सरकार के अमृत काल में परिवहन विभाग का अदना शा सिपाही सौरभ शर्मा जिसके पास से 11 करोड रुपए नगद और 50 किलो किलो सोना करोड़ों की अघोषित संपत्ति सोना जप्त होने के बावजूद अदालत द्वारा जमानत दे देना शासन प्रशासन की नाकामी को दर्शाता है।

कोष्टा ने कहा कि सौरभ शर्मा को सत्ता सरकार द्वारा अघोषित रूप से सहयोग कर केस को कमजोर करना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना प्रजातंत्र के लिए घातक है कांग्रेस मांग करती है कि उपरोक्त भ्रष्ट सिपाही के काले कारनामों की लीपा पोती शासन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन सत्ता सरकार के दबाव में ना करें अन्यथा प्रदेश की जनता का विश्वास शासन प्रशासन से उठ जाएगा

नए दायित्वों के साथ राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की मध्य प्रदेश इकाई पुनर्गठित

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की विशेष बैठक आयोजित की गई बैठक के विषय में जानकारी देते हुए पत्रकार परिषद के प्रदेश प्रवक्ता उमेश शुक्ला ने बताया कि राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की मध्यप्रदेश इकाई का पुनर्गठन पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की विशेष मार्गदर्शन में किया गया।

जिसमें राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेयी,राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी,राष्ट्रीय सचिव देवशंकर अवस्थी, प्रदेश संयोजक गिरीश पांडेय, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनीश तिवारी व कार्यसमिति सदस्य हेमराज कन्नौजिया की सहमति किया गया। प्रदेश संयोजक गिरीश पांडे ने सर्वसम्मती से मध्य प्रदेश इकाई का पूरा गठन किया गया।

जिसमें वरिष्ठ पत्रकार राजेश दुबे को प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व दिया गया वही सतना रीवा संभाग के संभागीय अध्यक्ष केजी शर्मा बबला भाई को प्रदेश अनुशासन समिति का प्रमुख बनया गया साथ ही विलोक पाठक को दायित्व सोपा एवं प्रदेश महासचिव पद पर संदीप मिश्रा डिंडोरी, राजीव उपाध्याय जबलपुर को बनाया। इसके अनुरोध पटेरिया को पदाधिकारी बनाया गया। शुभचिंतकों ने पदाधिकारियों को बधाई दी है।

रंगों की टोंस को ओर बढ़ाने की जरूरत : बृजमोहन

जबलपुर, देशबन्धु। तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी के दूसरे दिन भी युवा कलाकारों ने भारी उत्साह के भाग लिया जिसमे अंतरराष्ट्रीय कलाकर श्री बृजमोहन आर्य जी ने अपनी कला का प्रदर्शन किया . तथा उन्होंने बताया कि जीवन में ऐसे कई प्रकाश मार्ग है जिसे हम देखते हुए भी अनदेखा करते है ।

हमें उनको बारीकी से देखने की जरूरत है और उन आकारों को अपने कैनवास पर उतारने की कोशिश करनी चाहिए। अभी से युवा कला रंगों को प्राइमरी टोन में ही छोड़ देते है। परन्तु मेरा कहना है कि रंगों की टोंस को ओर बढ़ाने की जरूरत है और चित्रों को नए आयाम तक ले जाना चाहिए और कई पेंटिंग के बारीकी युवा कलाकारों की बताई।

मां नर्मदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जबलपुर द्वारा कला प्रदर्शनी कलासंगम 2025 का आयोजन में आज सभी युवा कलाकरो ने सामूहिक पेंटिंग की आज शासकीय ललित कला महाविद्यालय की प्रचार्या राजलक्ष्मी त्रिपाठी जी उपस्तिथ होकर सभी कलाकारों बहुत बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की प्रचार्या का स्वागत संस्था के सदस्यों एवं अध्यक्ष श्री तरुण दुबे पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया कला प्रेमी एवं कलारसिक उपस्थित हुए और कला का रसपान किया

यह प्रदर्शनी प्रात: 11 से शाम 8 बजे तक तक चलेगी ! प्रदर्शनी के अंतर्गत कल 4 बजे श्री संतोष गौंड का डेमोंसट्रेशन होगा इस अवसर संस्था के रितेश सोमेश ॠतुराज शुभम सचिन अवशी अभिषेक दुबे प्रियांशी प्रतीक कोमल रश्मि अवनीत शिरिष्टि अश्विन एवं समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

जिला स्तिरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आज

जबलपुर, देशबन्धु। जिला स्तिरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक गुरूवार 3 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में होगी। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्य क्षता में आयोजित इस बैठक में राज्य शासन की कलस्टकर योजना, एमएसई-सीडीपी योजना अंतर्गत रिछाई में प्रस्ता वित बाउंड्रीवॉल एवं नाली निर्माण, रीजनल इंडस्ट्रीट कॉनक्लेव में प्राप्तत प्रस्तााावों, नवीन औद्योगिक क्षेत्र के भूमि चिन्हां कन एवं नवीन औद्योगिक कलस्ट र हेतु भूमि चिन्हां कन पर चर्चा की जायेगी।

हम फाउण्डेशन को कलेक्टर ने दी शुभकानाएं

जबलपुर,देशबन्धु। राष्ट्रीय सेवा व सांस्कृतिक संगठन हम फाउण्डेशन भारत के जबलपुर महानगर इकाई द्वारा हिन्दू नववर्ष नव संवत्सर के उपलक्ष्य में जिला कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना से सौजन्य भेंट कर शुभकामनाएं प्रदान की।

हिन्दू मान्यता एवं परम्पराओनुसार जिला कलेक्टर को शाल, श्रीफल, माला पगड़ी एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर हम फाउण्डेशन राष्ट्रीय सह संयोजक महिला सहभागिता मुनमुन भट्टाचार्य, प्रदेश संयोजक विधि प्रकोष्ठ डी पी राय, प्रान्त महासचिव विवेक शुक्ला, प्रान्त कार्यकारिणी के अयोध्या प्रसाद सतनामी, भागवत गौतम जिला अध्यक्ष कमल श्रीवास्तव, महामंत्री मानसिंह राजपूत आदि सदस्य पदाधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

तेवर में पुनर्वास के लिए भूखंड का आवंटन लॉटरी पद्धति से किया जायेगा

जबलपुर, देशबन्धु। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गोरखपुर ने कहा कि उच्च न्यायालय आदेश के परिपालन में मदन महल पहाड़ी से विस्थापित व्यक्तियों/परिवारों को तेवर में पुनर्वास किये जाने के लिए भूमि/प्लाट का लॉटरी पद्धति द्वारा किया जाना है। विस्थापित किये जाने वाले 28 व्यक्तियों/परिवारों को ग्राम तेवर स्थित भू-खण्डों पर समस्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनकी पूर्व तैयारी कर ली गई है तथा आगामी एक सप्ताह के उपरांत उन्हें आबंटित भू-खण्डों पर विस्थापित किया जावेगा तथा शेष 8 व्यक्तितयों/परिवारों को पूर्व में ही भू-खण्डों का आबंटन कर पट्टे जारी किए जा चुके है,उन्हे भी विस्थापित किया जाना है। उक्त कार्य 03 अप्रैल को थाना परिसर गढ़ा में किया जावेगा।

संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या एवं विशाल भण्डारा देर रात्रि तक चला

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के वंशज एवं जबलपुर संस्कारधानी के विभिन्न धार्मिक सामाजिक संस्थाओं और संगठनों से छात्र जीवन से जुड़कर अपनी समाज के प्रति समर्पित भाव का निर्वाह करते हुये कानून विधान क्षेत्र में अपनी ईमानदारी के साथ एडवोकेट नोटरी के पद पर रहकर अपनी सेवाभाव से अपनी सेवाएँ प्रदत्त करने वाले भूतपूर्व छात्र नेता वरिष्ठ समाजसेवी कांग्रेस नेता स्व. सतीश नामदेव, नोटरी एडवोकेट का 1 अप्रैल मंगलवार को 65वीं अवतार दिवस उनके परिजनों एवं समाजसेवियों ने प्रात: 8: 00 बजे मां नर्मदा ग्वारीघाट पहुँचकर उनके पुत्र योगेश नामदेव एडवोकेट शैलेष सतीश नामदेव समाजसेवी मनोज नामदेव, सुशील नामदेव, अनूप नामदेव, प्रमोद नामदेव, विष्णु विनोदिया, उमेश पटेल, प्रिंस सलूजा, राकेश चक्रवर्ती, श्रीमति मोना नामदेव, श्रीमति सुजाता नामदेव सहित ने मां नर्मदा जी की पूजा-अर्चना कर द्वीपदान कर गरीबों को अन्न दान, वस्त्र दान कर माँ नर्मदा का आशीवाद ग्रहण किया। इसी संकल्प में जिला कलेक्ट्रेट वार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट / नोटरी विवेक नायक एवं सचिव/ एडवोकेट यशवंत दुबे, एडवोकेट संतोष अय्यर, श्रीमति अनीता विश्वकर्मा एडवोकेट, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, अनुशंकर सोनकर एडवोकेट, नरेश कोष्टा सहित कलेक्ट्रेट वार के अधिवक्ताओं ने हनुमान जी की पूजा अर्चना कर स्व. सतीश नामदेव एडवोकेट नोटरी को 65वें जन्म दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर स्मरण किया।

इसी तारतम्य में स्व. सतीश नामदेव के राईट टाउन निवास पर संगीतमय भजन संध्या एवं सुन्दर काण्ड पाठ एवं विशाल भण्डारे का आयोजन देर रात्रि तक चला इस आयोजन में पूर्व विधायक विनय सक्सेना, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी बाबूशंकर सोनकर, झल्ले लाल जैन, डॉ. प्रशांत मिश्रा एडवोकेट, डॉ. राजेन्द्र पिल्ले सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संस्थाओं, संगठनों व समाजसेवियों, गणमान्यजनों ने आयोजन में उपस्थित होकर स्वर्गीय सतीश नामदेव जी को अपनी पुष्पांजलि अर्पित कर आयोजन में पुण्य लाभ अर्जित किया। इस आयोजन में नामदेव परिवार की श्रीमति मीरा बाई नामदेव, भोजराज नामदेव, डॉ. सुरेन्द्र नामदेव, पुरुषोत्तम नामदेव, श्रीमति निर्मला नामदेव, श्रीमति सुजाता नामदेव, श्रीमति आशा नामदेव, श्रीमति मोना नामदेव, श्रीमति रेखा नामदेव, सुशील नामदेव, मनोज नामदेव, प्रमोद नामदेव, अनूप नामदेव,, आकाश नामदेव, अभिषेक नामदेव, गौरव नामदेव सहित परिवारजनों ने भण्डारा वितरण किया।

स्वरचित रचनाओं का किया पाठ

जबलपुर, देशबन्धु। नववर्ष पर महिलाओं ने स्वरचित रचनाएं सुनाई। किसी ने चैत्र उत्सव में रूप में समारोह का बखान किया, तो किसी ने आदिशक्ति का रूप कविताओं में समाहित किया। जानकी नगर म्यूजिकल एवं कल्चरल ग्रुप के तत्वावधान में नववर्ष उत्सव मनाया गया। इस दौरान कई सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियां खास रहीं। कार्यक्रम में महिलाओं ने काव्य पाठ, कविताएं और हिन्दू नववर्ष पर कविताएं सुनाई। कार्यक्रम संयोजक ज्योति किरण और प्रिया मतेले रहीं। कार्यक्रम में अतिथि भूमिका रूपा श्रीवास्तव ने निभाई। उन्होंने महिलाओं को जीवन में सफलता और उद्देश्यपूर्ण बनाने की बात कही। नंबर गेम में फर्स्ट सर्जन राय, सेकेंड स्वाति केसरी, थर्ड कृति सुहाने रहीं। पंक्चुअलिटी गेम सूर्या ने जीता। इस मौके पर राखी त्रिवेदी, वंदना श्रीवास्तव, अर्चना, आरती, डॉ. सुनीता का सहयोग रहा।

कलर कम्पोजिशन की तकनीक से बनती लाजवाब पेंटिंग

रानी दुर्गावती कलावीथिका में राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी

जबलपुर, देशबन्धु। कलर कम्पोजिशन, बैकग्राउंड कलर्स, सधे हुए ब्रश और सही कैनवास का चयन ही कलाकार को बेहतरीन पेंटिंग बनाने में मददगार साबित होता है। सीनियर आर्टिस्ट ने एग्जीबिशन में शामिल कलाकारों को ऐसे ही टिप्स दिए। मां नर्मदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में राज्य स्तरीय चित्र, मूर्ति एवं पोस्टर कला प्रदर्शनी कलासंगम का आयोजन किया गया। आयोजन रानी दुर्गावती कला वीथिका में संचालित किया जा रहा है। एजीबिशन में प्रदेश भर के कलाकारों की कला कृतियां शामिल की गई हैं। कलासंगम में 100 कलाकृतियां मन मोह रहीं हैं। इस प्रदर्शनी में पुरस्कार हेतु तीन कलाकृतियों का चयन अगले स्तर के लिए किया जाएगा।

पेंटिंग डेमॉन्सट्रेशन

कार्यक्रम में बुधवार को सीनियर आर्टिस्ट बृजमोहन आर्य द्वारा पेंटिंग का डेमॉन्सट्रेशन दिया गया। उन्होंने कलाकारों को पेंटिंग से जुड़ी बारीकियों से अवगत करवाया। कलासंगम में गुरुवार को कलाकार संतोष गोंड की कला का प्रदर्शन होगा। आयोजन में संस्था के रितेश सिद्ध, दुर्गेश रजक, विकास बांगर, राजेश परमार, शुभम विश्वास, अश्विन बड़ोदिया, संदीप चंदेल का सहयोग रहा।

पेरेंट्स को पुस्तक और यूनिफॉर्म नि:शुल्क वितरण

जबलपुर, देशबन्धु। कलेक्टर द्वारा आयोजित पुस्तक मेला में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी के माध्यम से यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल अधारताल प्रबंधन द्वारा नवप्रवेशी छात्रों को निशुल्क पुस्तक एवं यूनिफॉर्म का वितरण किया गया, इस अवसर पर संस्था संचालक डॉ विजयकांत तिवारी द्वारा बताया गया कि संस्था द्वारा हमेशा सभी को शिक्षा सुगमतापूर्वक मिले इन प्रयासों में संस्था सदैव अग्रणी रहती है यही कारण है की वर्तमान सेशन में शासन नियमानुसार आर टी ई योजना

का लाभ संस्थान में लगभग 220 बच्चों को मिल रहा है इसी तारतम्य में इस वर्ष नवप्रवेशी छात्रों को निशुल्क पुस्तकों का वितरण किया गया। साथ ही पुराने बच्चों को सलाह दी गई है कि वे अपने अन्य सहपाठियों से पुस्तक लेकर अपने पेरेंट्स के आर्थिक बोझ को कम करने में सहयोग करें।

उक्त अवसर पर उपस्थित पेरेंट्स और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते ध्वनि से की।

जीवन का मुख्य लक्ष्य परमात्मा को प्राप्त करना : अनूप देवजी

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा स्थित पंचमठा मंदिर में लघु काशी, वृंदावन के दर्शन होते हैं। भागवत कथा में अनूपदेव जी महाराज ने प्रसंग के माध्यम से जड़ भरत के चरित्र का विस्तार से वर्णन किया। मानव जीवन का मुख्य लक्ष्य अविनाशी परमात्मा को प्राप्त करना है परंतु काम, क्रोध, मद, लोभ और मोह के अधीन होकर मनुष्य अपने परम लक्ष्य से भटक जाता है और अनेक बार जन्म लेता है और मृत्यु को प्राप्त करता है। भरत जी मोक्ष के अधिकारी होते हुए भी अपने जीवन के अंतिम

क्षणों में एक हिरण के मोह में फंस कर उसमें अपना चित्त लगा बैठे जिसके फलस्वरूप उन्होंने अपने अगले जन्म में हिरण की योनि को प्राप्त किया।

हिरण के रूप मे रहते हुए परमात्मा के प्रति स्मृतियां बने रहने के कारण उन्होंने अगले जन्म में फिर मनुष्य का शरीर प्राप्त किया और जड़ भरत के नाम से प्रसिद्ध हुए और उसी जन्म में उन्होंने श्री हरि के श्री चरणों में ध्यान लगा कर मोक्ष प्राप्त किया।

पंचतत्वों से उद्भूत समस्त जगत के कष्ट का निवारण होता है - सुबुद्धानंद जी

जबलपुर। बासन्तेय नवरात्रि के पावन पर्व पर बगलामुखी सिद्ध पीठश्री शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी के संयोजन भगवती बगलामुखी मैया की दिव्य पंचपर्वा महाआरती आयोजित हुई जिसमें पर्व महाआरती की महिमा को पूज्य सुबुद्धानंद जी महाराज ने बताया कि महाआरती सभी

बाधाओं का निवारण करती है,धन धान्य,पुत्र, पौत्रों से समृद्ध यश आरोग्यता को प्रदान करती है। इस अवसर पर उपस्थित आचार्य राजेंद्र शास्त्री सुरेश अवस्थी श्री नर्मदा शर्माश्रीमती नीता पटेल पंकज दुबे मनोज सेन आदि उपस्थित थे।

दैनिक राशिफल

गुरुवार 03 अप्रैल 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी, नक्षत्र-रोहणी।

मेष
आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी।

वृषभ
सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

मिथुन
आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

कर्क
व्यवसाय स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा।

सिंह
प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है। दोपहर के बाद परिवार में आनंद और उल्लास का वातावरण रहेगा।

कन्या
आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहानि होने की आशंका है।

तुला
नए काम की शुरुआत करने के लिए, दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी।

वृश्चिक
निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें। पारिवारिक वातावरण में क्लेश रहेगा।

धनु
आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी है। आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक रूप से आपको फायदा होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित बने रहेंगे।

मकर
कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

कुंभ
आज के दिन की शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है।

मीन
आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

म.

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत अग्निपथ योजना की मिली जानकारी

सशस्त्र बलों में सेवा करने का सुनहरा अवसर

जबलपुर, देशबन्धु। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत आज विद्यार्थियों को 'अग्निपथ योजना' के अंतर्गत अग्निवीर सेना भर्ती की जानकारी प्रदान की गई। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना ने बताया कि अग्निपथ योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसका उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों में युवाओं की प्रतिभागिता बढ़ाना है। योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को आधुनिक बनाना एवं युवाओं को सेना में शामिल होने का अवसर प्रदान करना है। इस योजना के तहत देशसेवा के लिए अभिप्रेरित युवाओं को चार वर्ष की अवधि के लिए सशस्त्र बलों में अपनी सेवाएं देने का अवसर दिया जायेगा। कार्यक्रम में अग्निवीर

भर्ती अधिसूचना, पदों की जानकारी, अग्निवीर सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया की विस्तुत जानकारी, आवेदन शुल्क, शारीरिक योग्यता, लिखित परीक्षा, शारीरिक परीक्षण, मेडिकल परीक्षण की जानकारी प्रदान की गई। प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि इच्छुक योग्य विद्यार्थी अग्निवीर सेना भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन करें इसकी अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2025 है। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने भी विद्यार्थियों को अग्निवीर सेना भर्ती हेतु आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित किया।

कालीधाम गौरीघाट में 551 अखंड ज्योति कलश के दर्शन पंचमी से

जबलपुर, देशबन्धु। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम गौरीघाट के संस्थापक एवं संचालक पंचखंड द्वादश पीठाधीशवर दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद जी महाराज एवं महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैतन्य जी महाराज द्वारा कालीधाम शिष्य परिवार की ओर से 551 अखंड मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना कालीधाम में की गई है इस शुभ अवसर आचार्य पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूज्य गुरुदेव जी महाराज द्वारा माँ भगवती का अभिषेक प्रतिदिन किया जा रहा है अनिल उसरेटे ने जानकारी देते हुए बताया है कि अखंड ज्योति कलश के दर्शन पंचमी तिथि से प्रारंभ होंगें कालीधाम परिवार ने सभी श्रद्धालुओ से दर्शन लाभ की अपील की है।

जेनेटिक विकारों में जन्म लेता ऑटिज्म

जबलपुर, देशबन्धु। विकलांग सेवा भारती चेतना संस्था में विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सचिन प्रजापति ने कहा कि ऑटिज्म एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसके लक्षण बचपन में ही नजर आते हैं। ऐसे बच्चों को किसी काम को सीखने, किसी से संचार करने और काम करने की क्षमता कम होने जैसे लक्षण दिखते हैं। उन्होंने कहा कि ऑटिज्म होने का कोई एक कारण नहीं है, बल्कि यह जेनेटिक कारणों से होती है। ऑटिज्म

स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर कॉम्प्लेक्स न्यूरोडवलपेमेंटल स्थिति है, जिससे पीड़ित बच्चों का व्यवहार आम बच्चों अलग होता है। ऐसे बच्चों को सामाजिक मूलधारा से जोड़ने के प्रयास किए जाने चाहिए। इस मौके पर राकेश शर्मा, पुष्पा ठाकुर, सुचिता द्विवेदी, गुलनाज बी, मनीषा रजक मौजूद रहीं।

विधायक लखन घनघोरिया ने ऊर्जा मंत्री को पत्र भेजा

जबलपुर,देशबन्धु। प्रदेश की बिजली प्रदेश के ही जनता को महंगी और वहीं बिजली प्रदेश के बाहर सस्ती, इससे प्रदेश की जनता के साथ अन्याय हो रहा है। अत: प्रदेश में बढ़े हुए बिजली के रेट वापिस लेकर प्रदेश के बाहर तथा अंदर के रेट समकक्ष करें, इससे प्रदेश की जनता को राहत मिलेगी। यह पत्र विधायक घनघोरिया ने प्रदेश के उर्जा मंत्री को भेजा है। विधायक घनघोरिया ने पत्र में बताया कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 108 के तहत राज्य सरकार को जनहित के मद्देनजर हस्तक्षेप करने का अधिकार प्रदान है।

अम्बेडकर जयंती मनाएंगे

जबलपुर। बोधिसत्व डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति जबलपुर के द्वारा डॉ.बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर चौक हाईकोट पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 14 अप्रैल को बोधिसत्व डॉ. भीमराव आम्बेडकर जी की 134 वीं जयंती मनाई जायेगी। इसकी तैयारी की जा रही है। समिति के सदस्यों ने उक्त जानकारी दी।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्‌मति दे भगवान

श्री सुरेंद्र श्रीवास्तव- कालीमठ आमनपुर निवासी श्री सुरेंद्र श्रीवास्तव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब सिंह राजपूत- शक्ति नगर भोले कुटि के पीछे निवासी श्री गुलाब सिंह राजपूत (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शकुंतला देवी यादव- घाना खमरिया निवासी श्री ओम प्रकाश यादव की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला देवी यादव (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई सोनकर- भरतीपुर चर्च के पीछे निवासी श्री मुन्ना लाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई सोनकर (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आनंदी बाई गौतम- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री प्यारे लाल गौतम की धर्मपत्नी श्रीमती आनंदी बाई गौतम (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुरलीधर चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री मुरलीधर चौधरी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विनय चौरसिया- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री लखन लाल चौरसिया के पुत्र श्री विनय चौरसिया (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अर्जुन राव कदम- भानतलैया पुलिस क्वाटर्स के पास निवासी श्री अर्जुन राव कदम (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. मणी चौधरी- गली नं. 3, बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ पोलीपाथर निवासी श्री राजाराम चौधरी की पुत्री कु. मणी चौधरी (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीना समुंद्रे- छोटी ओमती पुत्री शाला के पास निवासी श्री राजेश समुंद्रे की धर्मपत्नी श्रीमती मीना समुंद्रे (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पुष्पा देवी बेन- इंद्रा नगर व्हीकल निवासी श्री रमेश कुमार बेन की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा देवी बेन (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वनमाली दुबे- सुभाष नगर अधारताल निवासी श्री वनमाली दुबे (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

भगवान को लेकर विवादित टिप्पणी, स्कूल संचालक हुआ फरार, पुलिस की छापेमारी

जबलपुर,देशबन्धु। जॉय स्कूल संचालक भगवान राम को लेकर विवादित स्टेटस लगाने के बाद फरार हो गया है पुलिस की टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है मंगलवार को उसके घर से लेकर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई।

दरअसल जॉय स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन ने मंगलवार को कथित तौर पर सोशल मीडिया अकाउंट का स्टेटस बदला था। जिसमें लिखी गई टिप्पणी को लेकर हिन्दूवादी संगठन के कार्यकर्ता विरोध पर उतर आए थे विजयनगर क्षेत्र स्थित स्कूल परिसर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए पथराव कर दिया था। इससे खिड़कियों के शीशे टूट गए थे। वहीं, पोस्टर व बोर्ड में गंदगी फेंककर विरोध जताया था। इस मामले को लेकर विश्व हिन्दू परिषद दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका नेहा प्यासी ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए विजयनगर थाने में तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने मेबन के खिलाफ अपराध दर्ज कर ली गई है। एफआईआर दर्ज होते ही संचालक मोबाइल स्विच ऑफ कर गायब हो गया है। पुलिस टीमें लगातार उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

घर और ऑफिस में छापा

एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि धार्मिक भावनाओं को भड़काने के मामले में विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका नेहा प्यासी की रिपोर्ट पर स्कूल संचालक अखिलेश मेबन के खिलाफ खिलाफ बीएनएस की धारा 299 व 352-2 का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीमें ने घर और आफिस में दबिश दी थी, लेकिन आरोपी मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गया है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी हो जाएगी।

क्या था विवादित पोस्टर वीडियो

उल्लेखनीय है कि विजय नगर स्थित ज्वॉय स्कूल संचालक अखिलेश मेबन ने सोशल मीडिया स्टेटस पर थाने में हुए हंगामे का वीडियो डाला था। इस वीडियो के साथ उन्होंने स्टेटस पर हिन्दू समाज को लेकर अमर्यादित शब्दों का उपयोग किया था। यह आपत्तिजनक कमेंट वायरल होते ही लोगों में असंतोष फैल गया।

स्कूल में तोड़फोड़ करने वालों पर एफआईआर

स्कूल में तोड़फोड़ करने वालों पर भी एफआईआर दर्ज कर ली गई जिसमें राहुल वाखले, विवेक वासुदेव, राहुल बर्मन, रोहित ठाकुर अन्य शामिल हैं।

शराब के लिये रुपये न देने पर घोंपा चाकू

जबलपुर,देशबन्धु। बरगी मिश्रा डेयरी के सामने अपने साथियों के साथ खड़े सतीश यादव नामक युवक से अफसर उर्फ समीर खान ने शराब पीने के लिए रुपयों की मांग की। सतीश के रुपये देने से मना करने पर समीर के साथियों ने सतीश की जांघ में चाकू घोंप दिया और मौके से फरार हो गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि फारेस्ट ऑफिस बरगी के सामने रहने वाला 30 वर्षीय सतीश यादव मोटर वायडिंग का काम करता है। शाम लगभग 4-30 बजे वह रूपेश साहू के साथ मिश्रा डेयरी के सामने रोड पर खड़ा था। उसी समय बरगी में नवीन विश्वकर्मा के घर आने जाने वाले जबलपुर निवासी अफसर उर्फ समीर खान अपने 2 साथी आदिल एवं सोनू खान के साथ स्कूटी से पहुंचा और शराब पीने के लिये एक हजार रुपये की मांग करने लगा। सतीश ने रुपये देने से मना किया तो तीनों ने गाली गलौज शुरू कर दी। सतीश के विरोध करने पर सोनू खान ने उसका हाथ पकड़ लिया एवं आदिल ने चाकू से हमला कर उसके बायें पैर की जांघ में चोट पहुंचा दी तथा तीनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पिस्टल लेकर घूम रहा बदमाश पकड़ाया

जबलपुर,देशबन्धु। संजीवनी नगर पुलिस ने लेंड मार्क प्लाटिंग के आगे से एक बदमाश को देशी पिस्टल लेकर घूमते समय दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के पास से पिस्टल मय कारतूस के जब्त करते हुए उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति रजिस्ट्री ऑफिस के सामने स्थित रोड में संदिग्ध हालत में घूम रहा है। जिस पर तत्काल ही मौके पर दबिश दी गई। जहां लेंड मार्क प्लानिंग के आगे से पाटन नोनी पंचायत ग्राम खमदेही निवासी 20 वर्षीय देवेन्द्र बर्मन को हिरासत में लिया गया। जिसके पास से पुलिस ने पिस्टल मय कारतूस के जब्त की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए पिस्टल के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

दरवाजा तोड़कर कीमती सामग्री चुरा ले गये चोर

बेलबाग छुई मोहल्ले में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। बेलबाग थानातंर्गत छुई मोहल्ले के एक घर का दरवाजा तोड़कर अज्ञात चोर एलसीडी सहित अन्य कीमती सामग्री चुरा ले गये। जिस वक्त वारदात हुई उस वक्त महिला अपनी छोटी बेटी के साथ बड़ी बेटी की ससुराल गई हुई थी। पड़ोसियों से मिली सूचना पर पहुंची पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी है।

पुलिस ने बताया कि छुई मोहल्ला निवासी 55 वर्षीय सरला कश्यप 12 मार्च की शाम अपनी छोटी बेटी राखी केवट के साथ बड़ी बेटी रीना के घर रद्दी चौकी कुछ दिनों के लिये रहने गई थी। 19 मार्च को उनके पड़ोसी शम्भू जाट ने फोन पर सूचना दी कि आपके घर का दरवाजा टूटा हुआ है। जिस पर उन्होंने आकर देखा तो दरवाजा टूटा हुआ, अंदर जाकर देखा तो गृहस्थी का सामान 1 एलजी कम्पनी की एलसीडी, 2 साउण्ड बाक्स एवं प्लेयर, गैस चूल्हा, गैस सिलेण्डर भारत कम्पनी का, सिलाई मशीन, एक मिक्सी, घरेलू बर्तन कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

शराब के लिये रुपये न देने पर जीजा ने साले पर किया हमला

जबलपुर,देशबन्धु। हनुमानताल थाना क्षेत्रांतर्गत मुच्छड़ होटल के पास बीती रात घर जा रहे 28 वर्षीय अकील अंसारी से उसके जीजा कलीम बोस ने शराब पीने के लिए रुपयों की मांग की। अकील के रुपये देने से मना करने पर कलीम ने चाकू चमकाना शुरु कर दिया। जिससे अकील की आंख के पास चोट आ गई। इसके बाद कलीम ने अकील को उठाकर जमीन पर पटक दिया और मारपीट की, जिससे उसे चोट आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

अवैध शराब के कारोबार में लिप्त आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। कटंगी पुलिस ने ग्राम करारी में दबिश देकर अवैध शराब के कारोबार से जुड़े एक आरोपी को दबोचा है। जिसके पास से पुलिस ने 189 पाव देशी शराब कीमती 18 हजार रुपये की बरामद की है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम करारी में दबिश दी गई। जहां 25 वर्षीय सचिन चौबे अवैध शराब बेचते हुए मिला। पुलिस ने आरोपी के पास से उक्त शराब जप्त करते हुए उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

भाजपा विधायक को हाईकोर्ट से राहत

निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट से भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा के निर्वाचित भाजपा विधायक को राहत मिली है। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने विधायक भगवानदास सबनानी के खिलाफ दायर चुनाव याचिका खारिज कर दी है।

यह चुनाव याचिका कांग्रेस के पूर्व मंत्री एवं प्रत्याशी पीसी शर्मा ने दायर की थी। जिसमें आरोप था कि भाजपा विधायक सबनानी ने चुनाव में प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग किया है। आरोप लगाया गया कि ईवीएम मशीन में गड़बड़ी की गई है। सुनवाई के दौरान यह बात साबित नहीं हुई कि सबनानी ने किस अधिकारी के साथ मिलकर ईवीएम में छेड़छाड़ की है। याचिकाकर्ता इस आरोप के संबंध में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाये। जिसके बाद न्यायालय ने दायर चुनाव याचिका खारिज कर दी। विधायक सबनानी की ओर से अधिवक्ता ज्ञानेन्द्र सिंह बघेल ने पैरवी की।

एक की बजाये वसूली गयी 125 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी

हाईकोर्ट ने लगाई 50 हजार की कॉस्ट

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने एक प्रतिशत के स्थान पर 125 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी लगाने जाने के आदेश को मनमाना पूर्ण करार देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने आदेश को निरस्त करते हुए सरकार पर 50 हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है। एकलपीठ ने अपने आदेश में सरकार को उक्त राशि जिला रजिस्ट्रार स्टाम्प कलेक्टर से वसूलने के निर्देश दिये है।

कटनी निवासी पवन कुमार मित्तल सहित अन्य की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि पीएलएम बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कटनी के ऊपर जिला रजिस्ट्रार स्टाम्प कलेक्टर कटनी ने मनमानी स्टाम्प ड्यूटी अधिरोपित करने की गलती की गई है। नियम विरुद्ध तरीके से कॉलोनी के विकास शुल्क के अंतर्गत 125 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी बंधकनामा पर लगाई गई है। नियमानुसार एक प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी देय थी। याचिका में राहत चाही गयी थी कि जिला रजिस्ट्रार स्टाम्प कलेक्टर कटनी द्वारा जारी मांग पत्र व राजस्व मंडल ग्वालियर द्वारा पारित आदेशों को निरस्त किया जाये।

याचिकाकर्ता की तरफ से दलील दी गयी कि मध्य प्रदेश नगर पालिका (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रेशन, निर्बंधन तथा शर्तें) नियम 1998 का प्रकाशन मध्य प्रदेश राजपत्र में किया गया था। इसके बाद इन नियमों को लागू किया गया था। जिसमें मध्य प्रदेश में कॉलोनाइजर के रजिस्ट्रेशन, निबंधन और शर्तों से जुड़े नियमों थे। यह नियम सभी नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत की सीमाओं में लागू होते हैं।

इन नियमों के तहत कालोनाईजर से जुड़ी कुछ शर्तें के अनुसार कालोनी की स्थापना और विकास के लिये कॉलोनाइजर को सक्षम प्राधिकारी को प्रस्ताव देना होता है। कालोनी के आंतरिक विकास कार्यों को पूरा करने की अवधि अधिकतम तीन वर्ष होती है। कालोनाइजर को आंतरिक विकास कार्य पूर्ण करने के लिए बंधक रखे गए पच्चीस प्रतिशत भूखंडों को बेचकर पैसे इकत्र करने की अनुमति है। कॉलोनाइजर द्वारा कालोनी का विकास कार्य पूर्ण होने की सूचना सक्षम प्राधिकारी को सूचित करना आवश्यक है। याचिका में कहा गया था कि बंधक सम्पत्ति पर एक प्रतिशत स्टाम्प शुल्क निर्धारित है,जबकि उनसे 125 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा है। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद उक्त आदेश को निरस्त कर दिया।

वर्कशाप न करने पर अयोग्य घोषित किये जाने को चुनौती

डीएमई सहित अन्य से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट में एक डॉक्टर ने उस नियम को चुनौती दी है जिसके तहत केवल वर्कशॉप नहीं करने पर प्रोफेसर के पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की चयन समिति को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

यह मामला सतना निवासी डॉ. आशीष सिंह की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि उन्होंने महाराणा प्रताप कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री ग्वालियर में प्रोफेसर (डेंटल) के लिए आवेदन किया था। याचिकाकर्ता ने 2006 से 2024 तक अलग-अलग जगहों पर असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद पर कार्य किया है। उक्त पद के विज्ञापन में बीसीएमई और बीसीबीआर कोर्स अनिवार्य किया गया है। याचिकाकर्ता ने बीसीबीआर कोर्स किया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि बीसीएमई एक वर्कशॉप है, जिसमें उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण का प्रमाण पत्र नहीं दिया जाता है। केवल वर्कशॉप का प्रमाण पत्र नहीं होने पर आवेदक को चयन प्रक्रिया से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

इंश्योरेंस कंपनी को हाईकोर्ट से झटका, अब अदा करने होंगे 11.60 लाख

दुर्घटना मृत्यु दावा कर्ताओं के हक में सुनाया राहतकारी फैसला

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट से यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को झटका लगा है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने इंश्योरेंस कंपनी की वह अपील निरस्त कर दी, जिसके जरिए मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा निर्धारित क्षतिपूर्ति राशि कम करने की मांग की गई थी। एकलपीठ ने बीमा कंपनी की मांग को अनुचित पाते हुए दुर्घटना मृत्यु दावा कर्ताओं के हक में राहतकारी आदेश दिया। जिसमें कहा गया है कि जो क्षतिपूर्ति राशि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने तय की थी, उससे सात लाख अधिक भुगतान किये जाये। यह राशि अविलंब मृतिका के पिता के खाते में जमा की जाये।

दरअसल ग्राम घुघरी जिला मंडला निवासी छोटेलाल टेकाम द्वारा मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण मंडला में अपनी पुत्री रीता टेकाम की एक्सीडेंट में हुई मृत्यु के लिए मुआवजे की मांग का दावा किया गया था। रीता अतिथि शिक्षक थी, उसकी ट्रक एक्सीडेंट में मृत्यु हो गई थी। दावाकर्ता छोटे राम टेकाम के अधिवक्ता परितोष त्रिवेदी ने दलील दी कि दावाकर्ता यदि मुआवजा बढ़ाने हेतु हाईकोर्ट में अपील प्रस्तुत नहीं कर सका है, तब भी सुप्रीम कोर्ट के न्याय दृष्टांत के परिपेक्ष में हाईकोर्ट मुआवजा राशि बढ़ा सकता है। कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर अपने आदेश में कहा कि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण का पूर्व आदेश संशोधित किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक 22 वर्षीय युवती जो अतिथि शिक्षक थी, उसकी उसकी एक्सीडेंट में मृत्यु पर अत्यंत कम मुआवजा प्रदान किया गया है, जो अनुचित है। उन्होंने बताया कि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने तीन लाख 78 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि तय की थी। बीमा कंपनी वह अदा करने के स्थान पर राशि कम करने की अनुचित मांग के साथ हाईकोर्ट चली आई है। इसलिए न केवल उसकी अपील निरस्त करने योग्य है बल्कि क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि भी अपेक्षित है। ऐसा इसलिए क्योंकि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने अपेक्षाकृत कम क्षतिपूर्ति राशि नियत की थी। हाईकोर्ट ने उक्त मांग स्वीकार करते हुए 11 लाख 60 हजार 840 भुगतान करने का आदेश सुनाया।

जजेस का हाल तो देखो.... टिप्पणी करने वाले अधिवक्ता पर अपराधिक अवमानना की सुनवाई प्रारंभ

जबलपुर,देशबन्धु। क्रिमिनल रिवीजन अपील की सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में एकलपीठ से कहा था कि इस कोर्ट में चार घंटो से तमाषा चल रहा है,मैं बैठे देख रहा हुं। जस्टिस अनुराधा शुक्ला की एकलपीठ ने अपीलकर्ता के बयान को न्यायालय के खिलाफ अपमानजनक और अवमाननापूर्ण टिप्पणी मानते हुए आदेश की प्रमाणित प्रति हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को भेजने के आदेश जारी किये है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेष कुमार कैथ तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने संज्ञान आपराधिक अवमानना की सुनवाई की।

गौरतलब है कि छिंदवाड़ा निवासी राजहंस बगाडे तथा विजय की तरफ से क्रिमिनल रिवीजन अपील दायर की गयी थी। अपील की सुनवाई के दौरान विगत 22 मार्च को उनके अधिवक्ता पी सी पालीवाल ने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि इस कोर्ट में चार घंटो से तमाषा चल रहा है,मैं बैठे देख रहा हुं। हाईकोर्ट जज दूसरी जगह जाकर कहते है कि नये जज का अपॉइंटमेंट करों लेकिन जजेस का हाल तो देखो,जो दिल्ली में यह भी देखा जाये। यहां पेडेंसी बढ रही है और हमें हैरेस किया जा किया जा रहा है। मैं आज शाम को जाकर मोहन यादव को बोलता हूँ। यह केस 20 बार लग चुका है,बडी मुष्कील से आज नंबर आया। मैं अपने केस की बहस यहां नहीं करना चाहता मेरे केस दूसरे बैंच में भेज दीजिए.........अधिवक्ता की टिप्पणी को आदेश में लेते हुए एकलपीठ ने अधिवक्ता के बयान को न्यायालय के खिलाफ अपमानजनक और अवमाननापूर्ण टिप्पणी मानते हुए आदेश की प्रमाणित प्रति हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को भेजने के आदेश जारी किये थे। एकलपीठ ने अपने आदेश में चीफ जस्टिस से आदेश का अवलोकन कर कार्यवाही का आग्रह किया था।

चीफ जस्टिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए अधिवक्ता के खिलाफ न्यायालय की आपराधिक अवमानना की सुनवाई के आदेश जारी किये थे। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेष कुमार कैथ तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने अपराधिक अवमानना की सुनवाई की गयी। इस दौरान अनावेदक अधिवक्ता ने उपस्थित होकर जिस न्यायालय में कथित अवमानना हुई उनके समक्ष बिना शर्त माफीनामा पेष करने के लिए समय प्रदान करने का आग्रह किया गया। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद दो सप्ताह का समय प्रदान किया है।

सरकार पर पचास हजार का जुर्माना

सरकार को यह राशि जिला रजिस्ट्रार, स्टाम्प कलेक्टर से वसूलने के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने एक प्रतिशत के स्थान पर 125 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी लगाने के आदेश को मनमाना पाते हुए निरस्त कर दिया है। यही नहीं इस गलती के लिए सरकार पर पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। एकलपीठ ने सरकार को उक्त राशि जिला रजिस्ट्रार स्टाम्प कलेक्टर से वसूलने के निर्देश दिये है। राशि 30 दिन के भीतर सरकारी खजाने से निकाले बिना याचिकाकर्ता के हक में भुगतान करनी होगी। दरअसल याचिकाकर्ता कटनी निवासी पवन कुमार मित्तल सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता विजय राघव सिंह ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि पीएलएम बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कटनी के ऊपर मनमानी स्टाम्प ड्यूटी अधिरोपित करने की गलती की गई है। जिला रजिस्ट्रार स्टाम्प कलेक्टर कटनी ने नियम विरुद्ध तरीके से कालोनी के विकास शुल्क अंतर्गत 125 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी बंधकनामा पर लगाई गई है। जबकि नियमानुसार एक प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी देय थी। जिस पर जिला रजिस्ट्रार स्टाम्प कलेक्टर कटनी द्वारा जारी मांग पत्र व राजस्व मंडल ग्वालियर द्वारा पारित आदेशों को निरस्त किया जाये।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मध्य प्रदेश में कॉलोनाइजर के रजिस्ट्रेशन, निबंधन और शर्तों से जुड़े नियमों को मध्य प्रदेश नगर पालिका (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रेशन, निर्बंधन तथा शर्तें) नियम 1998 में बताया गया है। इन नियमों को मध्य प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद लागू किया गया था। ये नियम सभी नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत की सीमाओं में लागू होते हैं। इन नियमों के तहत कालोनाईजर से जुड़ी कुछ शर्तें इस प्रकार हैं, कालोनी की स्थापना और विकास के लिये कॉलोनाइजर को सक्षम प्राधिकारी को प्रस्ताव देना होता है। कालोनी के आंतरिक विकास कार्यों को पूरा करने की अवधि अधिकतम तीन वर्ष होती है। कॉलोनाइजर को आंतरिक विकास कार्य पूर्ण करने के लिए बंधक रखे गए पच्चीस प्रतिशत भूखंडों को बेचकर पैसे इकट्ठा करने की अनुमति है। कालोनाइजर द्वारा कालोनी का विकास कार्य पूरा होने के बाद, विकास कार्य पूर्ण होने की सूचना सक्षम प्राधिकारी को देनी होती है। पूरे मामले का अवलोकन करने व आवेदक की ओर से दिये गये तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

84 करोड़ की राशि मिलने के बाद भी अब तक क्यों नहीं खरीदे जा सके उपकरण

जबलपुर के कैंसर अस्पताल का मामला, मप्र लोक स्वास्थ्य सेवा निगम के एमडी तलब

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर के मेडिकल कॉलेज के कैंसर इंस्टीट्यूट में व्याप्त बदहालियों को चुनौती देने वाले मामले को गंभीरता से लिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने 84 करोड़ रुपये की राशि मिलने के नौ साल बीत जाने के बाद भी उपकरण खरीदी न होने पर हैरानी जताई है। युगलपीठ ने मामले में मप्र लोक स्वास्थ्य सेवा निगम के एमडी को पक्षकार बनाते हुए उन्हें अगली सुनवाई पर हाजिर होकर यह बताने के निर्देश दिये है कि आखिर उपकरण खरीदने की बोली रद्द होने के क्या कारण है। युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को निर्धारित की है।

उल्लेखनीय है कि यह जनहित का मामला एडवोकेट विकास महावर की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि जबलपुर मेडिकल कॉलेज के कैंसर इंस्टीट्यूट में काफी अनियमितता हैं। वहां पर संसाधन न होने के कारण कैंसर पीड़ितों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

इतना नहीं जबलपुर कैंसर अस्पताल के लिये उपकरण खरीदी के लिये 84 करोड़ रुपये की राशि भी वर्ष 2016 में मिल गई, लेकिन अब तक उपकरणों की खरीदी नहीं हो सकी है। जिस पर शासन की ओर से कहा गया था कि उपकरण खरीदी के लिये दो से तीन मर्तबा निविदा आमंत्रित की गई, लेकिन तकनीकी कारणों से वह रद्द हो गई। वहीं अनावेदकों की ओर से कहा गया कि अस्पताल भवन मार्च 2023 में सौंप दिया गया था, उसी दौरान उपकरणों की आपूर्ति होनी थी, अन्य शहरों के सरकारी अस्पताल में उक्त उपकरण उपलब्ध है, लेकिन जबलपुर के लिए उक्त उपकरण अब तक नहीं खरीदे जा सके है।

सुनवाई दौरान न्यायालय को बताया गया कि उपकरण खरीदी मप्र लोक सेवा स्वास्थ्य निगम के द्वारा की जानी है। जिस पर युगलपीठ ने उसके एमडी को पक्षकार बनाते हुए उन्हें 17 अप्रैल को हाजिर होकर निविदा निरस्त होने के कारणों की जानकारी पेश करने कहा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रोहित सौंगरहा ने पक्ष रखा।

कलेक्टर भोपाल व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर पेश करें जानकारी

जबलपुर,देशबन्धु। सीज प्रॉपर्टी की नीलामी के संबंध में आदेश के बावजूद भी कलेक्टर भोपाल की तरफ से कोई जानकारी पेष की नहीं गयी। जिसे गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट जस्टिस ए के सिंह की एकलपीठ ने कलेक्टर भोपाल को जानकारी प्रस्तुत करने व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। याचिका पर अगली सुनवाई 28 अप्रैल को निर्धारित की गयी है। भोपाल निवासी अधिवक्ता अरविंद वर्मा की तरफ से दायर अवमानना याचिका में कहा गया था कि रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण मध्य प्रदेश ने बिल्डर के खिलाफ कलेक्टर भोपाल के माध्यम से लगभग 20 लाख रूपये प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत ब्याज के साथ आरसीसी साल 2020 में जारी की गयी थी। कलेक्टर द्वारा जारी आरआरसी का निष्पादन नहीं किये जाने के खिलाफ उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए 60 दिनों में आरआरसी के निष्पादन के आदेष कलेक्टर भोपाल को जारी किये थे।

निर्धारित समय अवधि गुजर जाने के बावजूद भी कलेक्टर भोपाल ने जारी आरआरसी का निष्पादन नहीं करवाया। जिसके कारण हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट ने आरआरसी के निष्पादन के लिए तीस दिनों का समय प्रदान करते हुए अपने आदेश में कहा था कि याचिकाकर्ता को दूसरी अवमानना याचिका दायर नहीं करना पडे। ऐसा होता है तो प्रथम व दूसरी अवमानना याचिका की लागत जिला कलेक्टर भोपाल से वसूली जायेगी। हाईकोर्ट की स्पष्ट चेतावनी के बावजूद भी कलेक्टर भोपाल ने आदेश का पालन नहीं किया। जिसके कारण दूसरी बार अवमानना याचिका दायर की गयी है। एकलपीठ ने सुनवाई करते हुए कलेक्टर भोपाल को तलब किया था। याचिका की सुनवाई दौरान कलेक्टर भोपाल की तरफ से व्यक्तिगत उपस्थित माफी के लिए आवेदन दायर किया गया था। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा था कि आदेश का पालन नहीं होने पर भोपाल कलेक्टर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। पिछली सुनवाई के दौरान कलेक्टर की तरफ से बिल्डर के खिलाफ कार्यवाही करते हुए उसकी प्रॉपर्टी को सीज कर नीलाम किया जा रहा है। नीलामी की रकम से याचिकाकर्ता को भुगतान किया जायेगा।

न्यायालय पंजीयक लोकन्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, आधारताल जिला जबलपुर

राजस्व प्रकरण क्रमांक/ /बी-113/2024-2025

।।इश्तहार।।

म.प्र. लोकन्यास अधिनियम 1951

चूँकि आवेदक न्यास श्री जानकी रमण न्यास (पंजीयन क्रमांक 258) द्वारा अध्यक्ष श्री शरदचंद पालन निवासी दत्त प्लाजा नेपियर टाउन जिला जबलपुर के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत म.प्र. लोक न्यास अधिअिम 1951 की के तहत वास्ते खसरा नंबर 220 / 2 रकबा 1. 8280 हे. के कालम नंबर 3 मे दर्ज श्री जानकीरमण न्यास जबलपुर के साथ साथ श्री जानकी रमण विधा संस्थान जबलपुर (शैक्षणिक संस्थान) दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

अतः एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर संधारित प्रकरण मेरे न्यायालय में दिनांक 10/04/2025 को विचार के लिए नियत है। कोई भी व्यक्ति / संस्था उक्त न्यास या सम्पति में हित रखता हो और उक्त नियुक्ति के बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन / दावा / आपति प्रस्तुत कर सकता है, अथवा उक्त नियत दिनांक को न्यायालय में मेरे समक्ष स्वयं या अपने अभिभाषक या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्तियों / दावों / सुझावों पर कोई विचार के लिए ग्राहय नहीं किया जावेगा।

पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग आधारताल जबलपुर

RO - 003

नल-जल योजना भी देवरी वासियों को रोज नहीं दिला पा रही पानी

बरेला, देशबन्धु। शासन द्वारा जल जीवन मिशन के तहत लाखों रुपए खर्च करके गांव-गांव लाइन बिछाई गई हैं तथा लोगों को प्रतिदिन पानी मिलने का दावा किया जाता है किंतु हकीकत इसकी विपरीत है आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में जहां लोगों को पानी के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है तो वहीं लाखों की नल जल योजना से उन्हें बामुश्किल तीन दिन में एक दिन ही पानी मिल रहा है। पानी के लिए उन्हें रोज सुबह से कहीं हैंड पंप तो कहीं कुएं के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

उनका दिन का आधा समय के पानी की व्यवस्था में ही व्यतीत हो रहा है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण जबलपुर निवास मार्ग पर स्थित नगर से लगभग 7 किलोमीटर दूर देवरी पटपरा है। जहां पर ग्रामीणों को आज भी तीन दिन में बामुश्किल एक दिन पानी मिल पा रहा है तथा उन्हें अपने पानी की व्यवस्था के लिए हेड पंप और कुओं में लाइन लगाने पर विवश होना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी अजय साहू का कहना है कि यहां पर शासन द्वारा जल जीवन मिशन के तहत लगभग 84 लाख की लागत से संपूर्ण ग्राम में लाइन बिछाई गई है तथा घर-घर कनेक्शन दिए गए हैं किंतु इसके बावजूद भी लोगों को पानी के लिए मशक्कत करना पड़ रहा है।

तीन दिन में वह मुश्किल एक दिन एक टाइम नल आते हैं इसमें से वह मुश्किल से पीने के लिए पानी भर पता है जिसके कारण उन्हें दैनिक दिनचर्या पूरी करने के लिए आवश्यक पानी की व्यवस्था के लिए गांव के बाहर एक किलो मीटर दूर स्थित कुटी के हेड पंप से पानी लाना पड़ रहा है। इसी प्रकार स्थानीय निवासी अज्जू सेन का कहना है कि उनके घर के पास लाइन खराब हो गई है जो की विगत 11 दिन से उनके यहां पानी ही नहीं आ रहा है पंचायत द्वारा इस लाइन को सुधार कार्य नहीं कराया जा रहा है। इसके कारण उन्हें पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है बताया जाता है कि जल जीवन मिशन के तहत ठेकेदार द्वारा संपूर्ण नगर में लाइन बिछाई गई है किंतु इसके बावजूद भी गांव में जितने घर हैं।

उनके घरों में भी अभी सभी जगह न कनेक्शन नहीं किए गए हैं तथा पानी की बर्बादी से बचने के लिए इन नालों में टोटी भी नहीं लगाई गई है।ग्रामीण जन कोई साइकिल से तो कोई पैदल तो कोई ऑटो से पानी ले जा रहा है।वर्तमान में गर्मी की आहट होते ही ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जल स्तर घट रहा है तो वहीं जल स्रोतों की संख्या भी घटती जा रही है इसके कारण ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इनका कहना है सरपंच अनिता झरिया बोर में जल स्तर घट गया है इसके कारण से जल सप्लाई में समस्या आ रही है।

आनंद महोत्सव को भव्य रूप देने तैयारियां शुरू

बरेला, देशबन्धु। नर्मदा खंड के प्रसिद्ध संत परमहंस योगेश्वर श्री श्री1008 श्री दादा ठन ठन पाल महाराज जी जमुनिया धाम वाले महाराज के निर्वाण दिवस के रूप में चैत्र शुक्ल पक्ष की एकादशी पर धर्म नगरी बरेला में आनंद महोत्सव समिति द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन मनाने हेतु समिति सदस्यों के द्वारा तैयारीयां जोरो पर चल रही हैं।

आयोजन समिति ने बताया कि प्रतिवर्षानूसार इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए आनंद महोत्सव मंच के तत्वावधान में इस वर्ष भी दादा ठन ठनपाल जी के दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिवस 8 अप्रैल दिन मंगलवार को सुबह 7.30 बजे विशाल वाहन रैली भेंरोंबाबा मंदिर से नगर भ्रमण करते हुये दादा ठन ठन पाल जी महाराज की समाधि स्थल जमुनिया धाम में

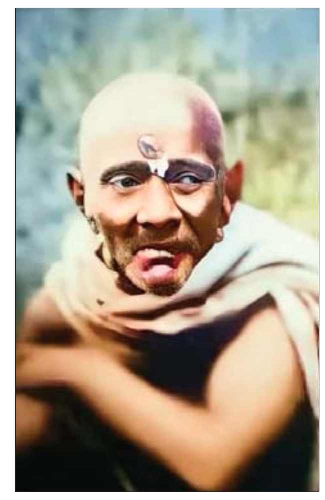

संपन्न होगीजहां पर भक्तों द्वारा दादा भगवान की पूजन अर्चन की जावेगी।एवं इसी दिन शाम 6 बजे से दादा जी की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएंगी।

शोभा यात्रा में दादा ठन ठनपाल जी की मनोहारी प्रतिमा के साथ, विभिन्न रथों में साथ साथ धूनी वाले दादा एवं साईं बाबा की मूर्ति भी यात्रा में चलायमान होंगी।सैकड़ो महिलाएं सिर पर कलश धारण कर, शोभायात्रा में शामिल होंगी। रात्रि 10 से दादा जी की जीवनी पर फागों का मुकाबला भूपत पटेल बिडगला,राम मंडल व उत्तम दास जी बैरागी, मनियारी कृष्ण मंडल द्वारा प्रस्तुति की जाएगी।

द्वितीय दिवस 9 अप्रैल बुधवार को रामलीला रंग मंच थाने के सामने सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन किया गया है। साथही रात्रि 9 बजे से दिल्ली के सूफी महान गायक कलाकार हमसर हयात द्वारा शानदार भजन संध्या की प्रस्तुति का आयोजन किया गया है।आनंद महोत्सव मंच ने सभी धर्म प्रेमी, दादा भक्तों से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है। तथा दादा भक्त कार्यक्रम को सफल बना कर पुण्य लाभ अर्जित करें। समाचार फोटो सहित लगाने की कृपा करें

सार-समाचार

महाविद्यालय में आयोजित किया गया पर्यावरण प्रशिक्षण कार्यक्रम

पनागर, देशबन्धु। शासकीय कला महाविद्यालय में महाविद्यालय के ईको क्लब ने पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को), पर्यावरण विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के तहत मॉडल प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन के संरक्षण एवं ईको क्लब प्रभारी डॉ. अंकिता पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मॉडल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में क्रमशः 500/-, 300/- एवं 200/- प्रदान किय गये। कार्यक्रम के अगले चरण में विद्यार्थियों ने सतत् जीवन शैली, पर्यावरण संरक्षण हेतु रैली के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ शिवानी राय, डॉ. वर्षा शर्मा, श्रीमती साक्षी ताम्रकार एवं डॉ प्रशांत नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में लगभग 45 छात्र-छात्राएं तथा महाविद्यालयीन परिवार सम्मिलित रहा।

ब्यूटीशियन ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित

सिहोरा, देशबन्धु। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एवं आईक्यूएसी के मार्गदर्शन में छात्राओं के लिए ब्यूटीशियन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक श्रीमती मनीता शर्मा ने छात्राओं को अपने दीर्घ अनुभव का लाभ देते हुए गहन प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में छात्राओं ने ब्राइडल मेकअप , हेयर स्टाइलिश -स्टेट एवं करलिंग, फेसमसाज , पेडीकिओर , मेनी किओर आदि ब्यूटीशियन से संबंधित विभिन्न प्रकार की कौशल सीखे । प्राचार्य प्रो. एम. के. श्रीवास्तव ने सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दी और छात्राओं से आग्रह किया कि वे इसे पेशे के रूप में अपना सकती हैं और अच्छी कमाई कर सकती हैं । सभी छात्राओं को 5 अप्रैल 25 को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

श्रीमद् देवी भागवत कथा में राक्षस रक्तबीज और महिषासुर की कथा का बखान

गांधीग्राम, देशबन्धु। पहरुआ खेरमाई प्रांगण में श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन श्री श्री 1008 बनवारी दास जी महाराज के सानिध्य में समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से किया गया है। बुधवार को कथा व्यास पंकज गर्ग भाटिया आश्रम द्वारा देवी पुराण में रक्तबीज और महिषासुर की कथा व्यास गद्दी की आसंदी से सुनाते हुए कहा रक्तबीज वध,महिषासुर वध बुराई पर अच्छाई की विजय है, कथा वाचक पंकज गर्ग ने बताया कि

देवी पुराण के अनुसार, रक्तबीज एक शक्तिशाली राक्षस था जिसे यह वरदान प्राप्त था कि उसके खून की हर बूंद से एक और राक्षस पैदा होगा। जब देवी दुर्गा ने रक्तबीज से युद्ध किया, तो उन्होंने पाया कि वे उसे हरा नहीं सकतीं, क्योंकि जैसे ही उसका खून जमीन पर गिरता, और राक्षस पैदा हो जाते। इसलिए, देवी दुर्गा ने रक्तबीज को मारने के लिए एक अलग रणनीति का इस्तेमाल किया। उन्होंने राक्षस को तब तक घायल किया जब तक कि वह इतना कमजोर न हो गया कि वह और अधिक राक्षस पैदा न कर सके। फिर, उन्होंने उसका सिर काट दिया और उसके खून को जमीन पर गिरने से रोकने के लिए उसे पी लिया। इस प्रकार, देवी दुर्गा ने रक्तबीज का वध किया और दुनिया को बुराई से बचाया। इसी प्रकार महिषासुर एक और शक्तिशाली राक्षस था जिसने देवताओं को हराया और स्वर्ग पर कब्जा कर लिया। देवताओं ने मदद के लिए देवी दुर्गा से प्रार्थना की। देवी दुर्गा ने महिषासुर के साथ नौ दिनों तक युद्ध किया। अंत में, उन्होंने उसे मार डाला और देवताओं को स्वर्ग वापस दे दिया। महिषासुर वध बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है और यह देवी दुर्गा की शक्ति और साहस का प्रमाण है।

विधायक अजय विश्नोई ने नगर के कई वार्डो में किया भूमि पूजन

पाटन देशबन्धु। नगर भ्रमण के दौरान विधायक अजय विश्नोई ने नगर के विभिन्न वार्ड में विधायक निधी से होने वाले निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया जिसमें वार्ड क्रमांक 3 में स्थल निरीक्षण कर कई सौगात देने की घोषणा की। इस दौरान विधायक के साथ निकाय अध्यक्ष,पार्षदगण सहित पार्टी पदाधिकारी एवं वार्ड के नागरिक तथा नगर परिषद के अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। श्री विश्नोई का पार्षद गजेन्द्र सिंह ने गर्म जोशी के साथ स्वागत किया।

प्रवेशोत्सव : बच्चों पर पुष्पवर्षा कर किया तिलक वंदन

सिहोरा, देशबन्धु। नगर के सी एम राइज पंडित विष्णु दत्त शास उत्कृष्ट विद्यालय सिहोरा में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया।जिसमें बच्चों का तिलक वंदन कर माला पहनाकर एवं पुष्पवर्षा करते हुए ढोल नगाड़े के बीच विद्यालय के प्रवेश द्वार से कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष बरकड़े विधायक सिहोरा,विशिष्ट अतिथि दिलीप दुबे पूर्व विधायक विधानसभा सिहोरा, श्रीमती संध्या दुबे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिहोरा ,श्रीमती रश्मि अग्निहोत्री अध्यक्ष जनपद पंचायत सिहोरा एवं पार्षद श्रीमती रीता शुक्ला एवं सम्माननीय अतिथि श्री रुपेश सिंह अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहोरा और श्री अरविंद धुर्वे सहायक संचालक शिक्षा विकासखंड सिहोरा, श्रीमती आशा हल्दकार पालक शिक्षक संघ की अध्यक्ष एवं प्राचार्य अशोक कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की पूजा अर्चना किया गया इसके पश्चात मंच पर विराजमान अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा केजी वन से आठवीं तक एवं नवमी और 11वीं के प्रत्येक वर्ग एवं संकाय में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को उनके पालकों के साथ प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और बच्चों को निः शुल्क पाठ्य पुस्तक भी वितरित की गई ।अतिथियों ने बच्चों को नए सत्र में प्रवेश के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।उप प्राचार्य श्री शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने बच्चों से सी एम राइज की 3 वर्ष की यात्रा का जिक्र किया और उनको कड़ी से कड़ी मेहनत करने के लिए उनको प्रेरित किया। शिक्षक अमित श्रीवास्तव ,पूनम विश्वकर्मा, प्रखर गुप्ता, अमितजैन , सरिता पटेल आदि ने बच्चों के हित में अपनी बात रखी ।बच्चों ने भी और पालकों ने भी विद्यालय के उत्तरोतर प्रगति की सराहना की। सहायता संचालक श्री अरविंद दुबे ने बच्चों से कहा कि खूब मेहनत करें और प्रवीण्य सूची में अपना स्थान बनाएं ।बीआरसी श्री बृजेश श्रीवास्तव ने विद्यालय की गतिविधियों की मुक्त कंठ से सराहना की। प्राचार्य अशोक उपाध्याय ने सी एम राइज विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालय के बच्चों में पहले की तुलना में बहुत परिवर्तन देखने मिल रहा है और परिवर्तन आएगा ।चाहे कक्षा हो चाहे मंच हो या मैदान हो सभी में हमारे बच्चों ने भाग लिया है और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने पालकों से कहा कि आपके बिना हम बच्चों की प्रगति और विकास की कल्पना नहीं कर सकते। आप आइए कंधा से कंधा मिलाकर हमारा सहयोग करें, हमारा साथ दीजिए निश्चित ही हम ऊंचाइयों को हासिल करने में पीछे नहीं रह सकते।कार्यक्रम का संचालन सरस्वती राणा मैडम ने किया। कार्यक्रम में सुश्री अपूर्वा कूटार ने बच्चों के लिए प्रेरणा से भरा एक गीत प्रस्तुत किया।हमारे इस कार्यक्रम में मोहनी उपाध्याय,श्री हर्षिता मिश्रा, माया शुक्ला ,जय किशोर हाल्दकर ,रामबरन हल्दकर , इंदिरा सोनी, मंजू सिंह राणा, पीऊषा पांडे,सुधा उपाध्याय आदि समस्त शिक्षक , शिक्षकाएं उपस्थित थे। श्रीअमित जैन ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया, पालकों का आभार व्यक्त किया।

ज्वाइट डायरेक्टर शिक्षा शासकीय यशोदा बाई खितौला बाजार पहुंचे

छात्राओं से संवाद किया, शिक्षकों को निर्देश दिए

सिहोरा, देशबन्धु। बुधवार को संभागीय कार्यालय से ज्वाइन डायरेक्टर प्राचीश जैन द्वारा शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सभी कक्षाओं में जाकर मूल्यांकन किया कक्षाओं में जाने के बाद छात्रों की स्थिति एवं शिक्षक द्वारा उपयोग में लाए जा रहे टूल्स के कारण जे डी प्राचीश जैन बहुत खुश हुए।, शिक्षकों से शाला का परिणाम जानकर भी बहुत खुशी व्यक्त की।

कक्षाओं में शैक्षणिक टूल्स का उपयोग किया जाना पाया गया। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि कक्षाओं में कोई भी पीरियड खाली ना रहे, स्कूल बिल्डिंग के लिए भी आगे बात करने के लिए कहा। जॉइंट डायरेक्टर प्राचीश जैन और आर एस ठाकुर ने प्राचार्य जे एल खांडे , प्राचार्य बी एस परस्ते कन्या शाला सिहोरा और सभी शिक्षकों के साथ मीटिंग भी ली। शिक्षकों को शिक्षा का स्तर अच्छा बनाने दिशा निर्देश भी प्रदान किये। जिसमें जन शिक्षा केंद्र से प्राचार्य जे एल खांडे, प्रभारी बीआरसी बृजेश श्रीवास्तव, बी ए सी अश्वनी उपाध्याय, राकेश मिश्रा,जयप्रकाश तिवारी, एन के पटेल,अरविंद तिवारी, अक्षय चौदहा, बलराम बर्मन, श्रीमती संतोषी कोरी दीप्ति सिंह राजपूत, रोशनी चौरसिया रंजना चौरसिया, माधुर योगेन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे।

सीएम राइज स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा निराशा जनक

पाटन, देशबन्धु। नगर के सी.एम राईज शासकीय उ.उ.मा.वि.पाटन का वर्ष 2024-2025 में आयोजित कक्षा 9वीं कि मुख्य परीक्षा परिणाम बेहद निराशा जनक रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएम राइज स्कूल की कक्षा 9वी का परिणाम 36.31 त्न रहा है। बताया जा रहा है कि कक्षा 9वीं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 187 थी जिनमें से 183 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और बड़ी मुश्किल से महज 67 छात्र परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफल रहे वही 20 विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री का सामना करना पड़ा वही लापरवाह शिक्षकों एवं गैर जिम्मेदार प्रबंधन की वजह से 96 विद्यार्थियों को निराशा हाथ लगी जो यह परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल रहे। बताया जाता है कि इतना खराब परिणाम आने के बाबजूद स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं आया है।

नैना गिरि छत्तरपुर में जैन समाज की युवक-युवतियों विवाह परिचय सम्मेलन आयोजित

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। दिगंबर जैन समाज का उद्गम स्थान वुदेलखड में दिगम्बर जैन समाज के चेतना संगठन कोतमा ने जैन अतिशय क्षेत्र नैना गिरी छत्तरपुर में जैन समाज की युवक युवतियों का सम्मान विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें 23 वर्षीय से अधिक आयु के व्यक्ति को शादी के लिए आमंत्रित किया।

गया साथ ही समाज की विधवाओं तलाक सुधा ओर महिलाओं पुरुषों के विवाह का सम्पर्क जोड़ा गया जो सराहनीय कार्य किया गया जिसका वर्तमान परिवेश में एक अच्छा उदाहरण देखने मिला जिसकी सराहना की शुरुआत दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुई जिसमें समाज के लगभग तीन हज़ार लोगों ने भाग लिया और लोगों ने भी अपना परिचय दिया

और समाज की आवकशता के अनुरूप निःशुल्क भोजन निवास की व्यवस्था की गई यह एक सराहनीय पहल थी जिसमें समाज को आज नही कल अछे परिणाम मिले गे बष में समाज के संस्था के लोग को आगे समाज की कुरीतियों का सामना करना चाहिए नही विवाह की वजह पर समाज को जागरूक करना होगा तभी समाज का विकास होगा समाज को कम खर्च में अधिक पचार पसार कर अपनत्व के लिए प्रेरित करना होगा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सुनील जैन गांधी कैलास जैन सुश्री श्री ममता जैन विरैद जैन मामा जी अनुप जैन रूपाली कोतमा चेतना संगठन के पदाधिकारियों कायकता ओ का परिचय सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया गया कार्यक्रम की संचालन व्यवस्था की सराहनीय भूमिका रही कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश के नहीं देश के जैन बंधु उपस्थित रहे अपेक्षा की गई की धार्मिक स्थलों पर ही ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएँगे।

सीएम राइज में 9वीं कक्षा में अग्रेंजी माध्यम प्रारम्भ करने की मांग

सिहोरा, देशबन्धु। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शन मंच व आम आदमी पार्टी सिहोरा द्वारा एसडीएम सिहोरा को कलेक्टर जबलपुर के नाम ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि सीएम राइज स्कूल सिहोरा, जिला जबलपुर में वर्तमान में कक्षा केजी1 से 8वीं तक अंग्रेजी माध्यम की कक्षा संचालित हो रही है। इस सत्र कक्षा 8वीं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र/छात्रों के लिये स्कूल प्रशासन कक्षा 9वीं में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त कर रहा है। स्कूल द्वारा छात्र/छात्राओं के साथ भविष्य खिलवाड किया जा रहा है। गरीब पालको द्वारा निजी स्कूलों की अधिक फीस लेने के कारण वहां से निकाल कर अपने बच्चों का प्रवेश बडी उम्मीद से सी.एम.राईस अंग्रेजी माध्यम में कराया था। बच्चों का माध्यम बदलने से बच्चों के शैक्षणिक स्तर में गिरावट होगी । कई बच्चे ऐसे है जिन्होन क्लास नर्सरी से 8 वी तक अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा ग्रहण है की माध्यम बदलने से बच्चों को समझने की परेशानी होगी । यदि 9वीं अंग्रेजी माध्यम की कक्षा प्रारंभ नहीं की जाती 50-60 बच्चों का भविष्य संकट में आ जायेगा। पालकों के पास के दो ही विकल्प बचे है प्रथम बच्चों को हिन्दी माध्यम में पढाये अथवा निजी स्कूल में भारी फीस देकर प्रवेश कराये।

प्रथम विकल्प का चयन बच्चों की शैक्षणिक वृद्धि पर कुठाराघात होगा जबकि द्वितीय विकल्प के चयन में पालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ जायेगा जिसके के लिये वे सक्षम नहीं है । सी.एम.राईस स्कूल में नर्सरी से 8 तक अंग्रेजी माध्यम शिक्षण व्यवस्था तथा 9वीं से अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों का न होना बच्चों के साथ अन्याय की तरह प्रतीत होता है ।

गुलाब सिंह मरकाम ने बताया कि स्कूल के पास अग्रेजी माध्यम में अध्यपन कई ब्यवस्था नही थी तो पालको को प्रवेश देते समय बताना चाहिए था,पालको को लगता तो पढ़ाते नही तो नही पढ़ाते, प्रशासन द्वारा मांग न माने जाने पर माननीय उच्च न्ययालय में अपील प्रेषित की जावेगी। ज्ञापन मे संजय पाठक, संतोष वर्मा,गुलाब सिंह मरकाम, जमुना प्रजापति, संगीता विश्वकर्मा, तस्लीम बानो, प्रमोद ठाकुर ,राजेश तिवारी,मुन्ना राय, अमित विश्वकर्मा के साथ बच्चों के पालको की उपस्थिति रही।

राशन की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने की बजाय, क्लीन चिट दिलवाने की पैरवी कर रहे ज़िम्मेदार

पाटन, देशबन्धु। गरीबों के पेट पर डाका डालने वाले अरविंद नामदेव राशन डीलर पर रिपोर्ट कराने लामबंद हुए पार्षद नामक शीर्षक से 26 मार्च को खबर प्रकाशित हुई थी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो भी साझा किया गया था जिसमें राशन डीलर अरविंद नामदेव के कर्मचारी गरीबों के पेट पर डाका डालकर इकट्ठा किया हुआ अनाज खुलेआम 50 किलो की बोरी में तुलाई करते हुए एवं उसी अनाज को बोरियो में भरकर नगर के गल्ला व्यापारी मज्जी सेठ के यहां ले जाते हुए रंगे हाथ दिन के समय कैमरे में कैद हुए थे। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में यही दृश्य रात के समय कैमरे में कैद हुआ था। इसके बाबजूद नगर के 12 सत्ताधारी पार्षदगण भी अरविंद नामदेव पर राशन वितरण में गड़बड़ी का आरोप लगा चुके है। ऐसी स्थिति में,कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आभा शर्मा राशन डीलर की जांच में हेराफेरी कर रही है।

ट्रंप शासन यूक्रेन के लिए नकारात्मक, सर्वे में अधिकांश यूक्रेनवासियों की राय

कीव, (आईएएनएस)। यूक्रेनवासियों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति काल का यूक्रेन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग तीन चौथाई (73 प्रतिशत) यूक्रेनी नागरिकों ने यह जानकारी जारी की। कीव इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियोलॉजी की ओर से यह सर्वे कराया गया। सर्वेक्षण के अनुसार, केवल 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने को यूक्रेन के लिए लाभकारी माना। बाकी बचे उत्तरदाता इस मुद्दे पर कोई राय नहीं रखते थे। जब पूछा गया कि क्या ट्रंप के शासनकाल की सहायता से यूक्रेन न्यायपूर्ण शांति प्राप्त कर सकता है, तो 55 फीसदी लोगों ने नकारात्मक उत्तर दिया, 18 ने सकारात्मक। 21 प्रतिशत ने कहा कि उनका मानना है कि कोई भी शांति समझौता केवल आंशिक रूप से ही न्यायपूर्ण होगा। यह सर्वे 12 से 22 मार्च तक 1,326 वयस्कों के साथ टेलीफोन इंटरव्यू के माध्यम से आयोजित किया गया था। यह सर्वेक्षण दिसंबर 2024 में हुए इसी प्रकार के सर्वेक्षण की तुलना में जनता की राय में बदलाव को दर्शाता है। उसमें सामने आया था कि कि 54 प्रतिशत यूक्रेनवासी ट्रंप के आगामी राष्ट्रपति बनने के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते थे, 21 प्रतिशत लोग इसे नकारात्मक रूप से देखते थे।

म्यांमार में जिंदा बचे लोगों की तलाश जारी, लेकिन धुंधली पड़ रहीं उम्मीदें

दिन-रात इलाज में जुटी भारतीय सेना

म्यांमार में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। 28 मार्च 2025 को 7.7 तीव्रता के इस भूकंप ने म्यांमार के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई, जिसमें अब तक 2700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं। मांडले, नेपीडॉ, सागाइंग, बागो और मैगवे जैसे क्षेत्रों में इमारतें जमींदोज हो गईं, सड़कें टूट गईं, और संचार व्यवस्था ठप हो गई। इस आपदा के बाद जिंदा बचे लोगों की तलाश और घायलों के इलाज के लिए राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं, लेकिन समय बीतने के साथ-साथ उम्मीदें धुंधली पड़ती जा रही हैं।

इस संकट की घड़ी में भारत ने अपने पड़ोसी देश म्यांमार की मदद के लिए तुरंत कदम उठाया। 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत भारत ने राहत और बचाव कार्यों के लिए अपनी सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), और चिकित्सा टीमें म्यांमार भेजी हैं। भारतीय वायुसेना के विमानों और नौसेना के जहाजों के जरिए अब तक सैकड़ों टन से अधिक राहत सामग्री यांगून पहुंचाई जा चुकी है, जिसमें भोजन, दवाइयां, टेंट, कंबल, और अन्य जरूरी सामान शामिल हैं। इसके अलावा, लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल के नेतृत्व में शत्रुजीत ब्रिगेड की 118 सदस्यीय मेडिकल टीम भी म्यांमार में तैनात है, जो दिन-रात घायलों के इलाज में जुटी हुई है।

भारतीय सेना ने 60 बेड का अस्थायी चिकित्सा केंद्र स्थापित- भारतीय सेना ने प्रभावित क्षेत्रों में 60 बेड का अस्थायी चिकित्सा केंद्र स्थापित किया है, जहां गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज किया जा रहा है। एनडीआरएफ की टीमें मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए कंक्रीट कटर, ड्रिल मशीन और अन्य उपकरणों के साथ लगातार काम कर रही हैं। यांगून में भारतीय दूतावास ने कहा, भारत म्यांमार के लोगों के साथ इस मुश्किल समय में मजबूती से खड़ा है और प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भूकंप प्रभावित म्यांमार को सहायता प्रदान करने के भारत के प्रयासों को मजबूती प्रदान करने के लिए लगभग 440 टन वजनी राहत सामग्री से लदा आईएनएस घड़ियाल मंगलवार को विशाखापत्तनम बंदरगाह से रवाना हुआ। वहीं मांडले में भारतीय सेना द्वारा स्थापित एक अस्थायी अस्पताल को चालू कर दिया गया है, जो घायलों को चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के सैन्य प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग से फोन पर बात कर संवेदना व्यक्त की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी कहा, पड़ोस प्रथम और एक्ट ईस्ट नीति के तहत भारत म्यांमार के साथ एकजुटता दिखा रहा है। इस बीच, म्यांमार के स्थानीय संगठन और धार्मिक समूह भी राहत कार्यों में जुटे हैं, लेकिन संसाधनों की कमी और तबाही के व्यापक दायरे ने उनके प्रयासों को सीमित कर दिया है।

जैसे-जैसे समय बीत रहा है, मलबे में फंसे लोगों को जिंदा निकालने की संभावना कम होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई इलाकों में अब भी लोग मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं, लेकिन भारी मशीनरी और विशेषज्ञों की कमी के कारण बचाव कार्य धीमा पड़ रहा है। फिर भी, भारतीय टीमें और म्यांमार के स्थानीय प्रशासन मिलकर हर संभव कोशिश कर रहे हैं ताकि इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाई जा सके।

भारत और म्यांमार के बीच गहरे रिश्ते- इस आपदा ने एक बार फिर भारत और म्यांमार के बीच गहरे रिश्तों को उजागर किया है। भारत की त्वरित प्रतिक्रिया और मानवीय सहायता ने न केवल म्यांमार के लोगों को उम्मीद दी है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी इसकी सराहना हो रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी भारत के इस प्रयास को प्रमुखता से प्रकाशित किया है, जिसमें इसे प्रथम मददकर्ता की भूमिका के रूप में सराहा गया है।

फिलहाल, म्यांमार में राहत और पुनर्वास का लंबा रास्ता बाकी है। भारतीय सेना और अन्य टीमें अपनी पूरी ताकत के साथ इस संकट से निपटने में जुटी हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि इस तबाही से उबरने के लिए म्यांमार को लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय सहायता की जरूरत होगी।

एनडीआरएफ ने मलबे से 16 शव निकाले

भूकंप प्रभावित म्यांमार में कई इमारतों और मकानों के ढहने और उनका एक-दूसरे पर गिरना बचावकर्मियों के लिए एक चुनौती बन गया है। भारत के एनडीआरएफ ने मलबे से अब तक करीब 16 शव निकाले हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी।

यहां से बचाव अभियान की निगरानी कर रहे अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के विशेषज्ञ मांडले शहर में 'सेक्टर डी' आपदा बचाव योजना के तहत 13 इमारतों में तैनात हैं और तमाम बाधाओं के बावजूद वे अब भी ''लोगों की तलाश'' कर रहे हैं। एनडीआरएफ ने एक बयान में कहा कि दल म्यांमार की अग्निशमन सेवाओं के साथ समन्वय में मांडले में खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, तथा उन स्थलों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जहां इमारत ढहने के कारण लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। इसमें कहा गया है, ''एक अप्रैल, 2025 तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं और बचाव अभियान जारी है।'' अधिकारियों ने कहा कि बचाव दल को अभी भी जीवित बचे लोगों के संकेत मिलने की उम्मीद है। चमत्कार होते हैं, जैसा कि 2023 में तुर्किये भूकंप बचाव अभियान के दौरान भूकंप के 17वें दिन एक व्यक्ति जीवित मिला था।

आज का इतिहास

1325-चिश्ती सम्प्रदाय के चौथे संत निज़ामुद्दीन औलिया का निधन।

1680-मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी का निधन।

1903-समाजसुधारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा भारतीय हस्तकला के क्षेत्र में नवजागरण लाने वाली गांधीवादी महिला कमलादेवी चट्टोपाध्याय का जन्म।

1914-भारतीय सेना के पूर्व अध्यक्ष सैम मानेकशॉ का जन्म। उनके नेतृत्व में भारत ने सन् 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय प्राप्त की थी।

1958-फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा का जन्म।

1968- मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अपने आई टू बीन टू दी माउंटिनेट भाषण दिया।

1975- बॉबी फिशर ने अनातोली कार्पोव के खिलाफ शतरंज मैच में खेलने से इनकार के बाद कर्पोव को विश्व चैंपियन का खिताब डिफ़ॉल्ट रूप से दिया गया।

1981-एडम ओसबोर्न द्वारा तैयार पहले पोर्टेबल कंप्यूटर का नमूना पेश किया गया।

1999-भारत ने पहला वैश्विक दूरसंचार उपग्रह इनसैट 1 ई का प्रक्षेपण किया।

सुडोकू 6871

			1		6	2		3
	8		3	7	5			1
	1		8				5	7
1	5	4						6
6			5		9			8
2						4	7	5
5	6				8		3	
7			4	5	3		6	
8		3	9		7			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

शेख हसीना की पार्टी के एक लाख लोग भारत में, बांग्लादेश की सरकार का एक और बेतुका बयान

चीन को लुभाने की कोशिश में लगी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के साथ संबंधों में जहर घोलने को आतुर लग रही है। पिछले दिनों प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के बिगड़े बोल के बाद अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार ने एक बड़ा दावा किया है। सूचना सलाहकार महफूज आलम ने मंगलवार को दावा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के एक लाख से सदस्य भारत में हैं।

बांग्लादेशी समाचार पोर्टल bdnewswy.com के मुताबिक आलम ने यह टिप्पणी ढाका में ईद के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में की है। इस कार्यक्रम में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान कथित रूप से लापता या मारे गए लोगों के परिजन शामिल हुए थे। कार्यक्रम में जारी प्रेस रिलीज के अनुसार मानवाधिकार समूह मेयर डाक ने शहर के तेजगांव इलाके में इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस दौरान हसीना की आलोचना करते हुए महफूज ने कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता की हत्या का बदला लेने के लिए लोगों को जबरन गायब करने और हत्या करने का सहारा लिया। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत ने उन्हें और उनके आतंकवादी बलों को शरण देने का विकल्प चुना है। हमें पता चला है कि लगभग 1,00,000 अवामी लीग के सदस्यों ने वहां शरण ली है।

हसीना पर लगाए गंभीर आरोप

बांग्लादेश की सरकार में सूचना सलाहकार ने कहा, 2013 और 2014 में जब लोग अपने मताधिकार के लिए लड़ रहे थे तब सबसे ज्यादा लोगों को जबरन गायब किया गया। इन कार्रवाइयों के पीछे मुख्य उद्देश्य चुनावी व्यवस्था को बरबाद करना था।उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने जबरन गायब किए जाने की घटनाओं की जांच के लिए आयोग का गठन कर दिया है। आलम ने कहा, आयोग की सिफारिशों के आधार पर जबरन गायब किए जाने में शामिल कई लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। इसके अलावा कई अन्य लोगों के खिलाफ जांच अभी जारी है।

आवामी लीग को कभी ना लौटने देने की खाई कसम

बांग्लादेश की पिछली सरकार पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग राजनीतिक रूप से अवामी लीग का विरोध करते थे उन्हें जबरन गायब किए जाने से पहले आतंकवादी और उग्रवादी करार दिया जाता था। सलाहकार ने कहा कि उनके परिवारों को भी डर और धमकी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि लोगों को गायब करने के लिए देश के संस्थानों का इस्तेमाल किया गया। सलाहकार ने दावा किया कि हसीना अभी भी भारत में रहकर देश के खिलाफ साजिशें रच रही हैं जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कसम खाई है कि आवामी लीग को बांग्लादेश में कभी भी वापसी को मौका नहीं दिया जाएगा।

ट्रंप का ऐसा विरोध देखा! सांसद ने रिकॉर्ड तोड़ 24 घंटे दिया भाषण, खूब सुनाई खरी खोटी

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद कोरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यू जर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 24 घंटे और 20 मिनट तक लगातार बोलकर 1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड द्वारा स्थापित पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

थरमंड ने उस समय सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था। बुकर ने सोमवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8ः05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं आज रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है।

डेमोक्रेट्स का समर्थन और ऐतिहासिक संदर्भ- इस मैराथन भाषण के दौरान, कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर सहित कई सीनेटर समय-समय पर उनके साथ मंच पर आए और सवाल पूछकर उन्हें बोलने से छोटे-छोटे ब्रेक दिए। शूमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है? क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है? क्या आपको पता है कि अमेरिका आप पर कितना गर्व करता है? बुकर ने अपने भाषण में स्ट्रॉम थरमंड के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, मैं यहां उनके भाषण की वजह से नहीं, बल्कि उनके भाषण के बावजूद हूं। मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि वे जितने शक्तिशाली थे, लोग उनसे ज्यादा शक्तिशाली थे। यह बयान सिविल राइट्स के संघर्ष और प्रगति की उनकी व्याख्या को दर्शाता है।

प्रतिक्रिया और प्रभाव- बुकर के इस भाषण को सोशल मीडिया पर व्यापक समर्थन मिला। उनके टिकटॉक लाइवस्ट्रीम को 280 मिलियन लाइक्स मिले, और यूट्यूब पर उनके भाषण को देखने वालों की संख्या लाखों में पहुंच गई। डेमोक्रेटिक पार्टी, जो वर्तमान में व्हाइट हाउस, सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में अल्पमत में है, ने इसे ट्रम्प के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक माना। हालांकि, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता हैरिसन फील्ड्स ने इसे वर्चु सिग्नलिंगकरार देते हुए खारिज कर दिया और कहा कि यह बुकर का एक और आई एम स्पार्टकस क्षण है जो पहले भी कामयाब नहीं हुआ।

भाषण में क्या-क्या कहा?

कोरी बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से एक फिलिबस्टर नहीं था, यानी यह किसी खास विधेयक को रोकने के लिए नहीं था। इसके बजाय, यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ एक व्यापक विरोध था। बुकर ने अपने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले 71 दिनों में, संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति ने अमेरिकियों पर इतना नुकसान पहुंचाया है कि ये सामान्य समय नहीं हैं, और इन्हें सीनेट में सामान्य रूप से नहीं लिया जाना चाहिए।

बुकर ने अपने भाषण में कई मुद्दों को उठाया, जिसमें मेडिकेड और सोशल सिक्योरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला, और ट्रंप की विदेश नीति शामिल थी। उन्होंने अपने मतदाताओं के पत्र पढ़े, जिनमें लोगों ने ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र किया था। इसके अलावा, उन्होंने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का बार-बार उल्लेख किया और उनके अच्छे संकट के विचार को अपनाने की बात कही।

वर्ग पहेली 6871

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. बड़ी मुश्किल से
३. बाकायदा
५. दहाड़
६. बेइज्जती, अपमानित
७. प्रयासरत
९. सामयिक
१०. जिसके अधिकार को समाप्त कर दिया गया हो (उर्दू)
१२. जहरीला
१३. छोटी टोकरी
१४. श्रीकृष्ण की पत्नी राधा की जन्मस्थली (उर्दू)
१६. जमीन में गड़ाना (उर्दू)
१८. त्रुटिपूर्ण (उर्दू)
२०. प्राय:, अधिकतर
२१. पथप्रदर्शक (उर्दू)
२३. मानव खोपड़ी

ऊपर से नीचे:-

१. थोड़ा भी
२. लिपिबद्ध (उर्दू)
३. गणेश
४. दरिंदगी, पाशविक (उर्दू)
५. बीता हुआ समय
८. लोचदार होने का भाव
१०. बेरोजगार (उर्दू)
११. पूर्ति होना, खर्च होना
१२. अवसाद, उदासी
१३. कल्याण, शुभ
१४. समान
१५. चौकन्ना, सतर्क
१६. छल, धोखा, लुभावना(उर्दू)
१८. ज्योतिषी, गिनने वाला
२०. बहने के गुण वाले पदार्थ, द्रव
२२. लड़ाई, युद्ध

वर्ग पहेली-6870

१ वी	णा	२ वा	दि	३ नी	■	४ सु	धा	५ र	ना
रां	■	व्यी	■	६ ल	श	क	■	ई	■
७ ग	तां	क	■	ग	■	८ बा	ल	स	९ खा
ना	■	र	■	१० ग	म	ला	■	■	द्य
■	११ प्र	ण	१२ य	न	■	■	१३ सं	क्षे	प
■	सि	■	व	■	१४ अ	रू	चि	■	दा
१५ वृ	द्ध	१६ ज	न	■	पि	■	१७ त	१८ द	र्थ
त्ति	■	ला	■	१९ कौ	तु	२० क	■	र्श	■
२१ क	र्क	श	■	र	■	२२ ठि	ठ	क	२३ ना
र	■	२४ य	श	व	र्ध	न	■	■	थ

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

यमन के होदेइदाह शहर पर हुए अमेरिकी हवाई हमलों में तीन की मौत

सना, (आईएएनएस)। हूती मीडिया और निवासियों ने बताया कि यमन के पश्चिमी प्रांत होदेइदाह शहर पर अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार रात को हुए हमलों में मध्य होदेइदाह के मंसूरिया जिले में एक जल परियोजना और उसकी इमारत को निशाना बनाया गया। जिले के निवासियों ने सिन्हुआ को बताया कि मलबे में दबे जीवित लोगों की तलाश जारी है।

सिन्हुआ ने हूती मीडिया के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी प्रांतों हज्जाह और सादा में कई स्थानों पर हवाई हमले किए। इससे पहले दिन में, हूती मीडिया ने उत्तरी यमन में कई स्थानों पर अमेरिकी हवाई हमलों की सूचना दी, जिसमें राजधानी सना के पश्चिम में बानी मातर जिले में माउंट नबी शुअयब और सादा शामिल हैं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ईरान समर्थित हूती, जो उत्तरी यमन के अधिकांश भाग पर नियंत्रण रखते हैं, 2014 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार से लड़ रहे हैं। अमेरिकी सेना ने 15 मार्च से उत्तरी यमन में हूती के कब्जे वाले क्षेत्रों पर हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, ताकि इस समूह को अमेरिकी नौसेना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्गों पर हमला करने से रोका जा सके।

पिछले सप्ताह, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी हवाई हमले लंबे समय तक जारी रहेंगे। इससे पहले मंगलवार को हूती समूह ने बताया कि अमेरिकी सेना ने पिछले कई घंटों में यमन के उत्तरी सना और सादा प्रांतों में उसके ठिकानों पर 22 हवाई हमले किए हैं।

चुनौती *प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं अमरनाथ यात्रा*

बढ़ते आतंकी हमलों के बीच श्रद्धालुओं की संख्या में हुई बढ़ोतरी

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। कश्मीर में आतंकवाद के फैलने के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा लगातार कई सालों तक आतंकी हमलों से जूझती रही है। पर इसके प्रति एक सच्चाई यह है कि प्राकृतिक हादसों से यह अतीत में दो चार होती रही है और अब भी कई सालों से लगातार हो रही है।

इतना जरूर है कि वर्ष 1993 की अमरनाथ यात्रा उन लोगों को अभी भी याद है जिन्होंने पहली बार इस यात्रा पर लगे प्रतिबंध के बाद 'हरकतुल अंसार' के हमलों को सहन किया था। तब तीन श्रद्धालुओं की जानें गईं थी।

पहले हमले के 10 सालों बाद हुए भीषण हमले में 11 श्रद्धालु मौत की आगोश में चले गए थे। इन दस सालों में कोई भी साल ऐसा नहीं बीता था जब आतंकी हमलों और मौतों ने अमरनाथ यात्रा को चर्चा में न लाया हो लेकिन बावजूद इसके यह आज भी आकर्षण का ही केंद्र बनी हुई है। फिर से इसे सुरक्षित और असुरक्षित बनाने की कवायद तेज हुई है। प्रदेश प्रशासन के लिए यह किसी चुनौती से कम इसलिए नहीं है क्योंकि वर्ष 1993 के बाद के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि शायद ही कोई साल ऐसा होगा जब आतंकी हमलों में श्रद्धालुओं की मौतें न हुई हों। और जो वर्ष बचा वह प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ गया। अर्थात अगर आतंकियों के हाथों से बच गए तो कुदरत के हाथों से नहीं बच पाए। वर्ष 1992 तक यह अपनी सामान्य गति के साथ ही चलती रही है और इस गति की खास बात यह कही जा सकती है कि हिस्सा लेने वालों की संख्या भी इतनी नहीं होती थी कि यह अखबारों की सुर्खियों में स्थान पा सके। तब हिस्सा लेने वालों की संख्या बमुश्किल 54 हजार के आंकड़े को ही पार कर पाई थी।

■ आतंकी हमलों के बावजूद आकर्षण का केंद्र बनी रही अमरनाथ यात्रा

मगर 1993 के प्रथम आतंकी प्रतिबंध ने लोगों को इसकी ओर आकर्षित होने पर मजबूर कर दिया। नतीजा वर्ष 1993 से वर्ष 2002 की यात्रा में औसत भाग लेने वालों का आंकड़ा दो लाख का रहा है।

इनमें सुरक्षाकर्मियों तथा स्थानीय लोगों की गिनती नहीं की जाती है। फिर यूं-यूं अमरनाथ यात्रा पर प्रतिबंध और हमले बढ़ते रहे इसमें शामिल होने वालों की संख्या भी बढ़ती गई।

असल में कई धार्मिक संगठनों ने इसे एक चुनौती के रूप में लेते हुए हजारों लोगों को शामिल होने की अपीलें तक कर डाली। यही कारण था कि वर्ष 1996 में जब बजरंग दल के 50 हजार के करीब सदस्य अमरनाथ यात्रा में हिस्सा लेने पहुंचे तो सारी व्यवस्थाएं चर्रमर्रा गईं और प्राकृतिक आपदा ने भी यात्रा को घेर लिया। नतीजा सबके सामने ही था। तीन सौ के करीब श्रद्धालु प्राकृतिक आपदा का शिकार हुए और मौत की आगोश में चले गए। तब मृतकों में नौ माह के बच्चे और 100 साल के बूढ़े भी शामिल थे।

खेल जगत

हमने 20-25 रन कम बनाए : पंत

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने आईपीएल 2025 के अपने पहले दो मैच घर के बाहर खेलते हुए बड़े स्कोर बनाए, जिसमें एक मैच में उन्हें करीबी मुकाबले से हार मिली। लेकिन मंगलवार को जब वह अपने घर में खेलने उतरे तो '20-25' रन कम रह गए। टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि उनकी टीम अभी भी परिस्थितियों का आकलन कर रही है और एक टीम के तौर पर उन्हें एक बेहतर संयोजन की तलाश है। एलएसजी 7 विकेट के नुकसान पर 171 का स्कोर ही बना पाई और जवाब में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने आठ विकेट शेष रहते 16.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। पंत ने मैच के बाद कहा कि निश्चित तौर पर टोटल पर्याप्त नहीं था। हमने 20-25 रन कम बनाए लेकिन यह खेल का हिस्सा है। यह हमारा पहला होम गेम था इसलिए हम परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं।

कोलकाता और हैदराबाद बेहतर रणनीति बना जीत की राह पर लौटने के लिए आमने-सामने

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (देशबन्धु)। ट्रेविज हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों से सुसज्जित जीत से आगाज करने के बाद अपने

■ क्या हैदराबाद शुरू से दे दनादन की रणनीति को बदलेगी?

पिछले लगातार दो मैच हारने वाली ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस की अगुआई वाली आठवें स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की 2025 आईपीएल में पहली से अंतिम गेंद तक दे दनादन करने की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेल रही मौजूदा और तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) भी हैदराबाद की तरह अपने तीन में से दो मैच हार चुकी है और सबसे कम नेट रन रेट के कारण दसवें और आखिर स्थान पर है। अब तक केवल राजस्थान रॉयल्स को हरा अपनी अपनी इकलौती जीत दर्ज करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स बेहतर रणनीति बना खासतौर पर बेहतर बल्लेबाजी कर जीत की राह पर लौटने के लिए बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन पर आमने सामने होंगे। केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद से अपने पिछले पांच में से जिस तरह चार मैच जीते हैं और उसे इस सिलसिले को बरकरार रखना है तो गेंद और बल्ले दोनों से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।बड़ा सवाल यह है कि क्या सनराइजर्स हैदराबाद शुरू से ही दे दनादन की रणनीति को बदलेगी? सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पहले मैच में शीर्ष क्रम में इशान किशन के तूफानी शतक, हेड, नीतिश रेड्डी व क्लासेन की आतिशी पारियों से पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मौजूदा संस्करण का 20 ओवर में छह विकेट पर 286 रन जरूर बनाया लेकिन बावजूद इसके वह राजस्थान रॉयल्स से 44 रन से ही जीत पाई थी।

आतिशी बल्लेबाजी के साथ सनराइजर्स हैदराबाद की ताकत कप्तान पैट कमिंस, मोहम्मद शमी ,सिमरजीत सिंह व हर्षल पटेल के रूप में उसके तेज गेंदबाजों की चौकड़ी और लेग स्पिनर एडम जम्पा है लेकिन इन सभी की शुरू के तीन मैचों में जिस तरह की धुनाई हुई है उससे ही जीत से आगाज करने के बाद उसकी गाड़ी पटरी से उतर गई है। पिछले मैच में पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श व निकोलस पूरन के तेज अर्धशतक के चलते पांच व दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फाफ डू प्लेसी के अर्धशतक के चलते उसे चार ओवर के बाकी रहते सात विकेट से हार झेलनी पड़ी थी और उसकी ओर से दिल्ली के गिरने वाले तीनों विकेट बाएं हाथ के स्पिनर जीशान अंसारी ने निकाल थे।

'मुझे नहीं लगता कि हम बहुत ज्यादा बदलेंगे'

'अनिकेत ने हमें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया लेकिन हमारे कुछ बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गए। ये सभी बहुत गलत शॉट खेल कर आउट रहीं हु लेकिन कुछ का रनआउट होना हमें बुरी तरह अखरा। पिछले दो मैचों में सभी कुछ हमारे हक में नहीं रहा। हम एक दो चीजे कुछ अलग ढंग से करेंगे तो नतीजे बदल सकते हैं। अनिकेत ने पूरी तरह स्वस्थ नहीं थे और उन्होंने हमें आधा मौका दिया। हमारे खिलाड़ियों ने इसकी झलक जरूर दिखाई कि वे क्या कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि हम बहुत ज्यादा बदलेंगे :

पैट कमिंस,सनराइजर्स हैदराबाद, कप्तान

'हमें जल्द इससे सबक लेना होगा'

'मुंबई इंडियंस के हाथों हमारी हार हमारी बल्लेबाजी की सामूहिक नाकामी रही। यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच थी। इस पिच पर 180-190 रन का एक अच्छा स्कोर होता हमने इस पिच पर उछाल अच्छा था। हमें उछाल के खिलाफ पंजाब किंग्स जूझते पड़ा। बल्लेबाजी की नाकामी से हमें जल्द इससे सबक लेना होगा। हमारे गेंदबाज अपनी पूरी कोशिश की लेकिन हम पर्याप्त रन ही नहीं बना पाए। हम बल्लेबाजी करते हुए बराबर विकेट गंवाते रहे। हमने पावरप्ले में चार विकेट गंवाए और इसके बाद बड़ा स्कोर बनाना मुश्किल था। आपको जरूरत है ।

मैं कप्तान था, अब नहीं हूं, लेकिन मानसिकता वही है : रोहित शर्मा

■ पिछले कुछ वर्षों में, हमने ट्रॉफी जीती है और उन परिस्थितियों से खेल को बदला है, जिन पर किसी को विश्वास नहीं था: रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक रोहित शर्मा ने बताया कि मुंबई इंडियंस के सेटअप में पिछले कुछ सालों में उनकी भूमिका कैसे विकसित हुई है, नई भूमिकाओं को अपनाने से लेकर टीम को गौरव दिलाने तक। उन्होंने कहा कि उनके शुरू करने के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन फ्रेंचाइजी के लिए मैच और ट्रॉफी जीतने का उनका जुनून और इच्छा कभी नहीं बदली है। रोहित ने 2020 के बाद से आईपीएल में अपनी सबसे खराब शुरुआत की है। वह मौजूदा आईपीएल 2025 के पहले तीन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे हैं, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के पहले मैच में शून्य पर आउट हो गए। वह गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में फिर से विफल रहे, जिसे एमआई ने शनिवार को 36 रनों से गंवा दिया, केवल 8 रन बनाए, इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में 13 रन बनाए, जहां वह इम्पैक्ट सब के रूप में आए थे। जब से मैंने शुरुआत की है, चीजें स्पष्ट रूप से बदल गई हैं। मैं मध्य क्रम में बल्लेबाजी करता था; अब, मैं पारी की शुरुआत करता हूं। मैं कप्तान था; अब, मैं नहीं हूं। हमारे चैंपियनशिप जीतने वाले सीजन के मेरे कुछ साथी अब कोचिंग की भूमिका में हैं। इसलिए, भूमिकाएं बदल गई हैं, बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन मानसिकता वही है। रोहित ने जियोहॉटस्टार के विशेष फीचर रोहित शर्मा के साथ चर्चा' पर कहा कि मैं इस टीम के लिए जो करना चाहता हूं, वह नहीं बदला है, और वह है वहां जाकर मैच और ट्रॉफी जीतना। मुंबई इंडियंस इसी के लिए जानी जाती है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने ट्रॉफी जीती हैं और उन परिस्थितियों से खेल को बदला है, जिन पर किसी को विश्वास नहीं था। यही एमआई और मुंबई की खासियत है। रोहित, जो अपने नाम पांच खिताब के साथ अब तक के सबसे सफल आईपीएल कप्तान हैं, ने आगे इस सीजन में मुंबई इंडियंस में शामिल हुए नए खिलाड़ियों के बारे में बात की और कहा कि ट्रेंट बोल्ट जैसे लोग, जो पहले भी यहां आ चुके हैं, बहुत अनुभव लेकर आए हैं और एमआई की संस्कृति को समझते हैं। फिर हमारे पास न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर हैं, जो अनुभव और क्लास दोनों ही लाते हैं। विल जैक्स और रीस टॉपली जैसे खिलाड़ी विविधता लाते हैं, जबकि रयान रिकल्टन एक रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी टीम में कुछ अलग जोड़ता है, और जब आप उन्हें एक सामूहिक इकाई के रूप में साथ लाते हैं।

संजू सैमसन फिर से कप्तानी संभालेंगे

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मंजूरी मिल गई है और वह रिकवरी के बाद विकेटकीपिंग के साथ-साथ अपनी पूर्णकालिक नेतृत्व भूमिका फिर से संभालेंगे। सैमसन ने अब तक टूर्नामेंट में एकमात्र बल्लेबाज के रूप में खेला है, जिसमें रियान पराग फ्रेंचाइजी की अगुवाई कर रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज को फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टी20 सीरीज के दौरान लगी चोट और अपनी दाहिनी तर्जनी उंगली की सर्जरी के बाद मौजूदा आईपीएल में खेलने के लिए केवल अस्थायी मंजूरी दी गई थी। सैमसन को मेडिकल टीम द्वारा उनकी फिटनेस का गहन मूल्यांकन करने के बाद मंजूरी मिली है। फ्रेंचाइजी के बयान में कहा गया है, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को रिकवरी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मंजूरी मिल गई है।

हमारा रवैया बिल्कुल सही रहा : पोंटिंग

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने मंगलवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर 8 विकेट से शानदार जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। एलएसजी को 171/7 के कुल स्कोर पर रोककर, पीबीकेएस ने केवल 16.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और केवल 2 विकेट खोए। इस लगातार दूसरी जीत ने उन्हें अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मजबूती से पहुंचा दिया है। मैच के बाद, हेड कोच रिकी पोंटिंग का टीम को संदेश कैद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि बहुत सारी अच्छी चीजें हो रही हैं। हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसमें कुछ भी हल्के में न लें। हमारा रवैया बिल्कुल सही रहा है। हम अभी शुरुआत ही कर रहे हैं। इसलिए

आइए एक परिवार के रूप में मिलकर कड़ी मेहनत करते रहें और हम हर दिन बेहतर होते जाएंगे। 25 गेंदों पर नाबाद 43 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलने वाले नेहाल वढेरा ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हेड कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के बल्लेबाजी करने और लक्ष्य का पीछा करने से पहले उन्हें इस बारे में सूचित किया। बल्लेबाजी करने के लिए जाने से पहले अपनी मानसिकता को साझा करते हुए, मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेहाल ने कहा कि जिस तरह से प्रभसिमरन और अय्यर बल्लेबाजी कर रहे थे, वह जबरदस्त था। वे एक ही प्रवाह के साथ आगे बढ़े और गेंद लगातार कनेक्ट होती रही। और बाद में, जब मैं आया, तो मेरे मन में एक स्पष्ट विचार था कि अगर गेंद मेरी रेंज में है, तो मैं 100% खेलूंगा। और अगर गेंद मेरी रेंज में नहीं है, तो मैं बस एक या दो रन लूंगा। लेकिन मैंने योजना बनाई थी कि मैं अपने कप्तान पर दबाव नहीं डालूंगा। मैं पूरी जिम्मेदारी लेने जा रहा हूं और मैं सभी गेंदबाजों पर हमला करने जा रहा हूं। 34 गेंदों पर 9 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 69 रन बनाने वाले प्लेयर ऑफ द मैच प्रभसिमरन सिंह ने भी अपनी बल्लेबाजी तकनीक के बारे में बताया ।

भारत सीजन के पहले अर्जेंटीना विश्व कप में शुरुआती शॉट लगाने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय सीजन के पहले इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन की स्पर्धाएं अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में शुरू होने के लिए तैयार हैं। टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में गुरुवार, 3 अप्रैल से मुकाबले शुरू होंगे, जिसमें पुरुष पिस्टल और पुरुष एवं महिला स्कीट शूटर्स सबसे पहले निशाना साधेंगे। प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 15 फाइनल्स में से पहला फाइनल खेला जाएगा।

जिसमें पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के लिए दुनिया के शीर्ष निशानेबाजों के बीच मुकाबला होगा। इसमें तीन भारतीय शूटर-सौरभ चौधरी, रविंदर सिंह और वरुण तोमर शामिल हैं, जो इस टूर्नामेंट और वर्ष की स्वर्णिम शुरुआत करने की कोशिश करेंगे।

वहीं, पुरुष और महिला स्कीट मुकाबलों में पहले दिन केवल शुरुआती दो क्वालीफाइंग राउंड (प्रत्येक में 25 टारगेट) होंगे।

सार संक्षेप

डिजिटल युग में भारत बनेगा ई-स्पोर्ट्स का ग्लोबल हब

नई दिल्ली। ई-स्पोर्ट्स की दुनिया में भारत की सशक्त उपस्थिति को बढ़ावा देने के लिए इंडिया ई-स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) द्वारा क्राफ्टन इंडिया के सहयोग से इन्वेस्ट इंडिया की साझेदारी में हुआ। ई-स्पोर्ट्स को पारंपरिक खेलों की श्रेणी में लाने और इसे बाकी परंपरागत खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। हाल ही में एशियाई खेलों में ई-स्पोर्ट्स को एक पदक खेल के रूप में शामिल किया गया था और अगस्त 2025 में रियाद में ई-स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप का आयोजन किया जाएगा, इसके साथ ही, एशियाई खेल 2026 में ई-स्पोर्ट्स एक प्रमुख आकर्षण बनने जा रहा है, ई-स्पोर्ट्स की यह प्रगति न केवल खिलाड़ियों और उद्योग के लिए नई संभावनाएं खोल रही है, बल्कि इसे मुख्यधारा के खेलों के साथ जोड़कर एक नई पहचान भी दे रही है। इस अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री, श्रीमती रक्षा निखिल खडसे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने भारत में ईस्पोर्ट्स के बढ़ते प्रभाव, डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन और सरकार द्वारा ईस्पोर्ट्स को मुख्यधारा में शामिल करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

यशस्वी ने घरेलू सत्र के लिए मुंबई से गोवा का रुख किया

नई दिल्ली। एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, भारत के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 2025/26 के घरेलू क्रिकेट सत्र के लिए मुंबई से गोवा का रुख किया है, गोवा क्रिकेट संघ (जीसीए) के अध्यक्ष विपुल फड़के ने इसकी पुष्टि की है। जायसवाल, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने अब तक तीन मैचों में 34 रन बनाए हैं, उन्हें मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी मिल गया है। इससे पहले, सिद्धेश लाड और अर्जुन तेंदुलकर घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेले थे। वास्तव में, यह प्रक्रिया अभी भी चल रही है, लेकिन उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी प्राप्त कर ली है। मुझे लगता है कि हमारे सचिव (शंबा नाइक देसाई) उनके संपर्क में थे। उन्होंने यह काम करवाया। अपने निजी कारणों से, जायसवाल ने मुंबई छोड़ दिया है। मुझे इसकी प्रकृति नहीं पता है और मैं इस पर टिप्पणी भी नहीं करना चाहता, साथ ही मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है कि उन्होंने मुंबई क्यों छोड़ा। लेकिन उन्होंने एनओसी ले ली है और गोवा के लिए खेलने की इच्छा व्यक्त की है। फड़के ने बुधवार को आईएएनएस से कहा कि गोवा के लिए उन्हें शामिल करना और हमारी टीम का हिस्सा बनाना एक अच्छा अवसर है।

जदुमणि ने ट्रोब्रिज की चुनौती को पार कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चैंपियन जदुमणि सिंह मंडेंगबाम ने दबाव में अपने मजबूत प्रदर्शन से ग्रेट ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज को हराकर विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 के 50 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 2024 विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल के रजत पदक विजेता ट्रोब्रिज ने अपने सामान्य आक्रामक अंदाज में मुकाबला शुरू किया, लेकिन भारतीय मुक्केबाज दबाव को झेलने और अपने मुक्कों को जमाने के तरीके खोजने के लिए तैयार थे, जिससे 3:2 के स्प्लिट निर्णय से उन्हें जीत मिली। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना

विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील

पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन असिलबेक जलीलोव से होगा। हालांकि, 75 किग्रा, 85 किग्रा और 90+ किग्रा वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई, क्योंकि तीनों मुक्केबाज अपने-अपने मुकाबलों में हार गए। निखिल दुबे 75 किग्रा के मुकाबले में स्थानीय पसंदीदा काऊ बेलिनी से 0:5 से हार गए, जबकि जुगनू 85 किग्रा में फ्रांस के अब्दुलये ट्रेरे से 1:4 के विभाजित निर्णय से हार गए। नरेंद्र कजाकिस्तान के दानियाल सपरबे को हराने के करीब पहुंचे, यहां तक कि एक जज से 30-27 का फैसला भी मिला, लेकिन 90+ किग्रा के मुकाबले में 3:2 के विभाजित निर्णय से हार गए बुधवार को मनीष राठौर (55 किग्रा) का मुकाबला पेरिस ओलंपियन ऑस्ट्रेलिया के यूसुफ चोथिया से होगा।

विलियमसन ने प्रभसिमरन की सराहना की

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पंजाब किंग्स इलेवन के प्रभसिमरन सिंह की शानदार पारी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पारी ने जीत की मजबूत नींव रखी। प्रभसिमरन ने 34 गेंदों पर 69 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर मजबूत नींव रखी। कप्तान अय्यर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, लगातार दूसरा अर्धशतक (नाबाद 52) बनाकर नाबाद रहे, जबकि वढेरा ने नाबाद 43 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिससे पीबीकेएस ने 22 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। विलियमसन ने जियो

■ प्रभसिमरन ने 34 गेंदों पर 69 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर मजबूत नींव रखी

हॉटस्टार पर कहा कि यह एक धमाकेदार शुरुआत थी। पहली पारी में पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं लग रही थी और इसमें खेलना मुश्किल था। हालांकि, प्रभसिमरन ने खुद को इससे प्रभावित नहीं होने दिया, वह इरादे के साथ मैदान में आए,

आईपीएल 2025

पहला पंच मारा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 34 गेंदों पर उसकी 69 रन की पारी अविश्वसनीय थी। उसकी पारी ने श्रेयस अय्यर और नेहल वढेरा के लिए पारी को समाप्त करने के लिए एकदम सही मंच तैयार किया। इससे पहले, पीबीकेएस ने खेल के शुरुआती चरणों को नियंत्रित किया क्योंकि अर्शदीप सिंह ने 3-31 के आंकड़े के साथ मुकाबले का नेतृत्व किया और एलएसजी को 171/7 तक सीमित कर दिया। अर्शदीप के प्रदर्शन पर विलियमसन ने कहा कि तेज गेंदबाज ने शुरुआत के साथ-साथ अंतिम ओवर में भी अपनी भूमिका खूबसूरती से निभाई। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और पिछले कुछ समय से भारतीय सेटअप का हिस्सा रहे हैं। वह समझता है कि धैर्य और सही क्षेत्रों में बल्लेबाजी करने से सीम गेंदबाजों को परिणाम मिलेंगे। उसने महत्वपूर्ण विकेट लिए और अगर यह अर्शदीप के लिए एक अच्छा दिन नहीं माना जाता, तो वास्तव में एक अच्छा दिन शायद 20 रन देकर तीन या चार विकेट लेना होगा।

जो किसी की भी उम्मीदों से बढ़कर होगा। विलियमसन ने कहा कि उनकी शुरुआती सफलता महत्वपूर्ण थी, मिशेल मार्श को आउट करना, जो अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दे रहे थे, ने बहुत बड़ा प्रभाव डाला।

बाईचुंग भूटिया, सुब्रत पॉल गोवा में डीएससी फुटबॉल राष्ट्रीय फाइनल की शोभा बढ़ाएंगे

गोवा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फुटबॉल 2025 का बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय फाइनल 8 अप्रैल को गोवा में शुरू होगा। एक प्रमुख घटनाक्रम में, प्रसिद्ध अंग्रेजी फुटबॉल टीम नॉर्विच सिटी एफसी की युवा टीम टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में भाग लेगी, जहां फुटबॉल के दिग्गज बाईचुंग भूटिया और सुब्रत पॉल इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। चैंपियनशिप में आठ लड़कों और आठ लड़कियों की टीमें एक साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगी। पहली बार रोमांचक रूप से, लड़कियों के टूर्नामेंट में असम, झारखंड, केरल, राजस्थान, गोवा,

ओडिशा, कर्नाटक और दिल्ली से अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा नामित राज्य टीमें शामिल होंगी। ग्रुप स्टेज मैच एमएजी वेनीलाम फुटबॉल ग्राउंड और उटोर्डा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होंगे, जबकि ग्रैंड फिनाले 15 अप्रैल को राया फुटबॉल ग्राउंड में होगा।

■ चैंपियनशिप में आठ लड़कों और आठ लड़कियों की टीमें एक साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगी

टूर्नामेंट के दौरान, डीएससी सभी प्रतिभागी टीमों के सहायक कर्मचारियों के लिए, नॉर्विच सिटी कोचों के नेतृत्व में ड्रीम अगेन पहल के तहत ज्ञान विनिमय कार्यशालाओं का भी आयोजन करेगा। कार्यशालाओं में कोचिंग में नेतृत्व, शारीरिक और चिकित्सा जागरूकता और फुटबॉल स्टाफ विकास जैसे विषय शामिल होंगे। क्षेत्रीय दौरों के बाद, सात भारतीय युवा टीमों ने राष्ट्रीय फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। ये टीमें हैं पंजाब एफसी (दिल्ली), रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (मुंबई), चेन्नईयिन एफसी (बेंगलुरु), मोहन बागान सुपर जायंट (कोलकाता), फुटबॉल 4 चेंज (गुवाहाटी), एसईएसए एफए और डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब (गोवा)। इस बीच, टूर्नामेंट ग्रुप स्टेज प्रारूप का पालन करेगा, जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचेंगी। नॉर्विच सिटी एफसी की भागीदारी टूर्नामेंट में एक अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति जोड़ती है।

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल की

हैमिल्टन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने बुधवार को सेडन पार्क में दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 84 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। मिशेल हे के नाबाद 99 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 292/8 का स्कोर बनाया। बाद में, तेज गेंदबाजों के विनाशकारी प्रदर्शन ने पाकिस्तान के लिए, लक्ष्य का पीछा करना महज औपचारिकता बना दिया, क्योंकि वे 208 रन पर ढेर हो गए। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह फैसला उल्टा पड़ गया क्योंकि सलामी बल्लेबाज राइस मारियू और निक केली ने न्यूजीलैंड को शानदार शुरुआत दिलाई और छह ओवर में ही 50 रन बना लिए। हालांकि, हारिस राउफ ने सातवें ओवर में केली को आउट करके पाकिस्तान को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके बाद बाबर आजम ने मारिउ को आउट करने के लिए एक तेज कैच लिया, जिससे मेजबान टीम का स्कोर 15वें ओवर तक 97/2

हो गया। इसके बाद, बाएं हाथ के स्पिनर सुफियान मुकीम ने डेरिल मिशेल और हेनरी निकोल्स को जल्दी-जल्दी आउट कर मेजबान टीम का स्कोर 135/4 कर दिया। लेकिन जब पाकिस्तान नियंत्रण हासिल करने की स्थिति में था,

SENSEX	BSE	76617.44 ▲ 592.93	NSE	23332.35 ▲ 166.65	MCX	Gold 90500 ▼ 03	silver 10012: ▲ 564

अर्थ जगत

फोर्ब्स सूची में शीर्ष पर आए एलन मस्क

नई दिल्ली। एलन मस्क ने पिछले वर्ष बर्नार्ड अर्नाल्ट से विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब फिर हासिल कर लिया है। उनके बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति, मेटा के मार्क जुकरबर्ग हैं, जिनकी अनुमानित कुल संपत्ति 216 बिलियन डॉलर है, पर 126 बिलियन डॉलर की बढ़त भी बना ली है। एक्स, टेस्ला, स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए है। एलन मस्क को फोर्ब्स की सूची में सबसे अमीर व्यक्ति बताया गया है।

सोने में लगातार तेजी, नये रिकॉर्ड पर

चांदी ने भी लगाई छलांग

__नई दिल्ली।__ नए वित्त वर्ष में सोने की शुरुआत शानदार हुई। पहले दिन ही सोने के वायदा भाव ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। दूसरे दिन भी सोने की शुरुआत तेजी के साथ हुई। चांदी की शुरुआत भी तेज रही।। घरेलू बाजार में खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 91,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 99,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट आज 354 रुपये की तेजी के साथ 91,229 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 90,875 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 330 रुपये की तेजी के साथ 91,205 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 91,232 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 91,154 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इसी महीने 91,400 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट आज 205 रुपये की तेजी के साथ 99,666 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 99,461 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 475 रुपये की तेजी के साथ 99,936 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,00002 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 99,666 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3200 डॉलर की ओर- अंतराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,147.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,146 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 13.90 डॉलर की तेजी के साथ 3,159.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.37 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 34.30 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.21 डॉलर की तेजी के साथ 34.51 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

15 महीने में सोना करीब 45 प्रतिशत महंगा हुआ

2024 से लेकर इस साल अब तक सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी रही है। गौरतलब है कि घरेलू बाजार में 2024 में सोना 27.24 प्रतिशत महंगा हुआ था। वहीं, 2025 में अभी तक सोना करीब 18 प्रतिशत महंगा हो चुका है। इस तरह पिछले 15 महीने में सोना 45 प्रतिशत महंगा हो गया है। सोने में यह तेजी क्या आगे भी जारी रहेगी या बड़ी गिरावट आ सकती है।

ट्रंप टैरिफ का नहीं पड़ा असर सेंसेक्स 592 अंक उछला

मुंबई। सेंसेक्स आज यानी 2 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संभावित टैरिफ ऐलानों से भी बाजार बेखौफ दिखा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 592 अंक चढ़कर 76,616 के स्तर पर, वहीं निफ्टी में 166 अंक की बढ़त रही, ये 23,332 के स्तर पर बंदग हुआ।

आज सबसे ज्यादा तेजी रियल्टी सेक्टर में रही। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 2.69 प्रतिशत चढ़ा। ऑटो इंडेक्स भी करीब 1 प्रतिशत ऊपर था। आईटी, एफएमसीजी मेटल और फार्मा इंडेक्स में करीब 0.50 प्रतिशत की तेजी रही। निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में मामूली गिरावट रही।

तेजी के प्रमुख कारण

ग्लोबल मार्केट्स से मजबूत संकेत- एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा, शंघाई हरे रंग में कारोबार कर रहा था, जबकि हांगकांग लाल रंग में रहा। वॉल स्ट्रीट पर, एसएंडपी 500 21.22 अंक या 0.38 प्रतिशत बढ़कर 5,633.07 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 150.60 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 17,449.89 पर बंद हुआ। हालांकि, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 11.80 अंक या 0.03 प्रतिशत गिरकर 41,989.96 पर बंद हुआ। शेयर बाजार इस समय ट्रंप के संभावित टैरिफ ऐलानों पर करीब नजर बनाए हुए हैं, जिससे निवेशकों के सेंटीमेंट पर असर पड़ सकता है।

निचले स्तर पर खरीदारी- शेयर बाजार में पिछले 2 दिनों की की गिरावट के बाद, आज लार्ज-कैप शेयरों में निचले स्तर पर खरीदारी देखने को मिली। एचडीएफसी बैंक, मारूती सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक और कई प्रमुख आईटी शेयरों में निवेशकों की रुचि बढ़ी।

वोलैटिलिटी इंडेक्स में गिरावट- शेयर बाजार में डर का संकेत देने वाला इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स आज कारोबार के दौरान 0.89 प्रतिशत गिरकर 13.66 पर आ गया, जिससे संकेत मिलता है कि बाजार में घबराहट कम हो रही है।

ग्लोबल मार्केट में बढ़त- एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.28 प्रतिशत और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.05 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.019 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।1 अप्रैल को अमेरिका का डाओ जोंस 0.028 प्रतिशत गिरकर 41,989 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.87 प्रतिशत की तेजी रही जबकि एस एण्ड पी 500 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। 1 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 5,901 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

जापान को पीछे छोड़कर भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाईल बाज़ार

__नई दिल्ली।__ भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कई कदम उठा रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में कहा कि भारत 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों का सबसे बड़ा निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनका यह भी कहना है कि ईवी क्षेत्र में भारत का भविष्य बहुत उज्जवल है।

गडकरी ने बताया,जब हमारी सरकार 2014 में सत्ता में आई थी तो मैंने इलेक्ट्रिक वाहनों पर बात की थी। उस वक्त कोई इस विचार पर विश्वास नहीं करता था लेकिन आज यह एक सच्चाई बन चुका है। मंत्री के अनुसार, जब हमारी सरकार ने कार्यभार संभाला था तब भारतीय मोटर वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था। अब यह बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और हम जापान को पीछे छोड़कर, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार बन गए हैं।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता में हाल के वर्षों में जबरदस्त वृद्धि हुई है और यह वृद्धि लगातार जारी है। सरकार की नीतियों और बुनियादी ढांचे के सुधारों ने इस वृद्धि को और तेज किया है। बैटरी चालित वाहनों की बिक्री में तेजी आई है और 2023 में यह आंकड़ा 1.52 मिलियन तक पहुंच गया जो पिछले साल की तुलना में 49.25 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। ईवी क्षेत्र में सुधार के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के तहत बेहतर उत्पाद उपलब्धता और बेहतर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ने भी इस बदलाव में अहम भूमिका निभाई है। मंत्रालय ने कहा कि 2030 तक भारत की योजना ईवी निर्माण में एक प्रमुख स्थान पर होने की है जिससे पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत में भी मदद मिलेगी।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि मार्च में आठ महीने के उच्च स्तर पर

__नई दिल्ली।__ भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। बेहतर मांग की स्थिति के बीच कारखाना ऑर्डर और उत्पादन में तीव्र वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। बुधवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में 58.1 रहा जो फरवरी में 58.1 था।

फरवरी में, नए ऑर्डर तथा उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई थी। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि ने फरवरी में खोई हुई जमीन वापस पा ली है, जो मुख्य रूप से इसके सबसे बड़े उप-घटक नए ऑर्डर सूचकांक के मजबूत योगदान से प्रेरित रही।

सर्वेक्षण में कहा गया, ''मार्च में कुल बिक्री में जुलाई 2024 के बाद से सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जिसका श्रेय कंपनियों ने सकारात्मक ग्राहक रुचि, अनुकूल मांग की स्थिति और सफल विपणन पहल को दिया। इसमें कहा गया, कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में उत्पादन की मात्रा बढ़ा दी। विस्तार की दर तेज हुई और अपने ऐतिहासिक औसत से अधिक रही

जिससे आठ महीनों में सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। मार्च में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि जारी रही लेकिन वृद्धि की गति तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बिक्री के मामले में एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में हुई वृद्धि का हवाला दिया। बढ़ती मांग से कंपनियों को ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने भंडार का उपयोग करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप जनवरी 2022 के बाद से तैयार माल के भंडार में सबसे तेज गिरावट आई। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 विनिर्माताओं के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	85. 50
एक यूरो	92. 93
एक ब्रिटिश पाउंड	111 . 03
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	53. 86
एक जापानी येन	0. 57

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 94 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-122 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -52 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 93100 चांदी -102550

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-93100 चांदी -102550

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 11000-12000, फाइन 130000-13500, एकस्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7600-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7500-7700, मसूर दाल फाइन 7800-8000, उड़द छिलका 8000-8500, फाइन 8500-9500, उड़द धुली 10000-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 10000- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4400-4500, फाइन 5400-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070

भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

कल्याण ज्वेलर्स ने छिंदवाड़ा में पहला शोरूम किया लॉन्च

__छिंदवाड़ा।__ भारत के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद आभूषण ब्रांडों में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने छिंदवाड़ा में सद्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल के पास अमित ठेंग द्वार में आधिकारिक तौर पर अपना पहला शोरूम लॉन्च किया है।

यह मध्य प्रदेश में ब्रांड की उपस्थिति को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नया और शानदार शोरूम मध्य प्रदेश राज्य में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करता है, जिसमें विभिन्न संग्रहों से डिज़ाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला है। संरक्षक विश्व स्तरीय माहौल के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं की उम्मीद कर सकते हैं, जो एक अद्वितीय खरीदारी अनुभव प्रदान करते हैं। नए शोरूम के बारे में बात करते हुए कल्याण ज्वेलर्स के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन ने कहा, छिंदवाड़ा में हमारे नए कल्याण ज्वेलर्स शोरूम के लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो हमारे ग्राहकों की अनूठी जरूरतों को पूरा करता है, उनके खरीदारी के अनुभव को बेहतर बनाता है। हम लगातार विकसित होने, विश्व स्तरीय माहौल प्रदान करने और ब्रांड के विश्वास और पारदर्शिता के मूल मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कल्याण ज्वेलर्स में, हम गुणवत्ता और असाधारण सेवा पर जोर देते हुए, उत्तम और विशिष्ट आभूषण डिजाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करना जारी रखेंगे।

एयरटेल ने मध्य प्रदेश में नई सुविधा के साथ किया ग्राहक सेवा क्षमताओं का विस्तार

__इंदौर।__ भारत की अग्रणी टेलीकॉम सेवा प्रदाता में से एक भारती एयरटेल ने अशोक नगर, मध्य प्रदेश में अपनी नई अत्याधुनिक ग्राहक सेवा फ़ैसिलिटी का शुभारंभ किया है। यह फैसिलिटी एयरटेल के सबसे बड़े कॉल सेंटरों में से एक है, जिसका उद्घाटन संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने किया।

यह नया केंद्र इनबॉउन्ड ग्राहकों के शिकायतों को संभालने में सक्षम होगा, जिससे न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे भारत में ग्राहकों को बेहतर सेवा मिल सकेगी। यह पहल एयरटेल की कनेक्टिविटी को मजबूत करने, डिजिटल बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और क्षेत्र में नए रोजगार अवसर सृजित करने के प्रयासों का हिस्सा है। उद्घाटन के दौरान, मंत्री ने इस केंद्र का दौरा किया, वहां के कर्मचारियों से बातचीत की और प्रशिक्षण व नियुक्ति प्रक्रियाओं को समझा। उन्होंने इस अत्याधुनिक सुविधा, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों की सराहना करते हुए डिजिटल युग में लोगों को जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने इस विश्वास्तरीय सुविधा की स्थापना में एयरटेल के त्वरित प्रयासों की सराहना की और नए कॉल सेंटर एजेंटों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। एयरटेल इस नए कॉल सेंटर के माध्यम से उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने और स्थानीय समुदाय के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करने के अपने संकल्प को जारी रखेगा।

आरबीआई 80,000 करोड़ के बॉन्ड खरीदेगा, लिक्विडिटी सुधारने पर फोकस

__नई दिल्ली।__ भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025 के अंत में सबसे बड़ा ओपन मार्केट ऑपरेशन करने का फैसला लिया है। केंद्रीय बैंक 80,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदेगा। यह खरीदारी चार चरणों में होगी, 3 अप्रैल, 8 अप्रैल, 22 अप्रैल और 29 अप्रैल को, हर बार 20,000 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे जाएंगे। यह फैसला आरबीआई की निरंतर लिक्विडिटी सुधारने की रणनीति का हिस्सा है। मार्च में भी केंद्रीय बैंक ने दो किश्तों में 50,000-50,000 करोड़ रुपए की लिक्विडिटी मार्केट में डाली थी। आरबीआई ने कहा है कि वह बाजार की स्थिति पर नजर बनाए रखेगा और जरूरत पड़ने पर आगे भी हस्तक्षेप करेगा।

बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी सुधरी- मार्च 2025 के अंत तक भारतीय बैंकिंग सिस्टम में 89,400 करोड़ रुपए का सरप्लस दर्ज किया गया, जबकि जनवरी में यह 3.3 लाख करोड़ रुपए के घाटे में था। इससे संकेत मिलता है कि आरबीआई के हस्तक्षेप से

लिक्विडिटी में सुधार हुआ है।

आरबीआई के इस फैसले की जरूरत क्यों?- इकोनॉमिक रिकवरी अभी पूरी तरह मजबूत नहीं हुई है। महंगाई और औद्योगिक विकास धीमा पड़ सकता है। वैश्विक आर्थिक मंदी और रूस-यूक्रेन युद्ध का असर भारतीय बाजार पर पड़ रहा है।

आरबीआई के 90 साल पूरे

भारतीय रिजर्व बैंक के 90वें स्थापना दिवस के मौके पर गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अगला दशक भारतीय अर्थ-व्यवस्था के वितीय ढांचे को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, आरबीआई पिछले 90 सालों से मौद्रिक और वितीय स्थिरता का संरक्षक रहा है। भविष्य में भी हम देश की प्रगति और लोगों के कल्याण के लिए समर्पित रहेंगे।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोनः 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

फ्लैट बेचना है
गोलबाजार, जबलपुर में 742 वर्गफुट का 2 BHK बालकनी सहित फ्लैट दूसरी मंजिल पर बिक्री हेतु उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
एडवोकेट रविशंकर पटेल
फोन नंबर-
9827087838

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

दिहाड़ी श्रमिकों का बढ़ेगा वेतन

अरसे बाद अब मिलेगी रविवार की छुट्टी और महंगाई भत्ता

जबलपुर, देशबन्धु। ये खबर शहर के साथ प्रदेश भर के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान ला सकती हैं कि अरसे बाद उनका वेतन बढ़ने जा रहा हैं। दिहाड़ी श्रमिकों को बढ़ा हुआ वेतन ही नहीं अब रविवार का अवकाश और 6 माह का महंगाई भत्ता भी मिलेगा। दैनिक वेतन भोगी कर्मियों के लिए न्यूनतम वेतन में अप्रैल से वेतन वृद्धि की अधिसूचना जारी हो गई है। इससे मध्य प्रदेश की मिलों, कारखानों, सार्वजनिक उपक्रमों, बिजली कंपनियों में दैनिक वेतन पर कार्यरत लगभग 20 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

इस तरह चार श्रेणियों में की गई वृद्धि- 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की गई हैं जो 4 श्रेणियों में होगी। चारों श्रेणियों के श्रमिकों के दैनिक वेतन में 466 रुपए से 633 रुपए तक की वृद्धि की गई है। इस वृद्धि का आधार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई इंडेक्स) है। श्रम विभाग द्वारा हर साल दो बार (अप्रैल और अक्टूबर) न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन किया जाता है। बता दें श्रम आयुक्त द्वारा साल में दो बार, अप्रैल और अक्टूबर में, न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि की जाती है। इस वृद्धि का आधार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई इंडेक्स) है। अकुशल श्रेणी में जहां 368.27 रुपए प्रतिदिन के वेतन के स्थान पर अब 466.35 रुपए प्रतिदिन, अर्ध कुशल श्रमिकों को 406.58 रुपए प्रतिदिन के स्थान पर 505 रुपए प्रतिदिन, कुशल श्रमिकों को 472.85 रुपए प्रतिदिन के स्थान पर 571 रुपए प्रतिदिन और उच्च कुशल श्रमिकों को 535.35 रुपए प्रतिदिन के स्थान पर अब 633 रुपए प्रतिदिन का पारिश्रमिक निर्धारित किया गया हैं।

इस तरह होगा वेतनमान

श्रमिक नेताओं ने बताया कि शहर के साथ प्रदेश में 1 अप्रैल 2025 से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों और श्रमिकों के वेतन में वृद्धि की गई है। इसके अनुसार अकुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 12 हजार 125 रुपए होगा। अर्धकुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 13 हजार 121 रुपए होगा। कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 14 हजार 844 रुपए होगा। उच्च कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 16 हजार 469 रुपए होगा।

संभाग के जिलों में बारिश, जबलपुर और राजधानी में तेज हवा चलने की चेतावनी

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के छिंदवाड़ा-डिंडौरी में बुधवार को मौसम में आए बदलाव के बाद बारिश शुरु हो गई। वहीं प्रदेश के आठ जिलों में ओले व बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा भोपाल व जबलपुर में आंधी चलने के आसार प्रबल है।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो साइक्लोनिक सर्कुलेशन-टर्फ के कारण प्रदेश में ओले-बारिश व आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। एक दिन पहले प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे तो कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। जबलपुर, नीमच, मंदसौर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, उमरिया व कटनी में गरज-चमक, तेज आंधी का असर भी देखने को मिला। दूसरी ओर कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई है।

राज्य सेवा परीक्षा-2025 की मुख्य परीक्षा आयोजित करने पर रोक

प्रारंभिक परीक्षा के वर्गवार कट-ऑफ मार्क्स जारी करने के निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2025 की मुख्य परीक्षा के आयोजन पर अंतरिम रोक लगा दी है। अब न्यायालय की बगैर अनुमति के मुख्य परीक्षा का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। युगलपीठ ने मप्र लोक सेवा आयोग को निर्देशित किया है कि वह राज्य सेवा परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा के वर्गवार कट-ऑफ मार्क्स जारी करे।

कोर्ट की अनुमति बिना नहीं होगी मुख्य परीक्षा

हाईकोर्ट ने मप्र लोक सेवा आयोग को यह स्पष्ट करने कहा है कि आरक्षित वर्ग के कितने प्रतिभावान अभ्यर्थियों को अनारक्षित वर्ग में चयनित किया गया है। इसके लिए दो सप्ताह की मोहलत दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को नियत की गई है।

याचिकाकर्ता राजधानी भोपाल निवासी सुनील यादव सहित अन्य की ओर से यह मामला दायर किया गया है। उन्होंने दलील दी कि मप्र लोक सेवा आयोग ने कुल 158 पदों की भर्ती के लिए पांच मार्च 2025 को प्रारंभिक परीक्षा परिणाम घोषित किया था। इसमें वर्गवार कट-ऑफ -अंक जारी नहीं किये गये हैं। जबकि पूर्व की सभी परीक्षाओं में वर्गवार कट-ऑफ अंक जारी किया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के विभिन्न फैसलों को बायपास करते हुए आयोग अनारक्षित पदों के विरुद्ध आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चयनित नहीं कर रहा है।

सभी अनारक्षित पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित करके प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया है। मप्र लोक सेवा आयोग ने इस त्रुटि को छिपाने के लिए 2025 के प्रारंभिक परीक्षा में कट-ऑफ मार्क्स भी जारी नहीं किये हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा।

महाधिवक्ता के खिलाफ ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर ने दायर की याचिका

नर्सिंग मामले में अलग से तीन करोड़ लेने सहित अन्य आरोप

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट में मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह के विरुद्ध ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने एक याचिका दायर की है। इसके जरिए बहुचर्चित नर्सिंग मामले में अलग से तीन करोड़ रुपये का भुगतान लेने सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। मामले में संभवत: चार अप्रैल को सुनवाई होगी।

एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका के अनुसार महाधिवक्ता को राज्य निधि से न्यायाधीशों के बराबर वेतन दिया जाता है। आरोप है कि इसके बावजूद महाधिवक्ता प्रशांत सिंह व उनकी टीम ने सरकार के कई विभागों से पैरवी के नाम पर भारी भरकम राशि प्राप्त की है। महाधिवक्ता को प्रति पेशी पांच लाख रुपये तक का भुगतान किया गया।

आरोप है कि सिर्फ नर्सिंग काउंसिल और मेडिकल विश्वविद्यालय से ही ढाई करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सरकार के विधि अधिकारियों को शासकीय प्रकरणों में पैरवी हेतु वेतन के अलावा पृथक से राशि देय नहीं होगी। इसके बावजूद महाधिवक्ता ने अपने पद व प्रभाव का दुरुपयोग कर सरकारी विभागों सहित निगम मंडलों से पैरवी व अभिमत के नाम पर व्यापक पैमाने पर राशि प्राप्त की है। साथ ही आरोप है कि महाधिवक्ता कार्यालय में विधि अधिकारियों की नियुक्तियों में जमकर भाई भतीजावाद हुआ है।

मौजूदा विधि अधिकारियों की नियुक्ति में ओबीसी, एससी, एसटी और महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं कराया गया। दरअसल, विधि अधिकारियों की नियुक्ति में महाधिवक्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और उन्हीं की अनुशंसा पर नियुक्तियां की जाती है।

एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह व उदय कुमार ने याचिका दायर कर महाधिवक्ता के विरुद्ध अधिकारपृक्षा (क्योवरेंटों) रिट जारी करने व आरक्षण अधिनियम 1994 की धारा-6 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की राहत सहित हाई पावर कमेटी गठित कर महाधिवक्ता के कार्यकाल की सूक्ष्मता से जांच कर कराये जाने की मांग की गई है।

कर्मचारी की हत्या पर हंगामा

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में एक रिटायर्ड कर्मचारी का बुधवार सुबह सोन नदी के तट पर शव मिला।

मृतक राम खेलामन वासुदेव (63) रात 3 बजे अपनी पत्नी के साथ सोन नदी किनारे शौच के लिए गए थे। तभी अवैध खदानों में काम करने वाले कुछ लोग नदी के किनारे पहुंच

आक्रोशित परिजनों ने पुलिस को शव नहीं सौंपा, जबकि पुलिस पोस्टमॉर्टम के लिए अड़ी है। परिजनों का कहना है कि आरोपियों के घर गिराए जाए और उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए। पुलिस की कार्यशैली से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। हालांकि पुलिस के लिखित आश्वासन के बाद परिजनों ने पीएम के पुलिस को शव सौंपा।

आर्थिक संकट का शिकार ग्रामीण विकास पंचायत संचालनालय

वेतन वितरण के लिये चाहिये 6 करोड़, मिलते हैं 3 करोड़

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के कई विभाग आर्थिक तंगहाली का शिकार हैं। अब तो हालात इतने खराब होने लगे हैं कि वेतन बांटने तक के लिये के लिये विभागीय अधिकारियों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

कुछ इसी तरह की समस्या से दो चार है जबलपुर स्थित महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण ग्रामीण-पंचायत विकास संचानलय।

यहां पर अकेले कर्मचारियों को वेतन बांटने के लिये सालाना करीब छ से सात करोड़ की आवश्यकता होती है। इसके लिये मुख्यालय को उक्त राशि के लिये प्रतिवेदन भी भेजा जाता है। परंतु आधे से कम राशि आवंटित की जाती है। इससे इस बात पर स्वामेव मुहर लग जाती है कि ग्रामीण पंचायत विकास संचालनालय में आर्थिक संकट व्याप्त है।

प्रशिक्षण एवं अन्य काम प्रभावित- सूत्रों के अनुसार भले दूसरे फंड से बकाया वेतन के लिये राशि की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन इससे उन प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर असर होने लगा है जिसे राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा संचालित किया जाता है। इस बारे में खुलकर विभाग के गलियारों में अधिकारी बोलने से बच रहे हैं। लेकिन इससे इंकार नहीं किया जा सकता है कि धन की कमी योजनाओं को क्रियान्वित करने में बाधा बन रही है।

संचालनालय में इतने कर्मी हैं

ग्रामीण पंचायत विकास संचालनालय में अभी लगभग 105 कर्मचारी हैं। इनमें आउट सोर्स वाले कर्मियों की संख्या लगभग पचास बताई जा रही है। इन्हीं कर्मियों की मदद से विभाग में रोजमर्रा के कार्य संपादित कराये जाते हैं। इससे समझा जा सकता है कि विभाग की रीढ़ की हड्डी कर्मचारी माने जा सकते हैं। ऐसे में विभागीय अधिकारियों को अपने कर्मियों के वेतन के लिये परेशान होना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार किसी तरह कर्मियों के वेतन के इंतजाम की बात कही जा रही है। जिसमें दीगर मद से मिलने वाले फंड से वेतन के लिये बकाया राशि की व्यवस्था की जा रही है।

चीनी के दाम में भारी तेजी, 47 रूपए किलो पर पहुंची

जबलपुर, देशबन्धु। कम उत्पादन और बढ़ती मांग के चलते चीनी की कीमतों में इन दिनों भारी तेजी देखने को मिल रही है। आलम यह है कि फुटकर में चीनी के दाम बढ़कर 45 रूपए से लेकर 47 रूपए किलो की ऊंचाई पर पहुंच चुके हैं।

जबकि फरवरी माह में चीनी के दाम 42-43 रूपए किलो के स्तर पर थे। इस प्रकार गत 1 माह के दौरान चीनी की कीमतों में 3 से 4 रूपए किलो की तेजी आ चुकी है। खबरों के मुताबिक यूपी, महाराष्ट्र सहित देश के सभी चीनी उत्पादक राज्यों में उत्पादन नीचे आया है, इसका असर घरेलू कीमतों पर पड़ रहा है वहीं इसका असर निर्यात पर भी पड़ने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। सहकारी संस्था एनएफसीएसएफ के अनुसार भारत का चीनी उत्पादन मार्च माह में चालू सत्र 2024-25 में 16 फीसदी घटकर 2.37 करोड़ के करीब आ गया है।

जबकि पहले बम्पर चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया गया था। जानकारों का कहना है कि जिस तरह से चीनी उत्पादन के अनुमानित आंकड़े के अनुमान लगाए जा रहे हैं, उस हिसाब से इस बार चीनी उत्पादन अनुमान से कम उत्पादन पर सिमट सकता है। जिसका असर भविष्य में चीनी की कीमतों में बढ़ी कीमतों के रूप में दिख सकता है। चीनी की एकाएक तेजी से आम उपभोक्ता चकित हो रहे हैं और उनकी गृहस्थी का बजट बढ़ती महंगाई से गड़बड़ाता जा रहा है।

जंगल में महुआ बीनने गई महिला पर बाघ ने किया हमला, मौत

उमरिया, देशबन्धु। जिले के पनपथा रेंज के अंतर्गत कुशमहा ग्राम में एक दर्दनाक घटना घटी जब जंगल में महुआ बीनने गई एक महिला पर बाघ ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई है और लोग जंगल जाने से डरने लगे हैं।

घटना में जान गंवाने वाली महिला की पहचान रानी सिंह (27 वर्ष) पत्नी प्रकाश सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह सुबह अपने घर से महुआ बीनने के लिए जंगल की ओर गई थी। इसी दौरान अचानक एक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। महिला के साथ अन्य ग्रामीण भी महुआ बीनने गए थे, लेकिन बाघ के हमले से डरकर वे सभी भाग खड़े हुए और गांव लौटकर घटना की जानकारी दी।

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग अलर्ट परघटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, गांव के अन्य लोग भी डरे हुए हैं क्योंकि यह पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में बाघ ने हमला किया हो। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इलाके में बाघ के मूवमेंट को ट्रैक करने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए जाएंगे। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे समूह में ही जंगल जाएं और वन विभाग की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

सरकार से मुआवजे की मांग- महिला की मौत के बाद ग्रामीणों ने सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की है। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को जल्द से जल्द मुआवजे की प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। कुशमहा ग्राम में हुई इस घटना ने एक बार फिर वन्यजीवों और इंसानों के संघर्ष की समस्या को उजागर कर दिया है। वन विभाग की ओर से सुरक्षा के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और अधिक ठोस कदम उठाने की जरूरत है। ग्रामीणों को भी सतर्क रहना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

बाघ के बढ़ते हमले चिंता का विषय

पनपथा रेंज के जंगलों में बाघों की संख्या बढ़ रही है, जिससे मानव-पशु संघर्ष की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई बार इस क्षेत्र में बाघों ने मवेशियों और इंसानों पर हमला किया है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है और जल्द ही इस समस्या के समाधान के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

गुढ़ दुष्कर्म के आरोपियों को उम्रकैद

रीवा देशबन्धु। जिला न्यायालय से गुढ़ दुष्कर्म कांड के आरोपियों को लेकर बड़ा फैसला आया है यहां न्यायाधीश द्वारा वारदात में शामिल सभी आरोपियों को ता उम्र की सजा सुनाई गई है साथ ही सभी आरोपियों पर अर्थ दंड भी लगाया गया है।

रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत भैरव बाबा मंदिर के समीप पहाड़ में पिकनिक मनाने गए नव दंपति से आठ की संख्या में आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात की थी इतना ही नहीं वारदात की वीडियो भी वायरल किया था मामला पुलिस के संज्ञान में आने के बाद एसपी विवेक सिंह के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय हिमाली पाठक ने तत्काल गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव के साथ मिलकर सभी आरोपियों को राउंडअप किया था और साइबर सेल सहित फॉरेंसिक टीम की मदद से वारदात से जुड़े सभी साक्ष्य एकत्रित किए थे इसके बाद महज 5 माह की सुनवाई के दौरान ही जिला न्यायालय रीवा से आरोपियों के विरुद्ध यह बड़ा फैसला आया है, जिला न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा सभी आरोपियों को ता उम्र यानी जीवन के आखिरी सांस तक की सजा सुनाई गई है साथ ही अर्थ दंड से भी दंडित किया है ।

17 डीआरएम के तबादले

मुदित मित्तल, सुदेशना सेन, अनुराग त्रिपाठी बने मंडल रेल प्रबंधक

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने 17 मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के ट्रांसफर का आदेश जारी किया गया है। जो अधिकारी डीआरएम बने हैं, उनमें तीन अफसर पूर्व में पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर में पदस्थ रह चुके हैं, जिनमें मुदित मित्तल जो पमरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, जबलपुर मंडल में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक पदस्थ रहे, उन्हें मैसूर में पदस्थापना मिली है।

वहीं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुदेशना सेन पमरे के उप मुख्य विजिलेंस ऑफिसर, जबलपुर मंडल में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक के पद पर कार्य कर चुकी हैं, को गुंटूर का डीआरएम नियुक्त किया गया है। वहीं अनुराग त्रिपाठी जबलपुर मंडल में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के पद पर पदस्थ रह चुके हैं, को जोधपुर का डीआरएम बनाया गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार जहां डीआरएम का समय पूरा हो गया है, वहां से उनका ट्रांसफर किया गया है।

इस तरह नये अधिकारियों की बतौर डीआरएम पोस्टिंग की गयी है। कुल 17 डीआरएम के तबादले रेलवे बोर्ड ने किया है। जिसकी सूची जारी की गयी है।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 94

मीडियम ब्रॉयलर - रु. 110

छोटा ब्रॉयलर - रु. 122

मो.- 9039925999

J.B.F.A

जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 126

मुर्गा मीडियम - रु. 114

मुर्गा बड़ा - रु. 98

मुर्गा जम्बो - रु. 98

मो.-9039925000, 9425800409